समर्थ

# 2024

**A Mass Awareness Campaign for Disaster Risk Reduction (14th Edition)**
**International Day for Disaster Risk Reduction – 2024**

# Activity Report


**Himachal Pradesh State Disaster Management Authority (HPSDMA)**
**Disaster Management Cell, Department of Revenue,**
**Himachal Pradesh Secretariat, Shimla – 171002**

0177-2880331, 2880320 | sdma-hp@nic.in | https://hpsdma.nic.in

https://facebook.com/hpsdma | youtube.com/hpsdma | https://twitter.com/hpsdma

# Content


| Sr. No. | Particular | Page Number |
|---|---|---|
| 1 | State Level Activities by HPSDMA | |
| 2 | Activities by DDMA Bilaspur | |
| 3 | Activities by DDMA Chamba | |
| 4 | Activities by DDMA Hamirpur | |
| 5 | Activities by DDMA Kangra | |
| 6 | Activities by DDMA Kinnaur | |
| 7 | Activities by DDMA Kullu | |
| 8 | Activities by DDMA Lahaul & Spiti | |
| 9 | Activities by DDMA Mandi | |
| 10 | Activities by DDMA Shimla | |
| 11 | Activities by DDMA Sirmaur | |
| 12 | Activities by DDMA Solan | |
| 13 | Activities by DDMA Una | |

INTERNATIONAL DAY FOR DISASTER RISK REDUCTION

# Celebration of Mass Campaign for International Day for Disaster Risk Reduction (IDDRR) 'SAMARTH 2024'

## 1. Introduction

The International Day for Disaster Risk Reduction (IDDRR), established by the United Nations General Assembly in 1989, is observed annually on 13th October. Its primary aim is to promote a global culture of disaster risk reduction by emphasizing prevention, mitigation, and preparedness. Over the years, IDDRR has become a significant international event, recognizing progress in disaster management and inspiring ongoing efforts to build resilient communities and nations. The theme for IDDRR 2024, “Empowering the Next Generation for a Resilient Future,” highlights the crucial role of youth in fostering a safer, disaster-prepared world.

In Himachal Pradesh, the Himachal Pradesh State Disaster Management Authority (HPSDMA) leads statewide initiatives, while District Disaster Management Authorities (DDMAs) execute district-level activities with the support of relevant departments.

In alignment with this global observance, Himachal Pradesh had been organizing an annual mass awareness campaign called *SAMARTH* since 2011, aimed at enhancing public understanding of Disaster Risk Reduction (DRR). *SAMARTH-2024* focused on creating safer schools and communities. The campaign included a range of events at the state, district, and community levels, complemented by the distribution of Information, Education, and Communication (IEC) materials designed to educate diverse audiences. HPSDMA leveraged print, electronic, and social media platforms to advocate for safe construction practices, disaster preparedness, and effective response strategies.

## 2. Objectives

- Promote safe construction practices and disaster risk governance.
- Foster community-level disaster preparedness.
- Involve youth and local communities in disaster risk reduction.
- Leverage technology for effective disaster response and communication.

## 3. Key Activities during SAMARTH-2024

### 3.1. IEC Campaign through Multi-Media

- **News Flashes, Documentaries, and Videos:** Produced and disseminated content emphasizing disaster risk governance and the Sendai Framework.
- **Social Media Engagement:** Active use of Twitter, Facebook, and YouTube to amplify campaign messages.
- **Radio and TV Jingles:** Focused on topics such as landslides, flash floods, and safe construction practices.
- **Traditional Folk Media:** Street plays (*Nukkad Natak*), visual vans, and *Kala Jatha* performances were conducted statewide.

**Preparatory Meeting of SAMARTH – 2024 with Line Departments**

### 3.2. Workshops by TCP & UD Departments

- Conducted workshops targeting urban planners, engineers, architects, and masons.

As part of the comprehensive statewide campaign SAMARTH-2024, commemorating the International Day for Disaster Risk Reduction (IDDRR), a half-day orientation and preparatory workshop was organized on September 13th, 2024, for engineers from the Town & Country Planning and Urban Development Departments. Held in hybrid mode at the HP Secretariat, Shimla, the workshop aimed to raise awareness on disaster-resilient construction practices and equip participants to promote safe urban planning. Eminent experts, including Er. Ajay Chourasia and Er. S.K. Negi from CBRI Roorkee, delivered insightful lectures on disaster-resistant design principles and technical guidelines. The interactive sessions provided a platform for discussing challenges in implementing safe construction practices at the Urban Local Body (ULB) level. This workshop set the stage for the month-long SAMARTH-2024 campaign, emphasizing the critical role of engineers in fostering disaster-resilient communities across Himachal Pradesh.

### 3.3. Community-Level Awareness Programs

- SIAG and DIAG facilitated community-focused DRR activities.

### 3.4. Gram Panchayat-Level Activities

To deliver disaster awareness programs during Gram Sabha meetings, the Rural Development Department (RDD) mobilized its extensive workforce, comprising over 300 engineers and 1,500 technical assistants. This initiative, conducted on October 2nd, 2024, spanned all Panchayats in Himachal Pradesh. RDD also engaged *Aapda Mitras* and collaborated closely with District Disaster Management Authorities (DDMAs) and technical personnel to ensure comprehensive outreach. To ensure a unified and focused approach, the Himachal Pradesh State Disaster Management Authority (HPSDMA) provided a detailed agenda, facilitating the dissemination of crucial information on disaster resilience and management practices. This coordinated effort successfully empowered local communities and promoted a culture of disaster preparedness and safety at the grassroots level.

**समर्थ, 2024**
**Suggestive Agenda of the Gram Sabha Meeting**
**ग्राम सभा की बैठक का सुझावात्मक एजेंडा**
**ग्राम सभा के लिए आपदा प्रबंधन विषय पर मुद्दा (Agenda )**

**भूमिकाः-**

वर्तमान में आपदा प्रबंधन सतत विकास की प्राथमिकता बन चुका है। ऐसे में स्थानीय स्तर पर आपदा हेतु पूर्व तैयारी व आपदाओं के जोखिमों को कम करने की जिम्मेदारी मुख्य रूप से पंचायती राज संस्थाओं, समुदाय आधारित संगठनों व ग्रामीण समुदाय की है। इसके लिए आवश्यक है कि पंचायत स्तर पर आपदा प्रबंधन के मुद्दे पर समझ विकसित करने व क्षमता वृदि पर ध्यान दिया जाए व पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधि आपदा प्रबंधन पर स्थानीय प्राधिकारी के रूप में अपने दायित्वों को समझें व इस महत्वपूर्ण विषय पर जन जागरूकता पर ध्यान केन्द्रित करें। आपदा प्रबंधन के विषय पर सभी प्रधानों व उप-प्रधानों के प्रशिक्षण की भी बहुत आवश्यकता है। आपदा प्रबंधन पर राज्य कार्यकारी समिति (एस०ई०सी०) ने निर्णय लिया है कि ग्राम पंचायत स्तर तक लोगों का आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक किया जाए।

आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के अध्याय 6 की धारा 41 के अंतर्गत पंचायत प्रतिनिधियों के कर्तव्यों का वर्णन किया गया है-

**अध्याय 6**
**स्थानीय प्राधिकारी (Local Authority)**

"(1) स्थानीय प्राधिकारी (Local Authority) जिला प्राधिकरण (District Disaster Management Authority) के निर्देशों के अधीन रहते हुए-

(क) यह सुनिश्चित करेगा कि उसके अधिकारी और कर्मचारी आपदा प्रबंधन के लिए प्रशिक्षित हैं;

(ख) यह सुनिश्चित करेगा कि आपदा प्रबंधन से संबंधित संसाधनों का इस प्रकार अनुरक्षण किया जा रहा है जिससे वे किसी आपदा की आशंका की स्थिति या आपदा की दशा में सदैव उपयोग के लिए उपलब्ध रहेंगे;

(ग) यह सुनिश्चित करेगा कि उसके अधीन या उसकी अधिकारिता के भीतर सभी सन्निर्माण परियोजनाए राष्ट्रीय प्राधिकरण, राज्य प्राधिकरण और जिला प्राधिकरण द्वारा आपदाओं के निवारण और शमन के लिए अधिकथित मानकों और विनिर्देशों के अनुरूप है;

(घ) प्रभावित क्षेत्र में राज्य योजना और जिला योजना के अनुसार राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण के क्रियाकलाप करेगा।

(2) स्थानीय प्राधिकारी (Local Authority) ऐसे अन्य उपाय कर सकेगा जिन्हें वह आपदा प्रबंधनके लिए आवश्यक समझे।"

सभी स्थानीय प्राधिकारी व पंचायत प्रधानों से अनुरोध है कि वे आगामी अक्तूबर / नवम्बर माह 2024 को होने वाली ग्राम सभाओं में आपदा प्रबंधन विषय पर एक मुद्दा भी शामिल करें। ग्राम सभा के लिए आपदा प्रबंधन विषय पर चर्चा हेतु मुद्दे निम्न प्रकार से है:-

- ग्राम सभा क्षेत्र में होने वाली आपदाओं तथा उनके प्रभाव को कम करने के लिए आवश्यक उपायों तथा कार्य योजना बनाने पर चर्चा।
- आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 कि धारा 41 में पंचायत को दी गई जिम्मेदारियों के बारे में चर्चा।
- पंचायती राज संस्थान (PRI) के सदस्यों ने आपदा प्रबंधन के सभी चरणों (आपदा से पूर्व,आपदा के दौरान और आपदा के बाद) आपदा के बाद प्रतिक्रिया चरण से आपदा केजोखिम को कम करने के लिए शमन और तैयारियों के चरणों तक महत्वपूर्ण भूमिका परबहस।
- सिविल डिफेंस एक्ट 1968 को सिविल डिफेंस (संशोधन) अधिनियम, 2009 द्वारा 2010 की अधिसूचना संख्या 3 द्वारा उपयुक्त रूप से संशोधित किया गया है, जिसमें आपदा प्रबंधन को नागरिक सुरक्षा कॉर्पस **(Civil Defense Corps )**के लिए एक अतिरिक्त भूमिका के रूप में शामिल किया गया है जिसमें सभी पंचायत प्रधानों को **Civil Defense Warden**का दर्जा दिया गया है।
- हिमाचल प्रदेश मे सिवल डिफेन्स की संरचना इस प्रकार है:
  - उपायुक्त एवं अध्यक्ष, डीडीएमए (DDMA) को जिलों में नागरिक सुरक्षा नियंत्रक के रूप में नियुक्त किया गया है।
  - जिलों के कमांडेंट हिमाचल होम गार्ड को उस जिले में नागरिक सुरक्षा के उप
  - नियंत्रक के रूप में सशक्त किया गया है।
  - उप मंडल मजिस्ट्रेट को उप मण्डल में नागरिक सुरक्षा कॉर्पस के सदस्य के
  - नामांकन की शक्ति का उपयोग करने के लिए उप-नियंत्रक के रूप में नियुक्त
  - किया गया है।
  - ग्राम पंचायत के संबंधित प्रधान को उनकी पंचायत का नागरिक सुरक्षा वार्डन
  - नियुक्त किया गया है।

  अतः प्रधान ग्राम पंचायत अपनी इस जिम्मेवारी को निभाने के लिए जागरूक हो ।
- हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (HPSDMA) ने राज्य में बेहतर आपदा तैयारी और प्रतिक्रिया के लिए 10-15 युवा स्वयंसेवकों के कार्य बल के सृजन पर एकयोजना शुरू की है। इस के लिए सिविल डिफेंस जैसी एक संरचना की आवश्यकता है।
- प्रस्तावित सिविल डिफेन्स संरचना उन स्वयंसेवकों को सक्षम कर सकेगी जिन्हें राज्य मेंआपदा प्रबंधन के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा।
- हालांकि, सिविल डिफेंस वालंटियर्स के प्रस्तावित ढांचे को मजबूत करने से राज्य की आपदा प्रबंधन क्षमता में जमीनी स्तर पर भी काफी वृद्धि होगी।
- ग्राम पंचायत स्तर पर प्रशिक्षित युवा स्वयंसेवक पंचायत प्रधान के अधीन कार्य करेंगे ताकि पंचायत स्तर पर आपदा प्रबंधन को मजबूत किया जा सके। पंचायत अपने क्षेत्र में 18-35वर्ष के युवाओं की प्रशिक्षण हेतु सूची तैयार करें।
- Civil Defenseका notified स्वरूप निम्न प्रकार से है:

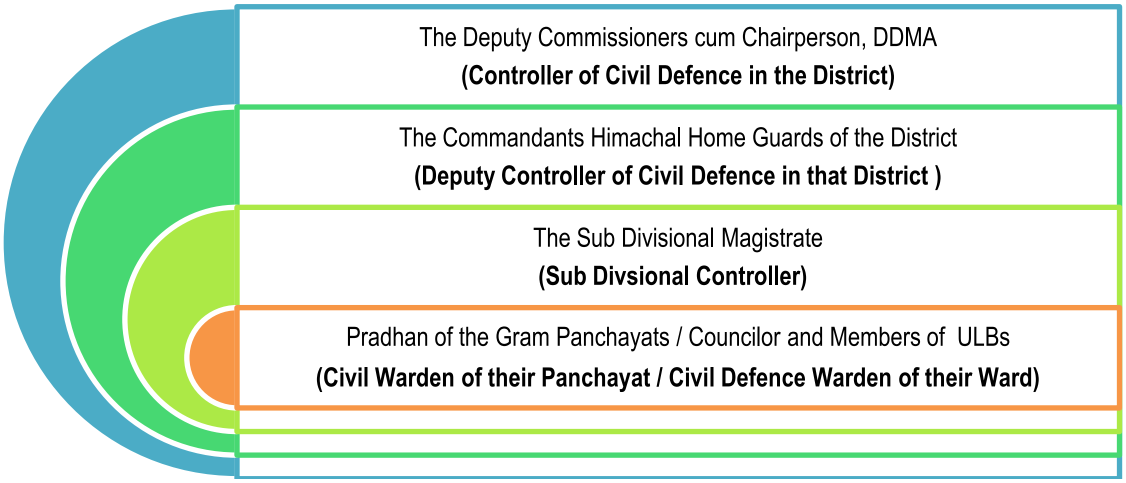


- पंचायत आपदा प्रबंधन हेतु संलग्न संदेश को पढ़कर सुनाएँ।

**अधिक जानकारी के लिए जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण से संपर्क करेंया Toll freeनम्बर1077व 1070 पर संपर्क करें ।**

**अंतर्राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण (IDDR) दिवस**
**" समर्थ –2024"**
**आपदा प्रबन्धन जागरूकता अभियान**

13 अक्टूबर को विश्व भर में ***"अंतर्राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण (IDDR) दिवस"*** के रूप में मनाया जाता है, ताकि आपदाओं के प्रति लोगों को जागरूक किया जा सके तथा आपदाओं से होने वाले जान व माल के नुकसान को कम किया जा सके। हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण (HPSDMA) वर्ष 2011 से इस दिवस को "समर्थ" के रूप में मना रहा है, जिसमें लोगों को विभिन्न माध्यमों से जागरूक किया जाता है।

***"हिमाचल ने यह ठाना है, आपदा को हराना है ।***
***प्रयास न जाए कोई व्यर्थ, बनेगें सक्षम, बनेगें समर्थ ॥"***

हम सभी जानते हैं कि हिमाचल प्रदेश आपदाओं की दृष्टि से अति संवदेनशील है। आपदाएं हर व्यक्ति एवं जीवन के हर पहलू को प्रभावित करती हैं। इसीलिए आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए हम सभी को प्रयास करने की आवश्यकता है।

ग्राम सभा की बैठक में निम्नलिखित मुद्दों पर मंथन किया जाना चाहिए।

- भूस्खलन शमनगतिविधियों के बारे में।
- सुरक्षित निर्माण प्रथाओं और पारंपरिक निर्माण को बढ़ावा देना।
- भवन निर्माण के लिएअसुरक्षित पहाड़ी की कटाई और उसके प्रभाव।
- सुरक्षित मलबेके निपटान की आवश्यकता।
- बारिश के जल की निकासी प्रणालीकी आवश्यकता।
- प्राकृतिक जल निकासी क्षेत्रों (नले एवं नदियों)में निर्माण को प्रतिबंधित करना।
- जलनिकासचैनलों केविंसकुलन पर ध्यान देना।

आपदाओं के प्रभाव को कम करने के कए कुछ उपाए इस प्रकार से हैं :-

- अपने आस पास के खतरों को पहचानें तथा उनके प्रभाव को कम करने का प्रयास करें ।
- घरों / भवनों का निर्माण इस प्रकार से करें कि वे भूकम्प एवंआपदा रोधी हो।
- पहले से बने घरों / भवनों की मजबूती की जांच करवाएं तथाआवश्यकतानुसार उन्हें सुदृढ़ करें।
- घर में आपातकालीन किट, जिसमें सूखा भोजन, आवश्यक दवाएं, टार्च, रेडियो तथा पीने के पानी इत्यादि को हमेशा तैयार रखें।

- आपातकालीन चिकित्सा प्राथमिक सहायता (Medical Fist Aid ) व खोज एवं बचाव का प्रशिक्षण प्राप्त करें, जिसके लिए जिला आपदाप्रबन्धन प्राधिकरण से (1070 Toll Free Number) पर संपर्क करें ।
- आपदाओं की जानकारी प्राप्त करें तथा सुरक्षा के उपाए जानें ।
- पूर्व चेतावनी (Early Warning) के प्रति सजग रहें व समय रहते उचितकदम उठाएं।
- घरों / कार्यालयों में लगे अग्निशमन (Fire Fighting) के यंत्रों को चलानासीखें।
- अफवाहों पर ध्यान न दें व सही जानकारी के लिए Radio / TV पर सूचना प्राप्त करें।
- अपने परिवार की आपातकालीन योजना तैयार करें ।

हमेशा याद रखें:

**"सुरक्षा जीवन का अर्थ है ।**
**बिना सुरक्षा सब व्यर्थ है ।। "**

**4. State-Level Function**

## Event Report: International Day for Disaster Risk Reduction (IDDRR) Celebration

**Date:** 14th October 2024
**Venue:** The Ridge & Gaiety Theatre, Shimla

---

### Program Overview

Himachal Pradesh State Disaster Management Authority (HPSDMA) organized a grand event to mark the International Day for Disaster Risk Reduction (IDDRR) 2024. The event was a part of the annual mass awareness campaign *Samarth 2024*, aimed at promoting disaster risk reduction and safe construction practices across the state.

**Arrival of the Chief Guest**

*Time:* 10:30 AM

*Chief Guest:* Hon’ble Chief Minister, Sh. Sukhvinder Singh Sukhu

**Inauguration of Exhibition by Hon’ble Chief Minister, Sh. Sukhvinder Singh Sukhu**

*Time:* 10:30 AM – 11:00 AM

*Venue:* The Ridge, Shimla

**State-Level Exhibition (13th–15th October 2024)**

As part of the statewide campaign to raise awareness and promote best practices in disaster risk reduction, a 3-day Exhibition of Equipment, Technologies, and Products related to Disaster Preparedness and Response was successfully held at The Ridge, Shimla, from 13th to 15th October 2024. The event showcased the latest advancements in disaster management solutions and brought together a diverse group of organizations and agencies. Key participants included Bal Raksha Bharat (Save the Children), ZEE Entertainment Enterprises Limited, Tech

Fab India Industries, Esri India Technologies Pvt. Ltd., Satpalda Geospatial Excellence, Vedant Innotech Pvt. Ltd., Black Sky, Genesys International, the Health & Family Welfare Department, Indo Wings Pvt. Ltd., Saket Rajani, the India Meteorological Department (IMD), the National Disaster Response Force (NDRF), the Himachal Fire Service Department, the State Disaster Response Force (SDRF), and Civil Defense and Home Guards.

This exhibition served as a platform for knowledge sharing, capacity building, and fostering collaborations aimed at enhancing disaster preparedness and resilience across Himachal Pradesh. The Department of Fire Services provided hands-on training on the use of fire equipment and emergency response measures. The SDRF and NDRF demonstrated advanced search and rescue techniques, equipment, and knot-tying skills. The Health Department offered vital training on First Aid and CPR, highlighting lifesaving techniques. The Home Guard showcased first aid procedures, knot-tying, and search and rescue equipment. CBRI Roorkee and MRH Associates Tata presented cutting-edge technologies for safe construction in disaster-prone areas. IMD highlighted innovations in weather forecasting, mobile applications, and early warning systems. Bal Raksha Bharat led initiatives on child-centric disaster risk reduction, focusing on safety protocols for vulnerable groups. This exhibition played a crucial role in raising awareness, showcasing innovative solutions, and promoting disaster resilience in communities across the state.

**Inauguration of Exhibition by Hon'ble Chief Minister, Sh. Sukhvinder Singh Sukhu**

INTERNATIONAL DAY FOR DISASTER RISK REDUCTION 2024
SATPALDA
We answer crucial questions to some of the toughest problems

Indo Wings Pvt Ltd.
Bal Raksha Bharat
BAL RAKSHA BHARAT
BACHPAN SURAKSHIT SAMAAJ VIKSIT
Intervention Map showcasing the state offices
Our Approach:
BAL RAKSHA BHARAT
#InternationalDisasterRiskReductionDay
(Samarth Campaign)
#SafetyFirst
#GenerationHope
SECURE CHILDHOOD
BACHPAN SURAKSHIT
SAMAAJ VIKSIT

Himachal Pradesh
State Disaster Response Force
SDRF
SDRF
State Disaster Response Force
(SDRF)
'समर्थ' 202

National Disaster Response Force
(NDRF)
State Disaster Response Force
(SDRF)
SDRF

HIMACHAL HOME GUARDS
Civil Defense and Home Guards

Department of Himachal
Fire Service
"SAMARTH - 2024"
HIMACHAL FIRE SERVICE
International Day
DISASTER RISK REDUCTION (IDDRR)
'SAMARTH 2024'

Department of Himachal
Fire Service
HIMACHAL FIRE SERVICE
International Day
FOR
FIRE

Limited.

## Main Event at Gaiety Theatre

**Highlights:**

**Welcome of the Guests**

**Welcome Address:** Sh. D.C. Rana, IAS, Director-cum-Ex Officio Special Secretary (Revenue-DM)

**Special Remarks:** Sh. Onkar Chand Sharma, IAS, Additional Chief Secretary (Revenue)

**Skit on Safe Construction Practices by PM Shri GSSS Totu, Shimla**

**Skit on Safe Construction Practices by IPR Cultural Troupe.**

**Prize Distribution:**

- Winners of the state-level competition “Model Building for Promoting Safe Construction Practices.”
- Awards of Appreciation for outstanding performance by response agencies during recent cloudburst incidents.

## Key Announcements and Publications Launched

### 1. WebGIS Portal for State Disaster Mitigation Fund (SDMF):

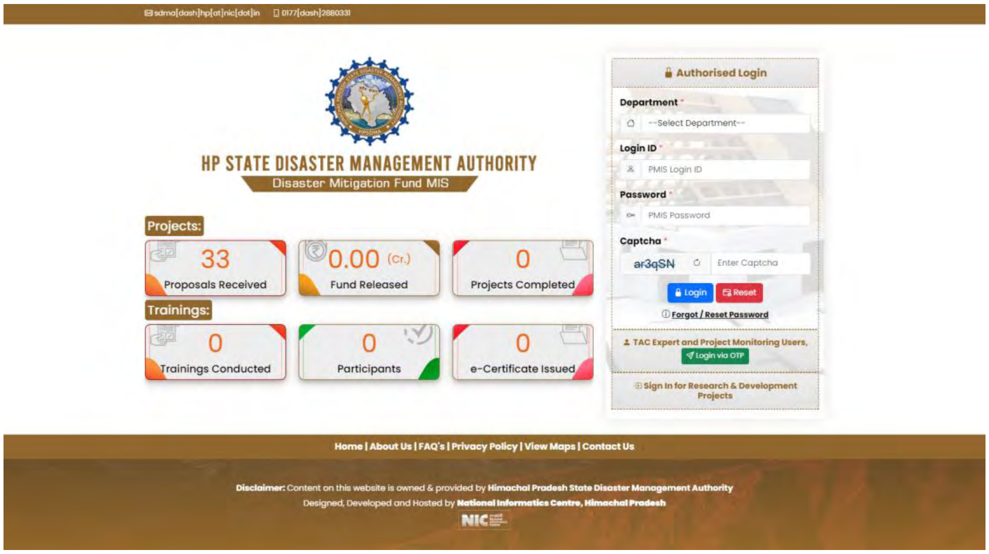


A dedicated portal has been launched to monitor and manage disaster mitigation projects under the State Disaster Mitigation Fund (SDMF), which has a budget allocation of ₹590 crore. The portal, developed by the Himachal Pradesh State Disaster Management Authority (HPSDMA), aims to ensure the efficient utilization of funds and streamline the reporting process. It will facilitate better implementation of disaster prevention and mitigation plans by tracking ground-level activities.

` **Key Features:**

- Real-time monitoring of all ongoing projects.
- Time-based project analysis.
- Maintenance of records for approved and rejected PPRs/DPRs.

- Instant access to reports (hazard-wise, year-wise, recommended, and non-recommended proposals) for Implementation Agencies (IAs), District Disaster Management Authorities (DDMAs), and the State Disaster Management Authority (SDMA).
- A secure platform for third-party inspectors to submit field data and track project progress via a mobile app or web interface.

**2. Earthquake Retrofitting Program:**

This initiative aims to retrofit critical buildings with technical support from institutions such as CBRI Roorkee, NITTR Chandigarh, and NIT Hamirpur. The program focuses on enhancing the earthquake resilience of essential infrastructure, including health facilities and schools, which are prone to significant damage during seismic events. A budget of ₹76.81 crore has been allocated for these retrofitting efforts to ensure the functionality and safety of these structures during disasters.

**3. Resilient Model Village Project:**

In collaboration with Bal Raksha Bharat and Zee Enterprises Limited, a model village is being developed in Solan district to demonstrate best practices in disaster-resilient community development. In the wake of the disaster in Gram Panchayat Bawasani, Solan district, Himachal Pradesh, the State Disaster Management Authority (SDMA), Bal Raksha Bharat (BRB), and Zee Entertainment Enterprises Limited (ZEE) have launched a collaborative project. The primary objective of this initiative is to support the affected community in reconstruction efforts while promoting disaster resilience, enabling them to better cope with future disasters.

This project will focus on critical areas such as safe housing, income generation, health, education, child protection, disaster risk reduction, and environmental conservation.

## 4. Disaster-Resilient Construction Guidebooks:

Two guidebooks, *Kavach-1* and *Kavach-2*, have been developed by HPSDMA in partnership with CSIR-CBRI Roorkee. These guidebooks are tailored for homeowners and engineers in rural Himachal Pradesh:

- **Kavach-1**: Focuses on disaster-resilient construction for homeowners in three zones:
    - Zone A: Lahaul & Spiti, Kinnaur
    - Zone B: Chamba, Kangra, Mandi, Kullu, Shimla
    - Zone C: Una, Hamirpur, Bilaspur, Solan, Sirmaur
- **Kavach-2**: Provides guidance for engineers of the Rural Development and Panchayati Raj Departments.

5. **MoU Signing Ceremony:**

HPSDMA and CBRI Roorkee signed an MoU to establish Technology Demonstration Units (TDUs) and enhance capacity-building efforts for disaster resilience.

- A TDU has already been planned at the Appropriate Technology Centre (ATC) in Shahpur, in collaboration with the Himachal Pradesh Council for Science, Technology, and Environment.
- As part of the AFD program, a new TDU will be developed at Rait.
- This partnership aims to strengthen the capacity of engineers, architects, builders, and masons across the state.

**Model Building Competition Winners:** As part of the campaign, district-level competitions were held across high school, senior secondary, and college levels to align with the Sendai Framework’s goal of reducing global disaster risks and losses. The theme for the International Day for Disaster Risk Reduction (IDDRR) 2024, "Empowering the Next Generation for a Resilient Future," emphasized the importance of education in building a disaster-resilient future. A state-level competition on “Model Building for Promoting Safe Construction Practices,” featuring the top entries from these categories, was held at the Centre for Science Learning and Creativity (CSLC), Himachal Pradesh, on 7th October 2024. After evaluation by the committee, the top three entries in each category were awarded first, second, and third positions:

- **High School Category:**
  1st: PM Shri GSSS Kangar (Una)
  2nd: GHS Tappar (Chamba)
  3rd: GHS Badah (Kullu)
- **Senior Secondary School Category:**
  1st: GU SSS Sarahan (Sirmaur)
  2nd: GSSS Jol Sappar (Hamirpur)
  3rd: GSSS Bhadwar (Kangra)

- **College Category:**
  1st: PG College Bilaspur

"Samarth 2024"
1st Prize
PAY TO PG College, Bilaspur
AMOUNT Ten Thousand Only
Himachal Pradesh State Disaster Management Authority
₹ 10,000/-

**Response Agencies Awards:** In recognition of their remarkable work during the Samej, Bagipul, and Rajban cloud burst incidents this year, several response agencies were honored with Awards of Appreciation:

- Home Guard & Civil Defence
- Superintendent of Police, HP SDRF
- Sh. Nishant Tomar, HPAS – SDM Rampur
- Commandant, 14th NDRF
- Dr. Bhavna Verma, Tehsildar Padhar, Mandi
- Dy. Commandant, CISF Jhakri
- Head of the Project, SJVN, Jhakri
- Sh. Mohan Kapatia, Pradhan, GP Sarpara (Samej)

**Awards of Appreciation to Home Guard & Civil Defence**

**Awards of Appreciation to  Superintendent of Police, HP SDRF**

**Awards of Appreciation to  Sh. Nishant Tomar, HPAS – SDM Rampur**

**Awards of Appreciation to Commandant, 14th NDRF**

**Awards of Appreciation to  Dr. Bhavna Verma, Tehsildar Padhar, Mandi**

**Awards of Appreciation to  Dy. Commandant, CISF Jhakri**

**Awards of Appreciation to Head of the Project, SJVN, Jhakri**

**Awards of Appreciation to Sh. Mohan Kapatia, Pradhan, GP Sarpara (Samej)**

**Best Performing Districts in Youth Volunteer Training Program:** The "Creation of Task Force of Youth Volunteers for Disaster Preparedness and Response" program, which has trained over 21,000 volunteers, recognized the following districts for their outstanding performance:

1. **Kangra** (75% target achievement)
2. **Kinnaur** (70% target achievement)

## Chief Guest's Address

Hon'ble Chief Minister, Sh. Sukhvinder Singh Sukhu, emphasized the importance of community involvement and technological advancements in disaster management. He praised HPSDMA's initiatives and committed to further strengthening disaster resilience in Himachal Pradesh.

## Vote of Thanks

The event concluded with a vote of thanks by Additional Secretary (Revenue-DM) to the Government of Himachal Pradesh, **Sh. Balwan Chand – HPAS** acknowledging the efforts of all participants and stakeholders in making the event a success.

SAMARTH-2024 successfully raised awareness on disaster risk reduction, empowering communities and youth to adopt resilient practices. Through coordinated efforts across state, district, and community levels, HPSDMA reinforced its commitment to creating a safer and disaster-prepared Himachal Pradesh.

# Media Coverage

हिमाचल प्रदेश सरकार
सूचना एवं जनसम्पर्क
Information & Public Relations
Govt. of Himachal Pradesh

Home | HP At a Glance | Press Releases | Media | Publications | RTI | Our Deptt. | Wallpapers |

Presides over International Disaster Reduction Day event 'Samarth-2024'

Awareness is the key to effectively face disasters so as to minimize the loss of life and property, Chief Minister Thakur Sukhvinder Singh Sukhu said that it has been observed that due to changing climatic pattern, the frequency of disasters has led to an increase and we have to adapt ourselves living with these challenges.

Chief Minister was presiding over the International Disaster Reduction Day event, 'Samarth-2024'.

He said that the state government was spending significant amount of money to raise public awareness about disaster preparedness and has implemented several measures to mitigate the effects of disasters. The authorities must be prepared to tackle future challenges due to disaster for which the government has executed Rs. 800 crore project in collaboration with the French agency AFD and Rs. 500 crore was being spent from the mitigation fund. He also announced that a major SDRF training institute would be established in Palampur and that the state is strengthening its infrastructure for better weather forecasting.

The Chief Minister said that the state experienced its first major disaster in the year 1905, when an earthquake in Kangra district claimed over 20,000 lives. He said that the people of the state experienced significant devastation last year during the monsoon season with over 500 lives lost accompanying with damage to public and private property amounting to Rs 10,000 crore. Despite receiving no assistance from the central government, the state government has successfully rehabilitated 23,000 affected families and implemented a disaster relief package of Rs 4,500 crore. Under this package, compensation for completely destroyed homes has been raised from Rs 1.30 lakh to Rs. 7 lakh. Furthermore, the government has amended rules to ensure compensation for families of individuals who went missing during disasters.

The Chief Minister said that we have not received Rs. 10,000 crore for the Post-Disaster Needs Assessment (PDNA) from the centre. "Despite hurdles created by the opposition, it was due to repeated representations and my personal intervention some progress was made in this direction", he stated. There should be no politics in such matters and full assistance must be provided to those affected, he remarked.

"During the disaster, I remained on ground for 72 hours, personally monitoring the evacuation. As many as 75,000 tourists and 15,000 vehicles were evacuated to safety" said Sh. Sukhu. Within 48 hours, essential services like electricity, water and communication were temporarily restored, which stabilized the situation to quite some extent. The government also ensured minimal disruption for farmers, especially apple growers, allowing their produce to reach markets on time. Our efforts were recognized and eulogized by the World Bank, NITI Aayog and former Chief Minister Shanta Kumar as well.

The Chief Minister also shared how the government successfully rescued 303 stranded tourists from Chandratal in Lahaul-Spiti district with Minister Jagat Singh Negi and Chief Parliamentary Secretary Sanjay Awasthi taking the lead in challenging situation risking their lives and ensuring safe return of all tourists.

The Chief Minister also launched a State Disaster Mitigation Fund portal and introduced an Earthquake Retrofitting Programme for Critical Buildings in state. This initiative is supported by technical expertise from CBRI Roorkee, NITTTR Chandigarh and NIT Hamirpur. Additionally, a programme titled Rebuilding Live was also launched to develop a Resilient Model Village at Gram Panchayat Bawasni in District Solan, in collaboration with Bal Raksha Bharat and Zee Enterprises Limited.

He said that the HPSDMA has also signed a MoU with Central Building Research Institute (CBRI), Roorkee to enhance the skills of engineers, architects, builders and masons across the state. As part of this collaboration, a Training and Demonstration Unit (TDU) would be established at Rait in Kangra district, aligning with the goals of the AFD programme.

During the event, the Chief Minister released two publications, 'Kavach-1' and 'Kavach-2', authored by scientists from the CBRI, Roorkee. He also honored children who had won various competitions and presented awards to several individuals for their exceptional work during the Samej, Bagipul and Rajban cloudburst incidents earlier this monsoon.

The Chief Minister further awarded Kangra and Chamba districts for being the best performing districts in the state's "Creation of Task Force of Youth Volunteers for Disaster Preparedness and Response" scheme.

Earlier, the Chief Minister inaugurated a disaster awareness exhibition at the Ridge.

MLA Harish Janartha, Mayor Surender Chauhan, Deputy Mayor Uma Kaushal, Additional Chief Secretary (Revenue) Onkar Chand Sharma, ADGP Satwant Atwal, Director CBRI, Roorkee Pradeep Kumar, Special Secretary Revenue DC Rana, Deputy Commissioner Anupam Kashyap and SP Sanjeev Gandhi were also present on the occasion amongst others.

गेयटी थियेटर में अंतरराष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस समर्थ के अवसर पर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू विभिन्न प्रतियोगिताओं में अव्वल रहे विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते हुए। अमर उजाला

# Palampur to get SDRF training institute: Sukhu

TIMES NEWS NETWORK

Himachal Pradesh CM Sukhvinder Singh Sukhu at a programme to mark International Disaster Reduction Day in Shimla on Monday

**Kullu:** Himachal CM Sukhvinder Singh Sukhu on Monday announced the establishment of a training institute for SDRF in Palampur, with the aim to strengthen the state's infrastructure for better weather forecasting.

Speaking at an event called 'Samarth-2024' in Shimla on International Disaster Reduction Day, the CM said climate change has made disasters more frequent, making it imperative to adapt to living with these challenges. He said the state govt was spending large amounts of money to raise public awareness about disaster preparedness and had implemented several measures to mitigate the effects of disasters.

To tackle future disaster challenges, he said, a Rs 800-crore project is being executed in collaboration with French agency AFD, of which Rs 500 crore is being spent from the mitigation fund.

He said last year, during the monsoon, over 500 lives were lost and damages worth Rs 10,000 crore were recorded. Despite no help from the Centre, the state rehabilitated 23,000 affected families and implemented a disaster relief package of Rs 4,500 crore, he said. Under this package, compensation for fully damaged homes had been raised from Rs 1.30 lakh to Rs 7 lakh. The govt had also amended the rules to ensure compensation for the families of those who went missing during the disasters, the CM said.

Criticising "political interference" in disaster relief efforts, Sukhu said, "We are yet to receive the Rs 10,000 crore for the Post-Disaster Needs Assessment (PDNA). Though some progress has been made following my intervention, politics should not play any role in such matters, and full assistance must be provided to those affected."

On the occasion, the CM launched a State Disaster Mitigation Fund portal and introduced an earthquake retrofitting programme for critical buildings in Himachal Pradesh.

Himachal Main
Oct 15, 2024
पंजाब केसरी

पंजाब केसरी — हिमाचल

# आपदा न्यूनीकरण निधि पोर्टल का शुभारंभ

■ एस.डी.एम.ए. व सी.बी.आर.आई. रुड़की के मध्य हुआ एम.ओ.यू.

शिमला, 14 अक्तूबर (भूपिन्द्र): मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शिमला के ऐतिहासिक गेयटी थियेटर में अंतर्राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस 'समर्थ-2024' की अध्यक्षता की।

इस दौरान राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि पोर्टल का शुभारंभ ...

वर्ग में जी.व.स.एस.एस. सराहां सिरमौर पहले, जी.एस.एस.एस. जोलसप्पड़ हमीरपुर दूसरे व भदवार कांगड़ा तीसरे तथा कॉलेज वर्ग में पी.जी. कॉलेज बिलासपुर प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किए गए।

इसके अलावा इस मानसून के दौरान समेज, बागीपुल, राजबन में बादल फटने की घटनाओं के दौरान किए गए असाधारण राहत कार्यों के लिए विभिन्न व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। इसके तहत सोमगर्ड, एस.पी. एस.डी.आर.एफ., ...

शिमला : आपदा प्रबंधन न्यूनीकरण दिवस पर रिज पर आयोजित जन जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत लगाई गई प्रदर्शनी में छात्रों को जानकारी देते दमकल विभाग के कर्मचारी। (छाया)

## इनको किया सम्मानित

Himachal Main
Oct 15, 2024
पंजाब केसरी

शिमला : आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा गेयटी सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत करते मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू। (छाया)

# पालमपुर में खुलेगा एसडीआरएफ प्रशिक्षण संस्थान

## मुख्यमंत्री सुक्खू बोले, आपदा प्रबंधन पर प्रदेश में 800 करोड़ रुपये किए जा रहे खर्च

संवाद न्यूज एजेंसी

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कांगड़ा जिले के पालमपुर में एसडीआरएफ प्रशिक्षण संस्थान खोलने की घोषणा की है। बोले, जलवायु परिवर्तन के कारण आपदा की घटनाओं में वृद्धि हुई है, इसलिए आपदाओं का बेहतर प्रबंधन जरूरी है।

आपदा की चुनौतियों का सामना करने को प्राधिकरण सदैव तैयार रहें। फ्रांस की एजेंसी एएफडी के सहयोग से 800 करोड़ रुपये की परियोजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। मिटिगेशन फंड से 500 करोड़ रुपये व्यय किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने गेयटी थियेटर में सोमवार को अंतरराष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस समर्थ की अध्यक्षता करते हुए ये बातें कहीं। उन्होंने राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि पोर्टल का शुभारंभ भी किया। वहीं, हिमाचल में महत्वपूर्ण भवनों के लिए भूकंप रेट्रोफिटिंग कार्यक्रम की शुरुआत की। सीबीआरआई रुड़की, एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ और एनआईटी हमीरपुर से सरकार को इस पहल में सहयोग मिलेगा। सोलन की ग्राम पंचायत क्वासनी में रेजिलिएंट मॉडल विलेज विकसित करने को री-बिल्डिंग लाइव नामक कार्यक्रम भी शुरू किया।

इस दौरान हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने इंजीनियरों, वास्तुकारों, बिल्डरों, राज मिस्त्रियों के कौशल उन्नयन को सीबीआरआई रुड़की के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत कांगड़ा के रैत में प्रशिक्षण इकाई स्थापित होगी।

### विदेश भेजने के लिए युवाओं को एजेंटों से बचाएंगे : सुक्खू

शिमला। प्रदेश सरकार की युवाओं के लिए विदेश में रोजगार के अवसर देने की पहल के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। इस योजना के तहत पांच युवाओं का पहला बैच सऊदी अरब पहुंच गया है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने इन युवाओं को 31 अगस्त को शिमला में नियुक्ति पत्र दिए थे। >> पेज 9 पर

### फिर दोहराया केंद्र ने नहीं की मदद

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1905 में प्रदेश के कांगड़ा जिले में भूकंप के कारण 20,000 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई थी। पिछले वर्ष मानसून में प्रदेश में 500 से अधिक लोगों की मौतें हुईं। 10 हजार करोड़ की सार्वजनिक और निजी संपत्ति का नुकसान हुआ। केंद्र से किसी प्रकार की वित्तीय सहायता न मिलने पर सरकार ने 23,000 प्रभावित परिवारों का पुनर्वास किया और 4,500 करोड़ का आपदा राहत पैकेज लागू किया।

# Have requested Centre to look into reasons behind cloudbursts: CM

TRIBUNE NEWS SERVICE

SHIMLA, OCTOBER 14

Chief Minister Suhvinder Singh today said Himachal has urged Centre to look into the reasons for increasing number of cloudburst incidents in Himachal so that remedial measures could be taken.

Presiding over the International Disaster Reduction Day event, 'Samarth-2024' here today, the Chief Minister said climate change has led to an increase in the frequency of disasters, making it crucial to adapt to living with these challenges. He highlighted that awareness is the key to effectively facing disasters and minimizing the loss of life and property.

"At our own level also we are seeking advice of experts looking into all the reasons that could be contributing to catastrophe like cloudbursts. We have also written to the Centre to get this aspect examined," he said.

CM Sukhvinder Sukhu looks at a stall in the exhibition organised by the Disaster Management Authority in Shimla on Monday.

Sukhu said that the state ... AFD, and Rs 500 crore is ...

forecasting. "Himachal experienced its first major disaster in the year 1905, when an earthquake in Kangra district claimed over 20,000 lives. Large-scale devastation was witnessed last year during the monsoon season with over 500 lives lost and damages amounting to Rs 10,000 crore suffered by the state," he said.

He said despite not receiving any assistance from the Central government, the state government has successfully rehabilitated 23,000 affected families and implemented a disaster relief package of Rs 4,500 crore.

"We have yet to receive ...

आपदा की चुनौतियों का सामना करने के लिए रहना होगा तैयार, जलवायु परिवर्तन से बढ़ी आपदा की घटनाएं : सुक्खू

# पालमपुर में स्थापित होगा मुख्य एसडीआरएफ प्रशिक्षण संस्थान

**800** करोड़ रुपये की परियोजना का फ्रांस की एजेंसी के सहयोग से किया जा रहा क्रियान्वयन

**500** करोड़ रुपये मिटिगेशन फंड से हो रहे व्यय, मौसम पूर्वानुमान के लिए बुनियादी ढांचा किया जा रहा सुदृढ़

शिमला के रिज मैदान पर अंतरराष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस 'समर्थ-2024' के दौरान प्रदर्शनी का अवलोकन करते मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू। • दैनिक जागरण

### राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि पोर्टल का शुभारंभ

### अब तक नहीं मिले पीडीएनए के 10,000 करोड़ रुपये

# पालमपुर में बनेगा मुख्य एसडीआरएफ ट्रेनिंग सेंटर

## मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू बोले; आपदा प्रबंधन पर खर्चेंगे 1300 करोड़, आपदाओं के साथ जीना सीखना होगा

शिमला। अंतरराष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस पर लगाई गई एक प्रदर्शनी का अवलोकन करते मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू

- 9000 करोड़ के पीडीएनए की फाइल आगे खिसकी, राजनीति कर रही केंद्र सरकार
- 23 हजार प्रभावित परिवारों को दिया 4500 करोड़ रुपए का आपदा राहत पैकेज

### कांगड़ा और चंबा को सर्वोत्तम पुरस्कार

### कांगड़ा के रैत में एएफडी कार्यक्रम के अनुरूप स्थापित होगी प्रशिक्षण और प्रदर्शन इकाई

# मॉडल प्रतियोगिता में कांगड़ स्कूल की टीम रही अव्वल

## सीएम सुक्खू ने गेयटी में विजेता किए सम्मानित

# पालमपुर में स्थापित होगा मुख्य SDRF प्रशिक्षण संस्थान : सुक्खू

### आपदा प्रबंधन में जागरूकता की भूमिका अहम, जलवायु परिवर्तन की वजह से बढ़ रही प्राकृतिक आपदा की घटनाएं

आपदा प्रबंधन जन जागरण अभियान शुभारंभ करते मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू।

शिमला, 14 अक्तूबर : मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने अंतरराष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस समर्थ-2024 की अध्यक्षता करते हुए कहा कि आपदा के प्रभावी प्रबंधन में जागरूकता महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है, जिससे जान-माल की क्षति को कम किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण आपदा की घटनाओं में वृद्धि हुई है, इसलिए आपदाओं का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित कर हमें इन चुनौतियों के साथ जीना सीखना होगा।

### गेयटी थियेटर में समर्थ 2024 आपदा प्रबंधन जन जागरण अभियान और प्रदर्शनी का आगाज

**Shimla Kesari**

**Oct 15, 2024**

# पंजाब केसरी

शिमला : आपदा प्रबंधन न्यूनीकरण दिवस पर रिज पर आयोजित जन जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत लगाई गई प्रदर्शनी में छात्राओं को घायलों को सी.पी.आर. देने की विधि बताते होमगार्ड कर्मी। (नरेश)

Keekli — An ode to innocence

Current Affairs | Himachal

# HPSDMA Launches 'SAMARTH-2024' Disaster Awareness Campaign

By: Keekli Desk | Date: September 25, 2024

Share post:

Facebook | Twitter | +

Himachal Pradesh State Disaster Management Authority (HPSDMA) would launch the 14th edition of its annual disaster awareness campaign, 'SAMARTH-2024', on 1st October, 2024. The campaign would run until 31st October, coinciding with the International Day c Disaster Risk Reduction (IDDR).

This was informed by Director cum Special Secretary (Revenue-Disaster Management) D.C. Rana here today. He said that the event would feature exhibitions at The Ridge in Shimla. Key areas of focus would include landslide mitigation, safe construction techniques, traditional building methods, digital platforms, disaster response equipment and firefighting tools.

First aid demonstrations would also be the part of exhibition. D.C. Rana said that the campaign would include workshops at the state and district levels. Street plays and competitions for school students would also be organised whereas awareness drives would extend to the Panchayat level with special sessions held during the Gram Sabha meetings on 2nd October.

**HAM Radio Training**

- Trained volunteers in alternate communication systems for emergencies.

  As part of the SAMARTH-2024 month-long mass awareness campaign on the occasion of the International Day for Disaster Risk Reduction (IDDRR), the Himachal Pradesh State Disaster Management Authority (HPSDMA) has organized a training program on Amateur and Community Radio (HAM) for "Alternate Communication during Emergencies." This training is scheduled from 21st to 26th October 2024 at the State Agriculture Management & Extension Training Institute (SAMETI), Mashobra, Shimla.

  A total of 42 participants, including 15 Home Guard personnel, 8 Aapda Mitras, and 19 members from the District Inter Agency Groups (DIAG) and State Inter Agency Groups (SIAG), are being trained in the use of HAM radio for emergency communication. The program is part of a scheme notified by the Government of Himachal Pradesh on 13th October 2023, under Section 22, Subsection (p) of the Disaster Management Act, 2005, and aligns with the provisions of the H.P. State Disaster Management Policy 2011. This initiative aims to develop alternative communication channels through HAM radios to ensure effective communication during disasters, focusing on building the capacity of volunteers and operators to strengthen the state's disaster response mechanisms.

TYPES OF RESISTORS
SAMETI HAM TRAI
2024
Units of Capacitance
Prefix Name
Picofarad
Nanofarad
Microfarad
Millifarad
Kilofarad

# REPORT

# ON

# SAMARTH-2024

## Annual Mass awareness Campaign

## on

## Disaster Risk Reduction

*Prepared By:*

*District Disaster Management Authority, Bilaspur HP*

# “SAMARTH – 2024’’

**INTRODUCTION:**

SAMARTH is an annual mass awareness campaign to commemorate the International Day for Disaster Risk Reduction on 13th October every year. This year, Theme of the 2024 International Day for Disaster Risk Reduction (IDDRR) is "Empowering the next generation for a resilient future". The theme focuses on the role of education in protecting and empowering children and youth to be resilient in the face of disasters. The IDDRR theme aligns with the Sendai Framework, which aims to reduce disaster risks and losses globally. The theme for 2024 calls on countries to work with the education sector to reduce the disaster risks of school-aged children. Himachal Pradesh State Disaster Management Authority (HPSDMA) had organized numerous activities under this initiatives not only at State & District levels. This programme was also organized this year to mark the International Day for Disaster Risk Reduction (IDDR) on 14$^{th}$ October, 2024. The prime objective of the campaign was to make community more vigilant towards disasters and its management for secured livelihood. DDMA Bilaspur had widely publicized all the activities under the aegis of ***SAMARTH -2024***. As a part of the campaign, various events and activities were organized at District level. In the view of above, following activities were conducted by DDMA in association with other stakeholder Departments; the details of activities carried out by Departments are as under:

**I. ACTIVITIES CONDUCTED BY DDMA, BILASPUR H.P.**

Being a Nodal Agency at District Level DDMA Bilaspur has organized following activities at District Level:

**1.** Two exhibition stalls were set up by DDMA in joint association with Home Guards & Fire during Seer Utsav (02.10.2024) at Ghumarwin District Bilaspur, in these stalls SAR equipment’s and IEC Material on various safety measures was displayed.

**Glimpses of SEER UTSAV-2024**

2. **Mock Drill at Government College Bilaspur Dated 04.10.2024**

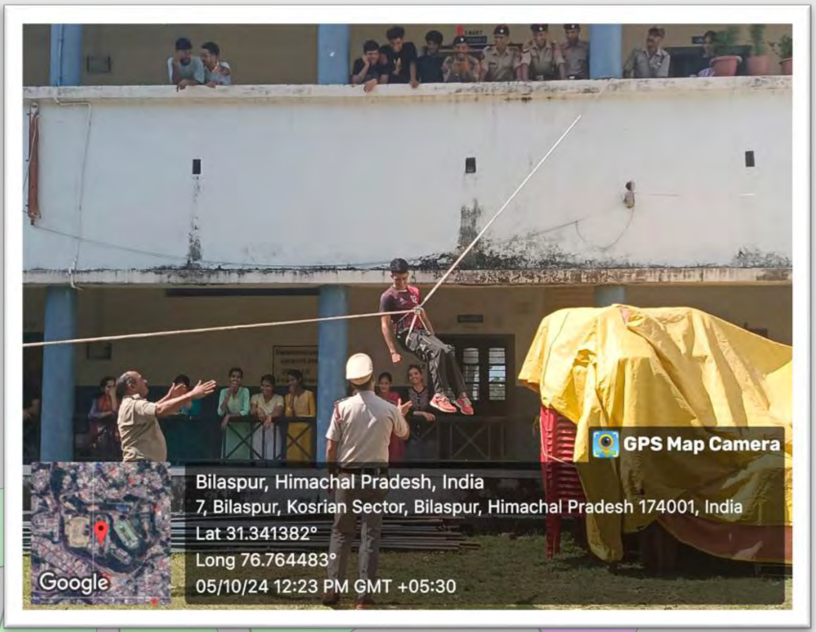

### 3. District Competition on Safe Construction Model

A competition was organized on preparation of safe construction models at the Block level in three different categories i.e. High School Level, Senior Secondary School Level and College Level. The SDM concerned was the Chairperson and BDO was Member Secretary of the Block-Level Committee for identifying the best models. Following models were shortlisted at Block Levels and nominated for District Level Competition:

| SN | Level | Name of Institution |
|---|---|---|
| 1. | High School | 1. GHS Mangrot, Sadar<br>2. GHS Jeora, Jhandutta |
| 2. | Senior Secondary | 1. G. S. S. School (Boys),Bilaspur<br>2. G. S. S. School, Bhrari, Ghumarwin<br>3. G. S. S. School, Badgaon, Jhandutta |
| 3. | College | GPGDC Bilaspur |

COMPETITION ON MODELS FOR SAFE CONSTRUCTION PRACTICES
समर्थ
ON ON MODELS FOR
RUCTION PRACTICES
ANISED BY
T DISASTER
ENT AUTHORITY,
SPUR HP
ाम न्यूनीकरण हेतु राज्यव्यापी जन-जागरूकता अभियान
gency Toll Free No.1077, 01978-224901/02/03/04

Following models were selected at District Levels and nominated for State Level Competition held on 07.10.2024 at Centre for Science, Learning & Creativity (CSLC), Shimla:

| SN | Level | Name of Institution |
|---|---|---|
| 1. | High School | GHS Jeora, Jhandutta |
| 2. | Senior Secondary | G. S. S. School, Bhrari, Ghumarwin |
| 3. | College | GPGDC Bilaspur |

In this competition, the model prepared by GPGDC Bilaspur was shortlisted on first position in the category of college level. The participants had participated in State Level Function held on 14.10.2024 and awarded with cash prize and certificate.

## 4. CONDUCT OF DISTRICT LEVEL MOCK DRILL HELD ON 14.10.2024

DDMA Bilaspur organized a District Level Mock Drill on Earthquake and Fire Safety by involving the all District Level IRT Stakeholders, Home Guards, Fire, Police, Health, NDRF Team and Local NGOs.

MOCK EXERCISE
14th BN NATIONAL DISASTER RESPONSE FORCE
JASSUR (NURPUR) DISTT KANGRA (HP)

MOCK EXERCISE

DISTT. LEVEL MOCK DRILL ON EARTHQUAKE & FIRE SAFETY
IN COLLABORATION WITH
NDRF, HOME GUARD & FIRE DEPARTMENT AT
MULTIPURPOSE AUDITORIUM HALL &
GOVT. SR. SEC. SCHOOL (BOYS) BILASPURH.P.
14 Oct 2024, 11:37 am

14 Oct 2024, 11:38 am

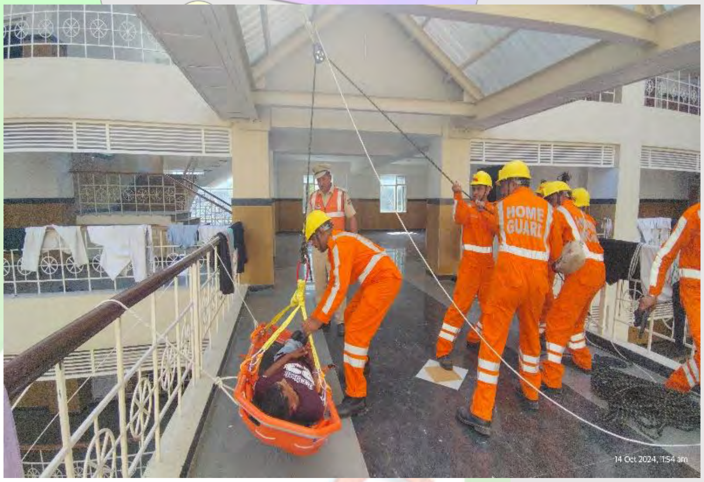
HOME
GUARD
14 Oct 2024, 11:54 am

14 Oct 2024, 12:16 pm

MOCK EXERCISE
NATIONAL DISASTER RESPONSE FORCE

**DISTRICT BILASPUR H.P.**

**Selected locations for District Level Mock Exercise for Earth Quake and Fire safety at the Multipurpose Auditorium Hall and Govt. Sr. Sec. School (Boys) Bilaspur on 14.10.2024**

| **Health Department** | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **Sl.** | **Vehicle Type** | **Vehicle Number** | **Arrival** | **Departure** | **Employee Engaged** | **Remark's** |
| 1 | Ambulance | HP 64 A 8852 | 11:00 AM | 11:32 AM | 2 | Rescue team |
| **Police Department** | | | | | | |
| 1 | Jeep | HP 69 6678 | 11:38 AM | Standby | 5 | Rescue team |
| **Himachal Home Guard's** | | | | | | |
| 1 | Truck | HP 69 5931 | 11:00 AM | Standby | 15 | Rescue team |
| **NDRF** | | | | | | |
| 1 | Bus | HP 38G 8762 | 11:00 AM | 11:33 AM | 10 | Rescue team |
| 2 | Bolero | HP 38G 5829 | 11:00 AM | 11:34 AM | | |
| **Fire Services** | | | | | | |
| 1 | Fire fighter | HP 69 6681 | 11:00 AM | 11:30 AM | 8 | Rescue team |
| **Other Government Vehicles** | | | | | | |
| 1 | Bolero | HP 24 E 3929 | -11:05 AM | Standby | 1 | Rescue team |
| 2 | Bolero | HP 24C 5588 | 11:20 AM | Standby | 1 | |
| 3 | Borolo | HP69A 0370 | 11:00 AM | Standby | 1 | |
| **Medical Support** | | | Physician and Para medics | | Doctor=1 Para Medics=3 | Rescue team |
| **Communication support** | | | Wireless services by HP Police by Seattleite phone and Walky talky | | 2 | Alert for rescue And current update |
| | | | Mic system, loudspeakers to make necessary announcements time to time | | 2 | |
| **Gadgets with HHG** | | | Sickles, Spade, Player, Scissor, hammers, screw driver and rope | | 18 | Gadgets used in rescue operation |
| **Persons Rescued** | | | 10 victims of disaster rescued by HHG and 4 severely trapped persons rescued by the NDRF team from the incident site. | | | |
| | | | About 100 Students and 25-30Staff Members were evacuated from the incident site-II (i.e. Govt. Sr. Sec. School (Boys)) | | | |
| **De Briefing** | | | After the assurance of complete recovery of all victims from both the sites all teams, NGOs members and participants were assembled for De-Briefing and thereafter all teams & machinery vacated the staging area. | | | |

5. **MEETING-CUM-WORKSHOP OF DISTRICT INTER AGENCY GROUP (DIAG), BILASPUR H.P.**

DDMA Bilaspur organized a District Level Meeting-cum-workshop of DIAG on 16.10.2024 in this meeting various agenda issues pertaining to DRR were discussed with all the members. The members were asked regarding inclusion of other NGOs working in the district so that a parallel workforce can readily be available with the district to give more impetus to the DDR & effective mitigation measure & capacity can also be enhanced.

**Photos of Meeting**

**6. ONE DAY TRAINING ON SCHOOL SAFETY APP HELD ON 30.10.2024 AT DIET JUKHALA DISTRICT BILASPUR H.P.**

## 7. TRAINING-CUM-ORIENTATION SESSION ON HANDLING OF DRONES

Under the SAMARTH-2024 initiative, training-cum-orientation session on handling of Drones was organized for personnel's from Home Guards, Police, Health and DDMA.

## II. ACTIVITIES CONDUCTED BY RURAL DEVELOPMENT AND PRI

**Gram Sabha Meeting:** Gram Sabha Meetings were conducted on 02-10-2024 vide which discussion was held on already devised agenda points.

## III. ACTIVITIES ORGANIZED BY EDUCATION DEPARTMENT

Following activities were organized at School College level

- ***Conduct of Mock Drill on Landslide/ Flash Floods / EQ***
- ***Slogan Writing Competition (on placards)***
- ***Quiz on Disasters (Available in Hindi & English)***
- ***Painting, Poster Making Competition***
- ***Essay Writing Competition for Schools.***
- ***Preparation of 100% School DMPs through "School Safety App" in all schools in the District.***

### 1. Government Senior Secondary School Talai

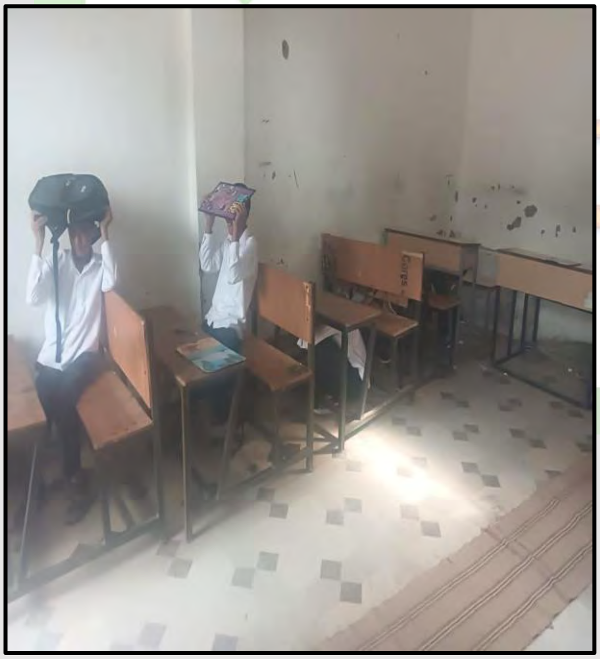

2. **Government Senior Secondary School Gah Ghori**

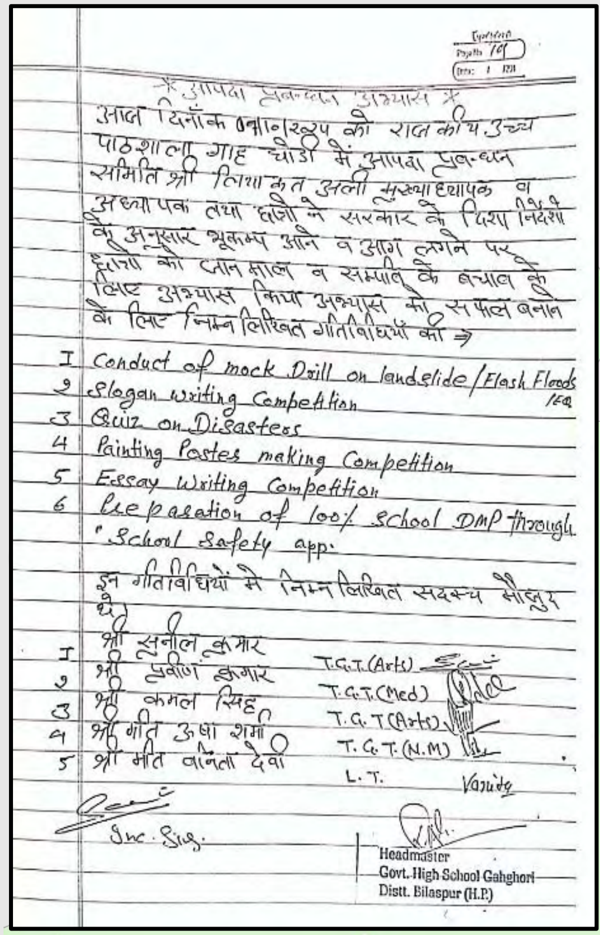

* आपदा प्रबन्धन अभ्यास *

आज दिनांक 07/10/2024 को राजकीय उच्च पाठशाला गाह घोडी में आपदा प्रबन्धन समिति श्री लियाकत अली मुख्याध्यापक व अध्यापक तथा छात्रों ने सरकार के दिशा निर्देशों के अनुसार भूकम्प आने व आग लगने पर छात्रों को जान माल व सम्पत्ति के बचाव के लिए अभ्यास किया अभ्यास को सफल बनाने के लिए निम्न लिखित गतिविधियों को ⇒

1. Conduct of mock Drill on landslide/Flash Floods/EQ
2. Slogan writing Competition
3. Quiz on Disasters
4. Painting Poster making Competition
5. Essay Writing Competition
6. Preparation of 100% School DMP through "School Safety app.

इन गतिविधियों मे निम्नलिखित सदस्य मौजूद थे

| | | |
|---|---|---|
| 1 | श्री सुनील कुमार | T.G.T. (Arts) |
| 2 | श्री प्रवीण कुमार | T.G.T. (Med) |
| 3 | श्री कमल सिंह | T.G.T (Arts) |
| 4 | श्रीमति ऊषा शर्मा | T.G.T. (N.M) |
| 5 | श्रीमति वनिता देवी | L.T. |

Vanita

Inc. Sig.

Headmaster
Govt. High School Gahghori
Distt. Bilaspur (H.P.)

3. **Government High School Kallar**

4. **Government High School Takrera**

## 5. Government High School Taraun

## 6. GMS Badi Chhajol

7. **GMS Ghandalwin**

8. **GPS Gallian Khas, Bilaspur –I**

**9. GPS Mehri Kathla**

**10. GSSS Barota**

**11. GSSS Bhakra**

**12. GMSSS Talai**

**13. GSSS Chalehli**

**14. GSSS Chhat**

**15. GSSS Dhadhol**

16. GSSS Hatwar

17. GSSS Kandrour

## 18. GSSS Dabat

## 19. GSSS Hawan

## 20. GSSS Mundkhar

## IV. DEPARTMENT OF INFORMATION PUBLIC RELATION

संख्याः आईपीआर/बीएलएस–जी (2)–1/2012–पव– 476-81
जिला लोक लोक सम्पर्क अधिकारी
बिलासपुर जिला बिलासपुर।

प्रेषक

जिला लोक लोक सम्पर्क अधिकारी
बिलासपुर जिला बिलासपुर।

प्रेषित

1 महांसंगम थियेटर ग्रुप बिलासपुर, 2 नटराज कलामंच घुमारवीं
3 जनचेतना कंलामंच झण्डुता, 4 अमरज्योति कंलामंच घुमारवीं
5 मां वैष्णो संस्कृतिक कलामंच, 6 पटियाल म्युजिकल ग्रुप डंगार

दिनांक बिलासपुर 9 अक्तूबर, 2024

विषयः– फोक मीडिया के माध्यम से कार्यकम करने बारे।

महोदय,

उपरोक्त विषय के सदंर्भ में निदेशालय से प्राप्त पत्र संख्या आईएण्डपीआर–एच(एफ)10–3/2024–3216 दिनांक 4 अक्तूबर, 2024 के तहत जिला आपदा प्रंबधन प्राधिकरण के परामर्श से सुरक्षित निर्माण से सम्बन्धित जागरूकता कार्यकम का आयोजन जिला के प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र मे किया जाना है।

अतः आपको निर्देश दिये जाते है कि अपने सांस्कृतिक दल के माध्यम से सुरक्षित निर्माण से सम्बन्धित जागरूकता कार्यकम प्रस्तुत कर लोगों को जागरूक करने के लिए जिला के निम्नलिखित स्थानों में दिनांक 14 अक्तूबर 2024 से 19 अक्तूबर, 2024 तक कार्यकम करवाना सुनिश्चित करें।

| क0स0 | ग्रुप का नाम , | दिनांक व समय | पंचायत का नाम | गांव का नाम |
|---|---|---|---|---|
| 1 | महांसंगम थियेटर ग्रुप बिलासपुर | 15.10.24 | नम्होल 11 AM | बाजार |
| | | | जुखाला 2 PM | बाजार |
| 2 | नटराज कलामंच घुमारवीं | 16.10.24 | कंदरौर 11 AM | बाजार |
| | | | बिलासपुर 2 PM | स्दर |
| 5 | मां वैष्णो संस्कृतिक कलामंच बरठी | 18.10.2024 | बरठी 11 AM | बाजार |
| | | | शाहतलाई 2 PM | बाजार |
| 3 | जनचेतना कंलामंच झण्डुता | 21.10.2024 | झण्डुता 11 AM | बाजार |
| | | | कलोल 2 PM | बाजार |
| 4 | अमाज्योति कंलामंच घुमारवीं | 22.10.2024 | भराड़ी 11 AM | बाजार |
| | | | डंगार 2 PM | बाजार |
| 6 | पटियाल म्युजिकल ग्रुप डंगार | 23.10.2024 | घुमारवी 11 AM | बाजार |
| | | | कुठेड़ा 2 PM | बाजार |

जिला लोक लोक सम्पर्क अधिकारी
बिलासपुर जिला बिलासपुर।

प्रतिलिपिः– पृष्ठाकंन व सख्या यथोपरि
1 अध्यक्ष , जिला आपदा प्रबधन प्राधिकरण बिलासपुर जिला बिलासपुर, हि0प्र0 के सूचनार्थ प्रेषित है।

जिला लोक लोक सम्पर्क अधिकारी
बिलासपुर जिला बिलासपुर।

चेतावनी संकेत
रसायन विज्ञान प्रयोगशाला
STOP
WAIT
GO

GENTS
TOILET

आदर्श राजकीय

# MEDIA COVERAGE

m.facebook.com

3. आग से सुरक्षा: आग बुझाने के यंत्र का उपयोग करें और धूम्रपान में सावधानी बरतें।

4. भूस्खलन से सुरक्षा: चेतावनियों का पालन करें और सुरक्षित स्थानों पर रहें।

5. आपातकालीन योजना: परिवार के साथ निकासी मार्ग और सुरक्षित स्थानों की योजना बनाएं।

इस जागरूकता अभियान का उद्देश्य लोगों को आपदा के प्रति सचेत करना और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार आपदा प्रबंधन के प्रति लोगों को जागरूक बनाने के प्रयास में लगी है, ताकि हर आपदा में कम से कम जान-माल की हानि हो सके।

#viral #bilaspur #dcbilaspur #nainadevi #ghumarwin #jhandutta #dcbilaspur

2

2 1

DPRO Bilaspur
15h

सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग हिमाचल प्रदेश एवं जिला लोक संपर्क विभाग विलासपुर के सयुंक्त तत्वावधान से नगर पंचायत तलाई व बरठीं में मां वैष्णो सांस्कृतिक कलां मंच बरठीं के कलाकारों ने कार्यकम प्रस्तुत किया । कलाकारों ने गीत-संगीत तथा नुकड़ नाटक के माध्यम से आपदा प्रबंधन के बारे में लोगों को जागरूक किया । कलाकारों ने भूकम्प, भूस्खलन, बाढ़ आग से होने वाले नुकसान तथा उससे कैसे बचाव करना चाहिए । कलाकारों ने बताया कि आपदा प्रबंधन को लेकर नियम बनाए गए है जिसमे राष्ट्रीय स्तर से पंचायत स्तर तक प्राधिकरण गठित किए थे । राष्ट्रीय स्तर के प्राधिकरण के पर्यवेक्षण एवं नियंत्रण प्रधानमंत्री के अधीन होता है । राज्य प्राधिकरण का नियंत्रण मुख्यमंत्री के पास होता है । जिला में उपायुक्त के निर्देशन में आपदा प्रबंधन प्राधिकरण गठित होता है । पंचायत में पंचायत प्रधान आपदा प्रबंधन के मुखिया होता । कलाकारों नुकड़ नाटक के माध्यम आपदा से बचाव की भी जानकारी दी । इस अवसर पर नगर पंचायत के सचिव खेम चंद वर्मा, प्रधानाचार्य राजकुमार एसएमसी प्रधान अशोक कुमार ग्राम पंचायत बरठीं के उप प्रधान राजेश मेहता वार्ड मेंबर ममता उपस्थित रही ।

DPRO Bilaspur
5h

प्रेस नोट

घुमारवीं में आपदा से सुरक्षा कार्यक्रम आयोजित: संस्कृत कॉलेज डंगार व औद्योगिक संस्थान भराड़ी में जागरूकता फैलाने का प्रयास

बिलासपुर, 22 अक्टूबर 2024

जिला लोक सम्पर्क विभाग बिलासपुर के मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देशानुसार, आपदा प्रबंधन प्राधिकरण विभाग के सौजन्य से आपदाओं से सुरक्षा हेतु विभिन्न फोक शो कार्यक्रमों का आयोजन अमर ज्योति समाज कल्याण व प्रशिक्षण सांस्कृतिक कला मंच घुमारवीं द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अगुवाई कला मंच की अध्यक्षा अमरा वती मोहिला द्वारा की गई, जिसमें आपदाओं से सुरक्षा हेतु आवश्यक उपायों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रमों का आयोजन संस्कृत कॉलेज डंगार और औद्योगिक संस्थान भराड़ी में किया गया, जहाँ नुक्कड़ नाटक और गीतों के माध्यम से आपदा सुरक्षा उपायों का प्रचार-प्रसार किया गया। इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य लोगों को आपदा से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करना और उन्हें आपातकालीन स्थिति में त्वरित और सुरक्षित तरीके से प्रतिक्रिया देने की जानकारी प्रदान करना था।

इस कार्यक्रम में बताया गया कि आपदा के समय त्वरित और सावधान प्रतिक्रिया से जान-माल की हानि को कम किया जा सकता है। भूकंप, बाढ़, आग और भूस्खलन जैसी आपदाओं के लिए आवश्यक तैयारी और सुरक्षा उपायों की जानकारी दी गई। इस दौरान विभिन्न नुक्कड़ नाटकों और गीतों के जरिए लोगों को सरल और प्रभावी तरीकों से जागरूक किया गया।

आपदा से सुरक्षा के प्रमुख उपायों में शामिल हैं:

1. भूकंप से सुरक्षा: सुरक्षित स्थानों पर शरण लें और घर के भारी सामान को सुरक्षित रखें।

2. बाढ़ से बचाव: ऊँचाई वाले क्षेत्रों में जाएं और बहते पानी से दूर रहें।

3. आग से सुरक्षा: आग बुझाने के यंत्र का उपयोग करें और धूम्रपान में सावधानी बरतें।

DPRO Bilaspur
2h

प्रेस विज्ञप्ति 15 अक्तूबर 2024

कलाकारों ने नमहोल और जुखाला में बताए आपदा से बचाव के उपाय

बिलासपुर 15 अक्तूबर। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) बिलासपुर द्वारा 15 अक्तूबर से 23 अक्तूबर तक डिजास्टर रिस्क रिडक्शन यानि आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर आयोजित किए जा रहे जागरुकता कार्यक्रम 'समर्थ-2024' के तहत मंगलवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला जुखाला में और नमहोल में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इन कार्यक्रमों में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग से संबद्ध महासंगम थिएटर ग्रुप के लोक कलाकारों ने गीत-संगीत एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को आपदा से बचाव के उपायों और सुरक्षित भवन निर्माण के प्रति जागरुक किया। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षित भवन निर्माण, आपदाओं से सुरक्षा और पारिवारिक आपातकालीन योजना से संबंधित ज्ञानवर्द्धक पाठ्य सामग्री भी वितरित की गई।

-0-

# गीत-संगीत व नाटक से दी आपदा प्रबंधन की जानकारी

संवाद न्यूज एजेंसी

घुमारवीं(बिलासपुर)। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग हिमाचल प्रदेश एवं जिला लोक संपर्क विभाग बिलासपुर के संयुक्त तत्वाधान में कंदरौर व ओयल पंचायत में नटराज सांस्कृतिक कला मंच घुमारवीं के कलाकारों ने कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

कंदरौर में कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान सोमा देवी ने की। कलाकारों ने गीत-संगीत, नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आपदा प्रबंधन के बारे में लोगों को जागरूक किया। कलाकारों ने भूकंप, भूस्खलन, बाढ़, आग से होने वाले नुकसान, उससे कैसे बचाव करना चाहिए के बारे में जानकारी दी। कलाकारों ने बताया कि भारत सरकार ने 2005 में आपदा प्रबंधन को लेकर नियम बने थे। राष्ट्रीय स्तर से पंचायत स्तर तक प्राधिकरण गठित किए थे। राष्ट्रीय स्तर के प्राधिकरण के पर्यवेक्षण एवं नियंत्रण प्रधानमंत्री के अधीन होता है। राज्य प्राधिकरण का नियंत्रण मुख्यमंत्री के पास होता है। जिले में उपायुक्त के निर्देशन में आपदा प्रबंधन प्राधिकरण गठित होता है। पंचायत में पंचायत प्रधान आपदा प्रबंधन के मुखिया होते हैं। कलाकारों नुक्कड़ नाटक के माध्यम आपदा से बचाव की भी जानकारी दी। दनोह गांव में उप प्रधान रामलाल व सचिव कांता देवी उपस्थित रहे।

बिलासपुर के कंदरौर में आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देते नटराज सांस्कृतिक कला मंच घुमारवीं के कलाकार। जागरूक पाठक

# जन चेतना कला मंच झंडूता के कलाकारों ने आपदा प्रबंधन पर नुक्कड़ नाटक पेश किया

बिलासपुर. स्टेट समाचार।

हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण व सूचना एवं जन संपर्क विभाग के सौजन्य से आपदाओं से रक्षा हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन विकास खंड झंडूता में किया गया। इस अवसर पर जन चेतना कला मंच झंडूता के कलाकारों ने आपदा प्रबंधन के उपर नुक्कड़ नाटक समूह गीत व लोक संगीत के द्वारा प्राकृतिक आपदाओं से बचाव की जानकारी दी गई। यह कार्यक्रम झंडूता व कलोल में प्रस्तुत किए गए। कला मंच के अध्यक्ष महेंदर भारती, व साथी कलाकारों देशराज, प्यार सिंह, सुरेंद्र कुमार काकू, संतोष शर्मा ,रेनू शर्मा ,और शालू आदि कलाकारों ने अपने अभिनय से जागरूक किया व उपस्थित जन समूह का मनोरंजन किया।

# आपदा से बचाव की दी जानकारी

संवाद सहयोगी, जागरण • भराड़ी : आपदा प्रबंधन प्राधिकरण विभाग के सौजन्य से जिला लोक संपर्क विभाग बिलासपुर के मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार आपदा में सुरक्षा के लिए विभिन्न फोक शो कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम अमर ज्योति समाज कल्याण व प्रशिक्षण सांस्कृतिक कला मंच घुमारवीं की ओर से कला मंच अध्यक्ष अमरावती मोहिला के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इसमें आपदाओं से सुरक्षा को लेकर आवश्यक उपाय की जानकारियों का प्रचार-प्रसार फोक मीडिया, नुक्कड़ नाटक व गीतों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का आयोजन संस्कृत महाविद्यालय डंगार व औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भराड़ी में आयोजित किया गया। इस मौके पर प्रधानाचार्य राजीव कुमार, रतन चंद, वीना देवी, निर्मला देवी, प्रमीला देवी, अमित कुमार, राजीव कुमार, अनिल कुमार, अंशिका कुमारी, पंकज कुमार, पवन कुमार, अनीता कुमारी, कमलेश कुमार, जगत राम, नीलम कुमारी, सुनील कुमार, संजीव कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

भराड़ी में आपदाओं से सुरक्षा की जानकारी देते कलाकार • जागरण

NEWS

# Disaster management mock drill organised in Bilaspur

The mock drill organised by the District Disaster Management Authority in Bilaspur on Monday.

OUR CORRESPONDENT

HAMIRPUR, OCTOBER 14

A disaster management mock drill was organised by the District Disaster Management Authority at Government Senior Secondary School (Boys) in Bilaspur today to train students in tackling disaster-like situations.

National Disaster Response Force Assistant Commandant Karam Singh said the mock drill and awareness programme was conducted to train students of the school on disaster behaviour, rescue measures and how to deal with disaster-like situations.

According to the instructions of the State Disaster Management Authority (SDMA), the District Disaster Management Authority (DDMA) would organise activities under the Disaster Risk Reduction and Awareness Programme titled Samarth-2024 from October 1 to October 15 this year, he added.

Open drills were organised at the auditorium of the school and the District Language and Arts Culture Department office. Singh said various methods for earthquake and fire prevention were demonstrated during the drill. An incident of a fire in the school was enacted.

# छात्र स्कूल बिलासपुर में करवाया पूर्वाभ्यास

**बिलासपुर** : जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला (छात्र) बिलासपुर तथा जिला भाषा व कला संस्कृति विभाग के सभागार में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों को आपदा के समय व्यवहार, बचाव के उपाय और आपदाओं से निपटने के तरीके बताए। इस दौरान माकड्रिल (पूर्वाभ्यास) करवाया गया, जिसमें भूकंप एवं अग्निकांड से बचाव के विभिन्न तरीकों को प्रदर्शित किया गया। पाठशाला में अग्निकांड दर्शाया गया, जिसमें छह बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। आडिटोरियम में भूकंप से प्रभावित भवन से 14 लोगों को सुरक्षित बाहर

बिलासपुर आडिटोरियम में माकड्रिल करते एनडीआरएफ के जवान • जागरण

निकाला गया। इस मौके पर एनडीआरएफ से सहायक समादेशक कर्म सिंह, होम गार्ड से प्लाटून कमांडर सुरेंद्र चंद, अग्निशमन विभाग से फायर आफिसर दीवान चंद सहित अन्य मौजूद रहे। (जासं)

# जिला मुख्यालय में आपदा प्रबंधन पर जागरूकता कार्यक्रम

**सवेरा न्यूज/अरुण डोगरा**

बिलासपुर 14 अक्तूबर : जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, बिलासपुर की तरफ से आपदा प्रबंधन के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम करवाया गया। इस कार्यक्रम में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के माध्यम से राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला (छात्र), बिलासपुर के विद्यार्थियों को आपदा के समय व्यवहार, बचाव के उपाय और आपदाओं से निपटने के तरीके बताए। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) के निदेर्शानुसार जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) बिलासपुर द्वारा इस वर्ष भी 1 अक्तूबर से 15 अक्तूबर तक डिजास्टर रिस्क रिडक्शन यानि आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर जागरूकता कार्यक्रम समर्थ 2024 के तहत कई गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी कड़ी में सोमवार को डीडीएमए ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला (छात्र), बिलासपुर व जिला भाषा व कला ससंकृति विभाग के ऑडिटोरियम परिसर में मोक ड्रिल का आयोजन किया गया, जिसमें भूकंप एवं आगजनि से बचाव के विभिन्न तरीकों को प्रदर्शित किया गया। पाठशाला में आगजनी की घटना दर्शायी गई जिसमें 6 बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला गया तथा ऑडिटोरियम में भूकंप के द्वारा प्रभावित हुए भवन से 14 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस जिला सत्रीय मोक ड्रिल में एनडीआरएफ, होम गार्ड, अग्निशमन, स्वास्थ्य, पुलिस, रेड क्रॉस और स्वयंसेवकों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। जिला प्रशासन की ओर से श्री देवी राम (डीआरओ), श्री. बालकृष्ण (तहसीलदार), एनडीआरएफ से श्री. करम सिंह (सहायक कमांडेंट), श्री. अशोक कुमार रमोला, होम गार्ड से श्री. सुरेंद्र चंद (प्लाटून कमांडर) व इनकी टीम, फायर से श्री. दीवान चंद (फायर ऑफिसर) व इनकी टीम, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से डॉ. रितेश कुमार (प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण समन्वयक) उपस्थित रहे।

# विद्यार्थियों को दी आपदा के समय बचाव की जानकारी

**बिलासपुर।** राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर की आपदा प्रबंधन कमेटी और अग्निशमन विभाग की ओर से विभिन्न प्रकार की दुर्घटनाओं से निपटने, बचाव कार्य और आपदाओं के शमन के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जागरूकता कार्यक्रम में होमगार्ड और अग्निशमन विभाग से फायर ऑफिसर जितेंद्र कुमार ने एनसीसी आर्मी, नेवल गर्ल्स रेंजर्स एंड रोवर्स, रेड रिबन क्लब, प्रहरी क्लब, रेडक्रॉस इकाई, एनएसएस स्वयंसेवियों और अन्य विद्यार्थियों को आपदा के समय प्राथमिक बचाव कार्य के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यदि किसी भी जगह पर आगजनी की कोई घटना हो जाए तो उससे किस प्रकार निपटना है। अनिल ठाकुर ने भूकंप, बाढ़ और अन्य दुर्घटनाओं में बचाव कार्यों के विषय में डेमोंस्ट्रेशन और प्रदर्शन कर विद्यार्थियों को जागरूक किया। विभिन्न परिस्थितियों में प्राथमिक उपचार और बचाव के तरीकों के बारे में जानकारी दी।

प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल ने कहा कि हमारी विभिन्न कमेटियां विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर बहुत जागरूक हैं और लगातार इसके ऊपर काम करती रहती हैं। इस अवसर पर प्रो. श्रवण कुमार, प्रो. नवेंदु बंसल, डॉ. जयचंद, डॉ. सुरेश, डॉ. अजीत, डॉ. राधेश्याम, डॉ. रेनू आदि मौजूद रहे। संवाद

# प्रशिक्षुओं को भूकंप, आग से बचने का दिया प्रशिक्षण

संवाद न्यूज एजेंसी

बिलासपुर। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) जुखाला में अंतरराष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस के तहत मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 180 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

आपदा प्रबंधन समन्वयक राकेश ठाकुर ने बारिश एवं भूस्खलन से उत्पन्न होने वाली आपदाओं के बारे में प्रशिक्षणार्थियों के साथ अपने विचार साझा किए। समारोह में भूकंप और आग लगने की स्थिति से बचने के लिए मॉकड्रिल करवाई गई। उन्होंने सिलिंडर की आग से बचने का भी प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान डाइट आपदा प्रबंधन योजना के अनुसार अलग-अलग टीमों ने अपनी भूमिका का निर्वहन किया। गंभीर रूप में घायल प्रशिक्षणार्थियों को खोज एवं बचाव दल ने स्टैचर और बाजू के बने हुए बनावटी स्टैचर की मदद से संस्थान के बाहर निकाला, जिन्हें प्राथमिक चिकित्सा सहायता टीम ने प्राथमिक उपचार प्रदान किया।

संस्थान के प्रधानाचार्य राकेश मनकोटिया ने सभी प्रतिभागियों को आपदा प्रबंधन विषय की संवेदनशीलता और सजगता के बारे में प्रेरित किया। उन्होंने बहुत ही बारीकियों से उन्हें समाज में इस संदेश को प्रचारित करने पर बल दिया। इस अवसर पर संस्थान के कुलदीप शर्मा, सोमदत्त कालिया, संतोष चंदेल, पुष्पराज, नरवीर, रविंद्र ठाकुर, दिग्विजय मल्होत्रा, राकेश ठाकुर सहित अन्य उपस्थित रहे।

मॉकड्रिल का अभ्यास करते एनडीआरएफ, होमगार्ड, अग्निशमन विभाग के कर्मचारी। संवाद

## स्वयंसेवियों को सिखाए आग से बचाव के गुर

बिलासपुर। पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक बाल पाठशाला में अग्निशमन विभाग की ओर से सोमवार को मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। उन्होंने छात्रों को आग से बचाव का अभ्यास कराया। विभागीय अधिकारियों और कर्मियों ने छात्रों को आग लगने के कारण और उससे बचाव के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अक्सर छोटी-मोटी भूल के कारण आग लगने की घटना घटित होती हैं। छोटी आग कुछ गलतियों के कारण विकराल रूप धारण कर लेती है। हमें छोटी-छोटी सावधानियों पर ध्यान देने की आवश्यकता होती है। उन्होंने बताया कि आग लगने पर हताश होने के बजाए सूझबूझ से काम लेना चाहिए। उन्होंने छात्रों को अग्निशमन यंत्रों के प्रयोग को तकनीकी रूप से समझाया। संवाद

# District Disaster Management Authority (DDMA)- Chamba

## "SAMARTH- 2024"

Disaster means a catastrophe, mishap, calamity or grave occurrence in any area, arising from natural or man-made causes, or by accident or negligence which results in substantial loss of life or human suffering or damage to, and destruction of, property, or damage to, or degradation of, environment, and is of such a nature or magnitude as to be beyond the coping capacity of the community of the affected area.

Himachal Pradesh is prone to multi-hazards with earthquakes, landslide, cloudburst, flash floods, lightening, road accidents, avalanches, etc. However, the hazard which poses the biggest threat to the district is that of earthquakes. Another form of the natural hazards in the district is the frequent occurrences of landslides. The district Chamba falls in Seismic zone IV and V (as per the Seismic Zoning map of India) which are the high and severe risk zones respectively.

Himachal Pradesh State Disaster Management Authority (HPSDMA) organized its flagship mass awareness & capacity building campaign **"Samarth-2024"**. As a part of the campaign, various events and activities were conducted at District level in order to effective dissemination to increase the awareness regarding Disaster Risk Reduction among the masses.

In this regard, following activities were carried out under Samarth-2024.

**One day workshop-cum-training programme on Safe Construction practices by the District Disaster Management Authority (DDMA), Chamba, with the coordination of the Master Trainers i.e. *(JEs/AEs HPPWD, NH JSV, PO-DRDA, BDOs and Technical Staff)* from HPPWD, NH and PO-DRDA, SSA at Saru at Bachat Bhawan Chamba on dated 04th October, 2024.**

This training workshop was organised by the District Disaster Management Authority, Chamba with the help of Master Trainers **from HPPWD, NH and PO-DRDA, SSA at Saru at Bachat Bhawan Chamba** for all the JEs/AEs of HPPWD, NH, JSV, PO-DRDA, BDOs and technical staff of District Chamba. The workshop began with a short speech by the worthy Deputy Commissioner Chamba. The workshop aimed to enhance awareness and understanding of safety protocols and best practices in the construction industry, ultimately aiming to reduce workplace accidents and improve overall safety culture. The main goals of the above training workshop are:-

- Toeducate participants on the importance of safety in construction.
- To familiarize attendees with current safety regulations and guidelines.
- To provide practical training on risk assessment and hazard identification.
- To promote a culture of safetywithin the organization.

The outcomes of the training workshops are:-

- Increased**Awareness:-** Participants demonstrated a better understanding of the importance of safety practices in construction.
- Practical **Skills:-** Attendees acquired practical skills in risk assessment and hazard identification, enhancing their ability to implement safety measures on-site.

 Actionable **Insights:-** The discussions and case studies provided valuable insights that participants can apply in their respective roles.

The workshop on Safe Construction Practices successfully ended with its objectives, providing AEs and JEs with essential knowledge and skills to promote safety in their work environments. Continuous training and reinforcement of safety practices are crucial for reducing incidents and enhancing the safety culture in the organization.

**One day Capacity Development Workshop on Earthquake Safety for schools by the District Disaster Management Authority (DDMA), Chamba, with the coordination of the DPO-SSA and SDOs at DIET Saru, Principals and Teachers of Govt. and Private Schools at DIET Saru on dated 05th October, 2024.**

On October 5, 2024, the District Disaster Management Authority (DDMA) organized a one-day Capacity Development Workshop on Earthquake Safety for schools in Chamba with the coordination of the DPO-SSA and SDOs at DIET Saru Principals and Teachers of Govt and Private Schools at DIET Saru. The workshop aimed to equip educators with essential knowledge and skills to promote earthquake safety measures within their institutions. The details of the resources person for the training was given below:-

1. Sh Kamal Singh DPE Baror regarding school safety pan.
2. Dr Ajay regarding first aid and CPR.
3. Deepak Sharma AE SSA regarding safe construction practices.

The main goals of the above training workshops are:-

1. **Raise Awareness:** Educate participants about earthquake risks and the importance of preparedness.
2. **Develop Skills:** Train teachers and principals on implementing safety protocols and emergency response plans.
3. **Enhance Collaboration:** Foster communication and collaboration among schools, DDMA, and local authorities.

The Capacity Development Workshop on Earthquake Safety was a significant step towards enhancing disaster preparedness in Chamba's educational institutions. Participants left with a renewed sense of responsibility and actionable strategies to implement within their schools. The DDMA, along with the DPO-SSA and SDOs, aims to continue these initiatives to build a safer environment for students and staff alike.

**District-Level Function/ Competition on Safe Construction Models on Disaster Management Initiatives (SAMARTH - 2024) at Govt. Boys Senior Secondary School Chamba at 11:00 AM on dated 5th October 2024.**

The District Disaster Management Authority (DDMA), Chamba, organised a District Level Competition on Safe Construction Model at Govt. Boys Senior Secondary School Chamba at 11:00 AM on dated 5th October 2024. In this competition total 34 Schools participated and out of them total 12 schools are got first, second position in District Level.

Four schools are selected for the State Level competition by the District Level Committee Chamba. The lists of the schools which are selected at State Level are given below:-

| Sr. No. | Name of the Students & Escort Teacher | Name of the School /Department | Category /Destination | Contact No |
|---|---|---|---|---|
| **1.** | Anshika | GSSS Sihunta | **Sr. Sec.** | |
| **2.** | Palak | | | |
| **3.** | Banit Kumar | | Escort Teacher | **98054-61411** |
| **4.** | Riya | GSSS Thalli | **Sr. Sec.** | |
| **5.** | Razeena | | | |
| **6.** | Kusumanjali | | Escort Teacher | **70180-81170** |
| **7.** | Akshara Devi | GHS Tapper | **High School** | |
| **8.** | Sourabh Kumar | | | |
| **9.** | Lachhi Devi | | Escort Teacher | **82196-80285** |
| **10.** | Suraj Kumar | Garnota ITI Chamba | **ITI** | |
| **11.** | Rahul Jariyal | | | |
| **12.** | Susheel Kumar | | Escort Teacher | **89883-08390** |
| **13.** | Sumit Gupta | DDMA Chamba | IT Coordinator | **98165-38980** |

# Final Result on of Schools in Safe Construction Practices Model Exhibition held at GBSSS School Chamba on dated 05-10-2024

## 1st Position ITI Garola

## 1st Position GSSS Thalli

**<u>1st Position GSSS Sihunta</u>**

**<u>1st Position GHS Tapper</u>**

Out of the 34 Schools, 4 Nos. of Schools are selected for the State Level competition at Shimla. The **<u>GHS Tapper</u>** got the second position in the State Level Safe Construction Practices Model Exhibition at Shimla.

**One day Training Workshop on Role of Youth in Disaster Risk Reduction and Climate Change Adaptation by the District Disaster Management Authority (DDMA), Chamba, with the coordination of the Resource Person HPSDMA Shimla, and NDRF team at Govt Degree College Chamba.**

This training workshop was organised by the District Disaster Management Authority, Chamba with the help of with the coordination of the Resource Person HPSDMA Shimla, and NDRF team at Govt. Degree College Chamba. The above training workshop aimed at educating and engaging the youth in disaster risk reduction (DRR) and climate change adaptation (CCA). The workshop brought together students, faculty, and representatives from the District Disaster Management Authority, the Himachal Pradesh State Disaster Management Authority (HPSDMA), and the National Disaster Response Force (NDRF).

**Objectives of the workshop are:-**

1. **Raise Awareness:** Enhance understanding of disaster risks and climate change impacts.
2. **Empower Youth:** Equip participants with knowledge and skills to take proactive measures in DRR and CCA.
3. **Promote Engagement:** Foster a sense of responsibility among youth to contribute to community resilience.

The workshop concluded with a feedback session where participants shared their thoughts and insights. Many expressed a newfound understanding of their role in disaster management and a desire to become actively involved in community initiatives.

The DDMA, in collaboration with HPSDMA and the NDRF, aims to continue these educational efforts, ensuring that youth are equipped and motivated to lead in the face of climate challenges and disasters.

समर्थ
2024
One day Training-cum-workshop on
(7th October, 2024)
"Training-cum-workshop on Role of Youth in
Disaster Risk Reduction
and Climate Change Adaptation"
Organized By:-
District Disaster Management Authority Chamba (HP)
1077, 98166-98166,
@DDMAChamba
@DDMAChamba

**One day training of Students on Emergency Preparedness by the faculties of the Govt Polytechnic of Chamba at Govt Polytechnic College Chamba on dated 08th October, 2024.**

This training workshop was organised by the District Disaster Management Authority, Chamba with the coordination of the faculties of the Govt Polytechnic of Chamba at Govt Polytechnic College Chamba. This training program on **"Emergency Preparedness"** was conducted for the students of Government Millennium Polytechnic Chamba, facilitated by the institute's faculty, as part of **IDDRR-SAMARTH 2024** activities, under the guidance of DDMA Chamba.

**The primary objectives of the training program were:-**

- To raise awareness about various types of disasters and emergencies.
- To impart knowledge on emergency response strategies and first aid techniques.
- To foster a culture of preparedness among students, enabling them to act effectively in crisis situations.

**Program Highlights:-**

1. **Inauguration:-** The program commenced with a formal inauguration, where the chief guest from DDMA highlighted the importance of emergency preparedness in today's world.
2. **Session 1:- Understanding Disasters:-** The first session focused on the types of disasters — natural and man-made — along with their potential impact on communities. The speakers emphasized the need for awareness and readiness.
3. **Session 2:- Emergency Response Strategies:-** This session provided insights into the protocols for responding to various emergencies. Students learned about the roles of different stakeholders during a disaster, including government agencies, NGOs, and community members.
4. **Session 3:- First Aid Training:-** A practical demonstration of basic first aid techniques was conducted, covering topics such as CPR, wound care, and how to manage common injuries. Students participated actively in hands-on practice.
5. **Group Activities:-** Interactive group activities were organized to enhance learning and foster teamwork. Students engaged in scenario-based exercises, which helped them apply their knowledge in simulated emergency situations.
6. **Question & Answer Session:-** A question-and-answer segment allowed students to clarify doubts and seek guidance from experts. The engagement was high, reflecting students' keen interest in the subject matter.

The training program successfully met its objectives, with students expressing increased confidence in their ability to respond to emergencies. Feedback from participants indicated a strong appreciation for the knowledge gained and a desire for further training in emergency management.

TYPES OF DISASTERS
Natural Disasters
Manmade Disasters

Classifications of Fire

**One day training of Training of Students on Emergency Preparedness by the faculties of the Govt Polytechnic of Banikhet at Govt Polytechnic College Banikhet on dated 08th October, 2024.**

On October 8, 2024, the faculty of Government Polytechnic College Banikhet conducted a one-day training program on Emergency Preparedness for students. The session aimed to equip students with essential knowledge and skills to respond effectively in emergencies. Topics covered included first aid, disaster management, and evacuation procedures. The training combined theoretical knowledge with practical exercises, fostering a proactive approach to safety and preparedness among students. Participants engaged actively, enhancing their understanding of critical emergency response strategies. Overall, the event successfully raised awareness and preparedness within the student community.

**Mock Drill and Awareness Program conducted by Home Guard Department under Samarth-2024 at Various Schools of District Chamba.**

The Home Guard Department recently conducted a Mock Drill and Awareness Program as part of the Samarth-2024 initiative across various schools in District Chamba. This program aimed to educate students on emergency response procedures, safety measures, and the importance of preparedness in crisis situations.

During the mock drill, participants practiced evacuation protocols and emergency responses to various scenarios, including fire and natural disasters. The program emphasized teamwork, quick thinking, and the vital role of first responders.

The list of schools where the Mock Drill and Awareness Program conducted by Home Guard Department are given below:-

| Sr. No. | Date | Name of School/Institution | Strength | |
|---|---|---|---|---|
| | | | Teacher | Student |
| 1 | 18-09-2024 to 23-09-2024 | Task force youth volunteer Sub Division Pangi | 103 Volunteer | |
| 2. | 01-10-2024 | Govt.Sr. Sec. School Jhajja Kothi | 16 | 440 |
| 3. | 01-10-2024 | Battalion Training Centre Saroo | 40 Home Guards | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **4.** | 01-10-2024 | Kids Camp Public Sen. Sen. Sec.School Chowari | 10 | 200 |
| **5.** | 01-10-2024 | Govt. Senior Secondary School Bhandal | 15 | 380 |
| **6.** | 02-10-2024 | Govt. Sr. Sec.School Karlyan at BTC Saroo | 02 | 57 |
| **7.** | 04.10.2024 | Govt Senior Secondary School Saikothi | 02 | 60 |
| **8.** | 05-10-2024 | Govt Senior Secondary School LIgga | 20 | 150 |
| **9.** | 07.10.2024 | Govt Senior Secondary School Awanh | 13 | 213 |
| **10.** | 07-10-2024 | Govt Senior Secondary School Hobar | 28 | 260 |
| **11.** | 08-10-2024 | D.A.V. Public High School Bharmour | 15 | 133 |
| **12.** | 08-10-2024 | Govt. High School Frotak | 14 | 86 |
| **13.** | 09-10-2024 | Govt. Senior Secondary School Juther | 02 | 40 |
| **14.** | 09-10-2024 | Adarsh Adhunik Public High School Garola | 13 | 90 |
| **15.** | 10-10-2024 | Govt. Senior Secondary School Sanghani | 15 | 160 |
| **16.** | 10-10-2024 | Govt. Senior Secondary School Banikhet | 39 | 266 |
| **17.** | 11-10-2024 | Govt. Senior Secondary School Dadriara | 06 | 120 |
| **18.** | 11-10-2024 | Rishi Public Middle School Dadriara | 07 | 150 |
| **19.** | 11-10-2024 | Govt. High School Bailly | 11 | 97 |
| **20.** | 15-10-2024 | Govt. High School Salli | 08 | 27 |
| **21** | 15-10-2024 | Govt. Senior Secondary School Parchhor | 03 | 54 |

Training was imparted by Home Guards and Fire Department in collaboration with DDMA Chamba to Task force youth volunteer in 05 days training programme at Pangi , Chamba.

On dated 01-10-2024 Fire Post Churah Distt Chamba the Leadership of Fireman Lekh Raj 440 students (Boy & Girls ) and 16 teachers of Govt Sr. Sec. School Jhajja-Kothi were made aware about Fire Prevention with Mock Drill.

On dated 07-10-2024 Sub-Fire Station Bhattiyat Distt Chamba the Leadership of Fireman Kuldeep Singh 213 students (Boy & Girls ) and 13 teachers of Govt Sen. Sec. School Awanh were made aware about Fire Prevention with Mock Drill.

*On dated 09-10-2024 Fire Post Kharamukh Distt. Chamba the Leadership of Fireman Bali Ram were made aware about Fire Prevention with Mock Drill 90 students (Boy & Girls ) and 13 teachers of Adarsh Adhunik Public High School Garola.*

In an effort to raise awareness about disaster preparedness, the District Public Relations Office (DPRO) Chamba organized a series of Nukkar Natak (Street Plays) across various sub-divisions in the district w.e.f. 8th October, 2024 to 13th October, 2024 during the Samarth-2024. The initiative aimed to educate the local communities about essential disaster management practices, the importance of preparedness, and how to effectively respond during natural disasters such as floods, earthquakes, landslides, and fires. The Nukkar Natak was an interactive and impactful way to communicate critical messages to people in a simple, understandable, and engaging manner.

**Art kala Munch**

**Bharmour Bus Stand**

Maa Sarswati

Bharmour Chowk Chamba

New Bus Stand Chamba

Priya Musical group

Sihunta Bus Stand

Chowari Bus Stand

**Jagriti Kala Munch**

**Banikhet Bus Stand**

**Dalhousie Bus Stand**

**Two Days Training Program-cum-consultative workshop on development of participatory Village Disaster Management Plan and Community based Disaster Risk Reduction Capacity by DDMA Chamba with expert facilitation by Sh. Navneet Yadav, :-**

A two-day *Training Program and Consultative Workshop on Development of Participatory Village Disaster Management Plan (VDMP)* and *Community-Based Disaster Risk Reduction (CBDRR) Capacity Building* was conducted on 8th and 9th October 2024. The workshop was organized by the District Disaster Management Authority (DDMA), with expert facilitation by Sh. Navneet Yadav, a state-level resource person. The training aimed to enhance the disaster preparedness and response capacities of local communities, particularly in rural areas, by involving them in the process of disaster risk reduction and management.

The key objectives of the workshop were:

1. To build local capacity in disaster risk reduction through participatory approaches.
2. To train participants on the development of Village Disaster Management Plans (VDMP).
3. To strengthen community-based disaster risk management mechanisms.
4. To foster collaboration between DDMA, community leaders, and local stakeholders.

**Program Overview**

The workshop took place over two days, with a structured agenda designed to offer both theoretical insights and practical tools for disaster management. It was attended by a wide range of participants, including village leaders, members of local disaster management committees, government officials, and community-based organizations.

**Day 1: 8th October 2024**

- **Session 1: Introduction to Disaster Risk Management (DRM)** The first session provided an overview of disaster management concepts, focusing on the importance of community involvement in risk reduction. Sh. Navneet Yadav explained the disaster management cycle, highlighting preparedness, response, recovery, and mitigation strategies.
- **Session 2: Participatory Approaches in Disaster Management** Participants were introduced to the concept of participatory disaster management, which involves the active engagement of local communities in decision-making processes. The session emphasized the importance of local knowledge, resource mobilization, and the role of community leadership in enhancing disaster resilience.
- **Session 3: Introduction to Village Disaster Management Plans (VDMP)** This session focused on the methodology and steps involved in creating a Village Disaster Management Plan (VDMP). Sh. Yadav guided participants through the key components of the VDMP, including hazard assessment, risk analysis, resources mapping, and contingency planning.

**Day 2: 9th October 2024**

- **Session 4: Community-Based Disaster Risk Reduction (CBDRR)** The second day opened with a deep dive into CBDRR principles. Sh. Yadav emphasized the role of local communities in identifying vulnerabilities and risks, and how these communities

can develop their own disaster management strategies. The session included case studies from other regions where CBDRR had been successfully implemented.

- **Session 5: Developing a Participatory VDMP – Group Work** In this interactive session, participants were divided into small groups and tasked with developing a sample Village Disaster Management Plan. The groups identified potential hazards in their respective villages, assessed community vulnerabilities, and proposed mitigation strategies. Sh. Yadav provided guidance and feedback on each group's approach.
- **Session 6: Capacity Building and Way Forward** The final session focused on how to institutionalize disaster management plans at the village level, and the role of local governance and community networks in sustaining these efforts. Participants were encouraged to implement what they had learned in their own communities and to engage local government agencies for support.

**Key Takeaways:-**

- **Community Engagement:** The success of disaster risk management is largely dependent on the active participation of communities. By involving local people in the identification of risks and the development of mitigation strategies, disaster preparedness can be significantly improved.
- **Holistic Planning:** A comprehensive approach to disaster management that includes hazard identification, risk assessment, resource mobilization, and response planning is essential. VDMPs should be living documents, regularly updated to reflect changing risks and capacities.
- **Collaboration Across Sectors:** The workshop highlighted the importance of collaboration between different stakeholders, including local communities, government agencies, NGOs, and other development partners, to ensure a coordinated disaster risk reduction approach.
- **Training and Capacity Building:** Continuous capacity building, especially at the grassroots level, is critical for enhancing the resilience of communities. Training village-level leaders and local disaster management teams is a step toward fostering sustainable disaster risk reduction practices.

**Conclusion:-**

The *Training Program and Consultative Workshop* on the development of Participatory Village Disaster Management Plans and Community-Based Disaster Risk Reduction was a significant step towards strengthening the disaster resilience of rural communities. By focusing on local knowledge, participatory planning, and capacity building, the workshop laid the foundation for more effective and sustainable disaster risk reduction efforts at the village level.

The insights and skills imparted during the workshop will empower community leaders and local stakeholders to take proactive steps in disaster preparedness, response, and recovery. Moving forward, it is essential to continue fostering a culture of disaster resilience through regular training, collaboration, and community engagement.

**Conclusion of IDDRR Samarth-2024 by DDMA Chamba**

The IDDRR (International Day for Disaster Risk Reduction) Samarth-2024 event, organized by the District Disaster Management Authority (DDMA) Chamba, successfully highlighted the importance of disaster preparedness, risk reduction, and community involvement. The event brought together key stakeholders including local government officials, community leaders, volunteers, and the general public, fostering collaboration to build resilience against natural and man-made disasters.

**Key Takeaways:-**

1. **Awareness and Education**: The event served as a platform for increasing public awareness about disaster risks and mitigation measures, emphasizing the role of communities in disaster resilience.
2. **Capacity Building**: Through workshops, simulations, and practical demonstrations, the participants were trained in various aspects of disaster management, including first aid, search and rescue operations, and the effective use of early warning systems.
3. **Community Engagement**: The involvement of local residents, schools, and youth groups underscored the importance of community-driven disaster risk management and the need to adapt traditional knowledge alongside modern techniques.
4. **Collaboration and Partnerships**: The event also fostered collaboration between various government agencies, NGOs, and the private sector, reinforcing the shared responsibility in disaster risk reduction efforts.
5. **Future Actions**: Moving forward, DDMA Chamba will continue to implement disaster risk reduction strategies, focusing on building infrastructure resilience, improving response times, and ensuring that communities are better equipped to handle future disasters.

The success of IDDRR Samarth-2024 signifies a strong commitment to creating a safer, more resilient Chamba district. Through ongoing efforts, public engagement, and sustained investment in disaster preparedness, we aim to mitigate the impacts of disasters and ensure the safety of all residents.

SAMARTH-2024

# REPORT of SAMARTH-2024

DDMA Hamirpur

2024

DDMA, Hamirpur

# SAMARTH-2024

As a symbol of solidarity with the global efforts to observe the celebrations related to the IDDR, the Himachal Pradesh State Disaster Management Authority (HPSDMA) in coordination with District Disaster Management Authority Hamirpur organizes an Annual Mass Awareness Campaign on Disaster Risk Reduction**- 'Samarth'** this state wide campaign is carried out at the state, district and community level and a variety of events and activities are organized from 1st to 15th of October, 2024. A range of Information, Education and Communication (I.E.C.) material is developed and disseminated among different target groups to enhance their knowledge and understanding of disaster risk reduction. Different types of events like inter-school quiz, photography competition, thematic workshops, etc. are organized at various levels. In order to achieve the objectives of 'Samarth 2024', it is very crucial for every citizen of Himachal Pradesh as well as all the District Disaster Management Authorities, Line Departments, Media Houses, Academic & Research Institutions, Corporate Houses, GOs, NGOs and CBOs to participate pro-actively in the campaign and contribute effectively to the process of making Himachal Pradesh a state resilient to disasters.

# ACTIVITIES IN THE SCHOOLS

Planned/coordinated by the Deputy Directors (HE and EE) in district.

1. Conduct of Mock Drill on Landslide/Flash Flood (in coordination with Home Guards & Fire Department) at exactly 11AM on 14th of October 2024.
2. Slogan Writing Competition (on placards)
3. Quiz on Disaster (in Hindi & English)
4. Painting, Poster Making Competition
5. Essay Writing Competition
6. Preparation of 100% School DMPs through "School Safety App" in all schools in the district.
7. State-wide Competition on Safe Construction Models at Block, District and then State level selections for IDDRR-2024:

**Some Glimpse of Painting, Poster Making Competition, Essay Writing Competition and Slogan Writing Competition**

FLOOD
FIRE
TORNADO
EARTHQUAKE
VOLCANO
DROUGHT

NATURAL DISASTERS
TORNADO
DROUGHT
TSUNAMI
VOLCANO
FLOOD
EARTHQUAKE

INTERNATIONAL DAY OF DISASTER RISK

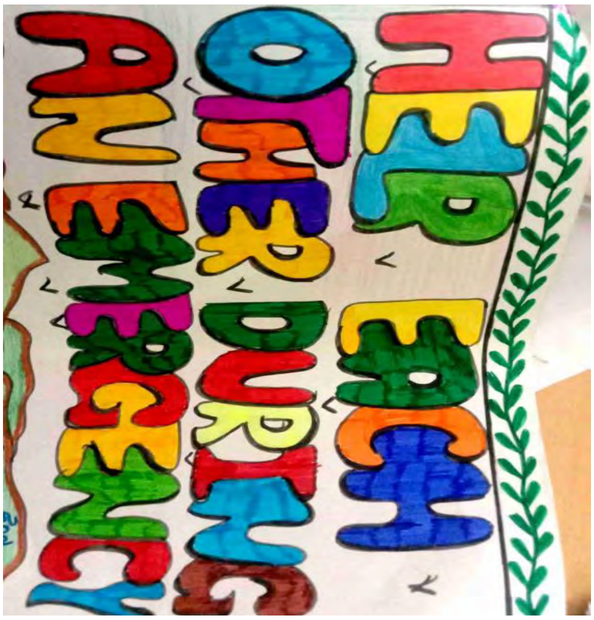
HELP EACH OTHER DURING AN EMERGENCY

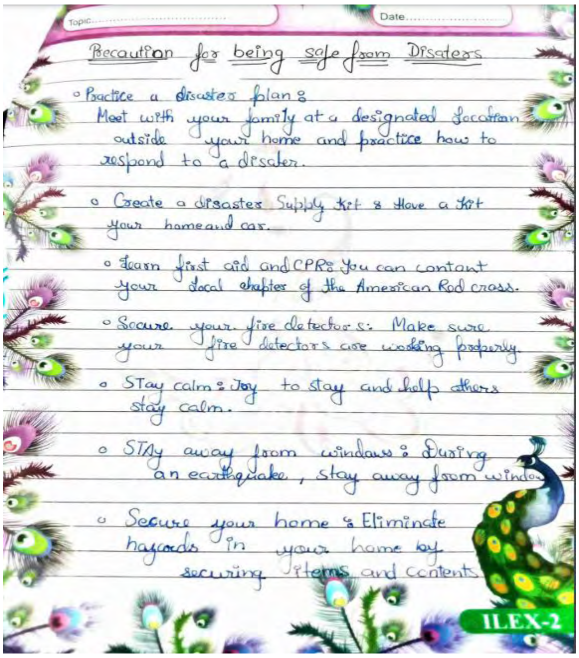


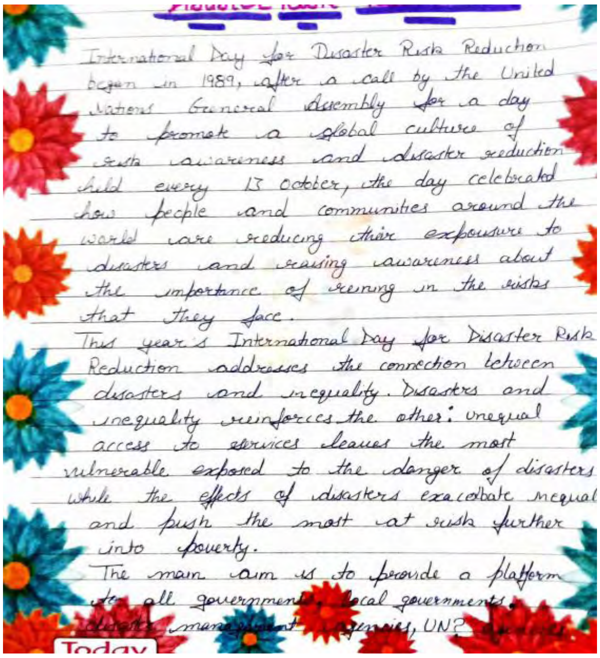

**State-wide Competition on Safe Construction Models for IDDRR-2024**

# <u>ACTIVITIES IN GRAM PANCHAYATS</u>

Gram Sabha Meetings with focus on Disaster Management will be organized in every Panchayat of the district on 2nd of October, 2024 (coordinated and supervised by the respective DDMA and the Department of Rural Development & Panchayati Raj). The discussions during the Gram Sabha shall focus upon the localized risks of disasters and the existing level and need of preparedness keeping in view the major disasters in district.

**<u>Some Glimpse of activities organized at panchayat level</u>**

# Mock Drill at following places during $1^{st}$ October-$15^{th}$ October, 2024

| Sr. No. | Places to conduct Mock Drill | Date | Time |
|---|---|---|---|
| 1. | Tehsil Office Complex, Bijhari | $1^{st}$ October, 2024 | 11:00 AM |
| 2. | Baba Balak Nath Post Graduate College, Chakmoh | $3^{rd}$ October, 2024 | 11:00 AM |
| 3. | Sidharth Govt Degree College, Nadaun | $4^{th}$ October, 2024 | 11:00 AM |
| 4. | SDM Office Complex, Nadaun | $5^{th}$ October, 2024 | 11:00 AM |
| 5. | SDM Office Complex, Sujanpur | $7^{th}$ October, 2024 | 11:00 AM |
| 6. | TJCM Govt Degree College, Sujanpur Tihra | $8^{th}$ October, 2024 | 11:00 AM |
| 7. | SDM Office Complex, Bhoranj | $9^{th}$ October, 2024 | 11:00 AM |
| 8. | Govt ITI, Bhoranj | $10^{th}$ October, 2024 | 11:00 AM |
| 9. | Institute of Hotel Management Catering Technology & Applied Nutrition, Hamirpur | $10^{th}$ October, 2024 | 11:00 AM |
| 10. | SDM Office Complex, Hamirpur | $14^{th}$ October, 2024 | 11:00 AM |

**Some Glimpse of Mock Drills organized by DDMA Hamirpur**

# Nukad Nataks/Street Plays

Nukad Natak Teams performs Street Plays in all the 5 Sub- divisions at various locations in District Hamirpur during Annual Mass Awareness Campaign on Disaster Risk Reduction- “Samarth” from 1st to 15th October, 2024.

# Activities by DIAG, Hamirpur

Awareness generation programmes at community level to educate the community on various aspects of disaster preparedness and resilience. Additionally, an awareness campaign launched to apprise the residents about available home insurance products, highlighting their benefits and importance in disaster mitigation.

**15अक्टूबर 2024** को #सुरभी सोशल वेल्फेयर सोसाइटी कांगू द्वारा साथी एनजीओ ज्वालामुखी कल्याण सोसायटी ने 'समर्थ ' वार्षिक जन जागरूकता अभियान कार्यक्रम के तहत गौना करोर नौदान हमीरपुर हिमाचल प्रदेश में मिस्त्री मजदूर और बिल्डिंग ठेकेदार को आपदा_प्रबंधन सुरक्षित निर्माण के विषय पर जागरूक किया गया

**14अक्टूबर 2024** को #सुरभी सोशल वेल्फेयर सोसाइटी कांगू द्वारा साथी एनजीओ ज्वालामुखी कल्याण सोसायटी ने '**समर्थ**' वार्षिक जन जागरूकता अभियान कार्यक्रम के तहत प्राथमिक विद्यालय नौदान जिला हमीरपुर हिमाचल प्रदेश में स्कूल के छात्र और शिक्षको को आपदा_प्रबंधन विषय पर जागरूक किया गया इस अवसर पर संस्था के महासचिव श्री राकेश कटोच और विद्यालय के प्रधानाचार्य साहित शिक्षक उपस्थित रहे संस्था के महासचिव राकेश कटोच ने बताया कि आपदा प्रबंधन का मूल उद्देश्य एक आपदा जैसी परिस्थिति में समन्वित तरीके से तत्काल प्रतिक्रिया करना और आपदाओं के संभावित प्रभाव से लोगों और संपत्ति के नुकसान को कम करना है

# Newspaper clippings

## सुजानपुर कालेज में आपदा प्रबंधन पर जागरूकता कार्यक्रम

**निजी संवाददाता-सुजानपुर**

सुजानपुर कालेज में जिला आपदा प्रबंधन विभाग की तरफ से आपदा प्रबंधन के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम करवाया गया। इस कार्यक्रम में जिला आपदा प्रबंधन विभाग के माध्यम से महाविद्यालय के विद्यार्थियों को आपदा के समय व्यवहार, बचाव के उपाय और आपदाओं से निपटने के तरीके बताए। कार्यक्रम में जिला आपदा प्रबंधन विभाग की तरफ से परवीन कुमार तथा सुजानपुर अग्निशमन विभाग की तरफ से राकेश कुमार और उनकी टीम ने विभिन्न आपदाओं और उनके प्रबंधन के बारे में विस्तार से बताया। महाविद्यालय के प्राचार्य डा. अजायब सिंह बनयाल ने विद्यार्थियों को आपदाओं के समय हौसला रखने और उचित कार्यवाही हेतु मार्गदर्शन किया।

## टौणीदेवी-दिम्मी में समझाया आपदा प्रबंधन और सुरक्षित भवन निर्माण

**स्टाफ रिपोर्टर-हमीरपुर**

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) के निर्देशानुसार जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) हमीरपुर द्वारा इस वर्ष भी एक अक्तूबर से 15 अक्तूबर तक डिजास्टर रिस्क रिडक्शन यानि आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर जागरुकता कार्यक्रम 'समर्थ-2024' के तहत कई गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इस पखवाड़े के दौरान जिला के सभी उपमंडलों में मॉक ड्रिल्स और अन्य जागरुकता गतिविधियों के अलावा गीत-संगीत एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भी लोगों को आपदा से बचाव के प्रति जागरुक किया जाएगा। इसी कड़ी में मंगलवार को डीडीएमए ने टौणी देवी और गांव दिम्मी में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सहयोग से जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए। इन कार्यक्रमों में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग से संबद्ध नटराज कला मंच के लोक कलाकारों ने गीत-संगीत और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को आपदा से बचाव, सुरक्षित भवन निर्माण और आपदा प्रबंधन के अन्य पहलुओं से अवगत करवाया। सांस्कृतिक दल के अध्यक्ष राजीव जस्सल और उनके साथी कलाकारों ने आपदा से बचाव के संबंध में कई महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं। टौणी देवी स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानाचार्य, शिक्षक, विद्यार्थी, उनके अभिभावक, स्थानीय पंचायत जनप्रतिनिधि तथा अन्य लोग भी उपस्थित थे।

पंजाब केसरी

Hamirpur Kesari
Oct 10, 2024

## भोटा व बड़सर में गीत–नाटक से बताए आपदा से बचाव के उपाय

**सवेरा न्यूज/बाल कृष्ण/प्रवीण भोटा,** : जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) हमीरपुर द्वारा एक अक्तूबर से 15 अक्तूबर तक डिजास्टर रिस्क रिडक्शन यानि आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर आयोजित किए जा रहे जागरु कता कार्यक्र म 'समर्थ-2024' के तहत सोमवार को नगर पंचायत भोटा के सहयोग से राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भोटा में और ग्राम पंचायत बड़सर के सहयोग से राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बड़सर में जागरु कता कार्यक्र म आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग से संबद्ध जीवन म्यूजिकल ग्रुप के लोक कलाकारों ने गीत-संगीत एवं नुक्कड नाटक के माध्यम से लोगों को आपदा से बचाव के उपायों और सुरक्षित भवन निर्माण के प्रति जागरु क किया। कार्यक्र म के दौरान सुरक्षित भवन निर्माण, आपदाओं से सुरक्षा और पारिवारिक आपातकालीन योजना से संबंधित ज्ञानवर्द्धक पाठ्य सामग्री भी वितरित की गई।

## उपायुक्त कार्यालय परिसर में किया बचाव कार्यों का अभ्यास

**सवेरा न्यूज/अक्षय हमीरपुर,** : जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के जागरूकता कार्यक्र म समर्थ-2024 के तहत सोमवार को उपायुक्त एवं एसडीएम कार्यालय परिसर में मॉकड्रिल आयोजित की गई। इस दौरान भूकंप, आगजनी और अन्य आपात परिस्थितियों में बचाव एवं राहत कार्यों का अभ्यास किया गया। मॉकड्रिल में होमगार्ड्स और अग्निशमन विभाग के बचाव दल ने उपायुक्त कार्यालय भवन की ऊपरी मंजिलों में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने तथा अन्य बचाव कार्यों का अभ्यास किया। बचाव दल ने अधिकारियों और कर्मचारियों को अग्निशमन यंत्रों और अन्य आधुनिक उपकरणों की कार्यप्रणाली के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर उपायुक्त एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष अमरजीत सिंह ने बताया कि किसी भी तरह की आपदा से सुनियोजित ढंग से निपटने तथा बचाव एवं राहत कार्यों को प्रभावी ढंग से अंजाम देने के लिए मॉक ड्रिल्स बहुत जरूरी होती हैं। इनके माध्यम से हमें आपदा से निपटने के लिए आवश्यक प्रबंधों और स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों के आकलन का अवसर मिलता है तथा इनमें कमियों को दूर करके भविष्य के लिए बेहतर तैयारियों हेतु महत्वपूर्ण फीडबैक मिलता है। उपायुक्त ने मॉक ड्रिल के दौरान बेहतर समन्वय एवं तत्परता के लिए होमगार्ड्स एवं अग्निशमन विभाग के बचाव दल की सराहना भी की।

## लंबलू और हमीरपुर में आपदा प्रबंधन पर किया जागरूक

**जागरण संवाददाता , हमीरपुर :** जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) हमीरपुर द्वारा एक अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक डिजास्टर रिस्क रिडक्शन यानि आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर आयोजित किए जा रहे जागरूकता कार्यक्रम 'समर्थ-2024' के तहत बुधवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला लंबलू और हमीरपुर के अंतरराज्यीय बस अड्डे पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

बुधवार सुबह लंबलू में आयोजित जागरुकता कार्यक्रम में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग से संबद्ध नटराज कला मंच के लोक कलाकारों ने गीत-संगीत एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्कूल के विद्यार्थियों, शिक्षकों और अन्य स्थानीय लोगों को आपदा से बचाव के उपायों और सुरक्षित भवन निर्माण के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षित भवन निर्माण, आपदाओं से सुरक्षा और पारिवारिक आपातकालीन योजना से संबंधित पठनीय सामग्री भी वितरित की गई।

बुधवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला लंबलू में आपदा के दौरान बचाव के तरीके सिखाते हुए • जागरण

इसी सांस्कृतिक दल के लोक कलाकारों ने बुधवार दोपहर बाद हमीरपुर के अंतरराज्यीय बस अड्डे पर भी लोगों को गीत-संगीत और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आपदा प्रबंधन और सुरक्षित भवन निर्माण की जानकारी दी।

## जोल सप्पड़ और कक्कड़ स्कूल का मॉडल रहा अव्वल

**कार्यालय संवाददाता - हमीरपुर**

जिला स्तरीय सेफकंस्ट्रक्शन मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन प्रारंभिक शिक्षा उपनिदेशक कार्यालय हमीरपुर में शनिवार को किया गया। मॉडल प्रतियोगिता में सभी शिक्षा खंडों से कुल 12 मॉडल सीनियर सेकेंडरी व हाई स्कूल वर्ग में प्रदर्शित किए गए। सीनियर सेकेंडरी वर्ग में जोल सप्पड़ स्कूल का छात्र कार्तिक प्रथम, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला लंबलू की छात्रा दिया कुमारी द्वितीय व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बिझड़ी का छात्र रिजुल कश्यप का मॉडल तृतीय स्थान पर रहा है। इसी तरह हाई स्कूल वर्ग में राजकीय उच्च पाठशाला कक्कड़ की छात्रा अंशिका कुमारी का मॉडल प्रथम स्थान पर रहा है। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में इंजीनियर संजय कटोच, फिजिक्स प्रवक्ता रश्मि ठाकुर, विज्ञान स्नातक संजीव कुमार व जिला विज्ञान पर्यवेक्षक राजेश गौतम उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर हिमाचल भास्कर 06-10-2024

## भोरंज में 9 व 10 को होगी मॉकड्रिल, एसडीएम ने की तैयारियों की समीक्षा

**भोरंज** | आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) 15 अक्टूबर तक जागरूकता कार्यक्रम 'समर्थ-2024' के तहत कई गतिविधियां करवा रहा है। इसी कड़ी में 9 को मिनी सचिवालय भोरंज और 10 को आईटीआई भोरंज में मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी।

इन मॉक ड्रिल्स की तैयारियों के संबंध में शनिवार को यहां मिनी सचिवालय में आयोजित बैठक में एसडीएम शशिपाल शर्मा ने उपमंडल के सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे मॉकड्रिल के लिए अपने-अपने विभागों व कार्यालयों के सभी आवश्यक संसाधनों को तैयार रखें। एसडीएम ने बताया कि मॉकड्रिल सुबह 11 बजे शुरू होगी और इस दौरान बचाव व राहत कार्यों का अभ्यास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की आपात स्थिति से निपटने के लिए उपमंडल स्तर पर भी एक व्यवस्था तय की गई है व इसमें सभी विभागों की जिम्मेदारी पहले से ही निर्धारित की हैं। मॉकड्रिल के दौरान सभी विभाग निर्धारित स्थलों पर प्रोटोकॉल के अनुसार अपने-अपने कार्य को आपसी समन्वय के साथ अंजाम दें।

एसडीएम ने बताया कि इन मॉक ड्रिल्स का मूल्यांकन प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर किया जा रहा है। इसलिए, सभी विभाग इनमें पूरी तत्परता एवं गंभीरता के साथ भाग लें तथा अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

# हमीरपुर के सभी उपमंडलों व कालेजों में होगी मॉकड्रिल

सवेरा न्यूज/अक्षय

हमीरपुर, 20 सितंबर : हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) इस वर्ष भी एक अक्तूबर से 15 अक्तूबर तक डिजास्टर रिस्क रिडक्शन यानि आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर जागरुकता कार्यक्रम 'समर्थ' के तहत कई गतिविधियां आयोजित करेगी।

उपायुक्त एवं डीडीएमए के अध्यक्ष अमरजीत सिंह ने इस दौरान बताया कि जिला के विभिन्न उपमंडलों और कॉलेजों में मॉकड्रिल्स भी करवाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि एक अक्तूबर को

- एक से 15 अक्तूबर तक 'समर्थ' कार्यक्रम के तहत करवाई जाएगी मॉकड्रिल्स

तहसील कार्यालय परिसर बिझड़ी, 3 अक्तूबर को बीबीएन कालेज चकमोह, 4 को सिद्धार्थ राजकीय डिग्री कालेज नादौन, 5 को मिनी सचिवालय नादौन, 7 को मिनी सचिवालय सुजानपुर, 8 को डिग्री कालेज सुजानपुर, 9 को मिनी सचिवालय भोरंज, 10 को आईटीआई भोरंज और होटल प्रबंधन संस्थान हमीरपुर तथा 14 अक्तूबर को एसडीएम कार्यालय परिसर हमीरपुर में मॉकड्रिल की जाएगी। उपायुक्त ने बताया कि इन मॉकड्रिल्स के दौरान होमगार्ड्स की दसवीं वाहिनी हमीरपुर और अग्निशमन विभाग के दल बचाव कार्यों का अभ्यास करेंगे। ये दल विद्यार्थियों और आम लोगों को आपात परिस्थितियों में बचाव एवं राहत कार्यों के प्रति जागरुक करेंगे। उपायुक्त ने सभी एसडीएम, होमगार्ड्स की दसवीं वाहिनी के कमांडेंट और सभी संबंधित कालेजों के प्रधानाचार्यों को मॉकड्रिल्स में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

# Introduction

Samarth is a State Level Flagship Program of Government of Himachal Pradesh Department of Relief and Disaster Management which is celebrated every year in the month of October to commemorate the International Day for Disaster Risk Reduction. During this program various awareness and capacity building programs are organised throughout the State to enhance the capacity and awareness of communities for Disaster Risk Reduction.

The District Disaster Management Authority, Kangra is committed to prepare communities for Disaster Risk Reduction and hence the authority put dedicated efforts in organising following activities:-

- Dastak, a mass outreach and awareness campaign.
- School Level Competitions on Model Making on Safe Construction.
- Mock Drills
- Street Plays
- School level competitions on Poster Making and Slogan Writing
- Workshop of Inter Agency Group
- Training on School Safety for Disaster Risk Reduction

1. **Dastak, a mass outreach and awareness campaign.**

- The DDMA, Kangra organised a mass outreach program "Dastak". The campaign was planned to reach 1.5 lakh households with a massage on need of Safe Construction Practices for Disaster Risk Reduction. Various segments of Administration, Society and Organisations were involved in the campaign to ensure its success. District Rural Development Authority was the Nodal Agency for the program and all other departments such as Urban Development, Rural Development, Sub Divisions, Block Development Offices, NGOs, Degree Colleges, Aapda Mitras, Youth Volunteers etc. were the key stakeholders of the campaign. On 13th October, 2024 all stake holders organised teams at local level and reached around 1.5 lakh households with a message on Safe Construction. Some Glimpses of the program are as under:-

@sandeepbagga

2024/10/13 14:05

**RV7NEWS**

हिमाचल प्रदेश ।। अक्टूबर 14 सोमवार 2024

सच है तो दिखेगा

# महाविद्यालय शाहपुर के छात्रों ने ग्रामीण समुदाय में जागरूकता फैलाने का कार्य किया ।

**शाहपुर (कोहली)** अंतर्राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस पर राजकीय महाविद्यालय शाहपुर के छात्रों ने 'घर-घर दस्तक, हर घर दस्तक' अभियान के तहत ग्रामीण समुदाय में जागरूकता फैलाने का महत्वपूर्ण कार्य किया। अभियान का मुख्य उद्देश्य 'सुरक्षित निर्माण, सुरक्षित समाज' की सोच को बढ़ावा देना था। छात्रों ने गांव के 300 घरों में जाकर सुरक्षित निर्माण के बारे में जानकारी देते हुए पैम्पलेट वितरित किए। इस अभियान के माध्यम से लगभग 450 ग्रामीण आपदा प्रबंधन और सुरक्षित भवन निर्माण के महत्व के प्रति जागरूक हुए। पैम्पलेट्स में भूकंप और अन्य आपदाओं से बचाव के लिए सुरक्षित निर्माण और आपदा प्रबंधन के उपायों का वर्णन किया गया था। ग्रामीणों को जागरूक करते हुए, छात्रों ने इस बात पर जोर दिया कि भूकंप जान नहीं लेते, बल्कि कमजोर और असुरक्षित इमारतें जान लेती हैं। इस अभियान के माध्यम से समुदाय में सुरक्षित निर्माण की आवश्यकता और आपदा-रोधी संरचनाओं के महत्व को समझाया गया, जिससे भविष्य में होने वाली क्षति को कम करने पर बल दिया गया।

**2. School Level Competition on Safe Construction**

- The SDMA, Himachal Pradesh scheduled a State Level competition on Model Making on Safe Construction. To make the program a success the DDMA, Kangra in coordination with the Education Department organised block level competitions. The top entries of the block level competition participated at the District Level competition and the winner of the District Level Competition were nominated for the State Level Competition.

  The team of District Kangra stood Third at the State Level Competition.

  Some Glimpses if program are as under:-

3. **Mock Drills:** - Mock Drills were organised in all schools and government institutions of the district on 13th & 14th October, 2024. All the schools and departments actively participated in the exercise. The glimpses of the same are as under:-

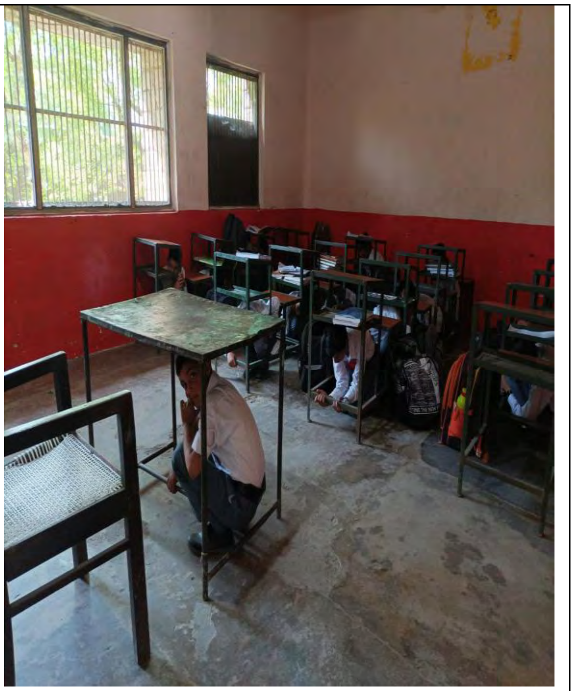

4. Street Plays: - 28 Street plays, 2 in each sub divisions of the district were conducted by DDMA Kangra. The plays were conducted at places ensuring ample gathering. The glimpses of the same are as under:-

5. School level competitions on Poster Making and Slogan Writing:-The DDMA Kangra organised school level competitions on Poster Making and Slogan Writing in the district.

6. Workshop of Inter Agency Group:- 30 colleges and NGO'S working in the district participated in the workshop. Matters related to the maximum

outreach to the community were discussed in the workshop. Glimpses of the same are as under:-

7. Training on School Safety for Disaster Risk Reduction:-5 day training program on School Safety for Disaster Risk Reduction was organised by

DDMA Kangra. Education Department, Colleges, AAPDA Mitra,s participated in the training program. Glimpses of the same are us under:-

| | |
|---|---|
| | |

**International Day on Disaster Risk reduction (IDDRR): Samarth 2024(14th Edition) being prepared by District Disaster Management Authority (DDMA Kinnaur )**

1. **Activities conducted by District Disaster Management Authority (DDMA Kinnaur) :**

## Nukkad Natak for Awareness on Safe Construction Practices

DDMA Kinnaur, in collaboration with the District Public Relations Officer (DPRO), has organized a series of Nukkad Natak (street plays) across all sub-divisions of District Kinnaur. These performances aim to raise awareness within the community about the importance of safe construction practices.

In addition, Gram Panchayats from nearby areas have also been invited to participate in these events to enhance community sensitization. The initiative seeks to engage local residents through an interactive and culturally relevant medium, highlighting the need for safety and quality in construction to reduce risks and ensure long-term resilience.

oppo
Nukkad Naatak
On
OPPO A38

## Mock Drills and Basic Medical Training Organized by DDMA Kinnaur

DDMA Kinnaur, in collaboration with the **Government Degree College Kinnaur**, recently organized a series of **Mock Drills** to simulate various emergency scenarios, including **landslides**, **flash floods**, **earthquakes**, and **fire hazards**. These drills were designed to enhance preparedness and response capabilities among students and college staff.

In addition to the mock drills, **basic medical training** was also provided to both students and college faculty. This comprehensive training aimed to equip participants with essential life-saving skills and first-aid knowledge to respond effectively during emergencies.

# District-Level Quiz, Declamation, and Painting Competitions Organized by DDMA Kinnaur

In a collaborative effort with the **Department of Higher Education**, DDMA Kinnaur recently organized a series of **district-level competitions**, including a **quiz**, **declamation**, and **painting contest**. These events were designed not only to promote creativity and intellectual engagement but also to raise awareness about disaster preparedness and safety in the region.

The **quiz competition** tested students' knowledge on various aspects of disaster management, environmental hazards, and safety protocols, encouraging them to think critically about the challenges posed by natural disasters such as earthquakes, floods, and landslides.

The **declamation competition** provided a platform for students to express their views on the importance of disaster resilience, safe construction practices, and community preparedness. Through speeches, participants showcased their understanding of the urgent need for proactive measures in dealing with natural disasters and their impact on communities.

Additionally, the **painting competition** encouraged students to express their creativity while illustrating the themes of disaster awareness and safety measures. The artwork displayed the students' imaginative responses to the challenges posed by natural hazards and their visions for a safer, more resilient community.

A number of **schools from across the district** actively participated in these competitions, with students showcasing their talents and knowledge. The events provided a valuable opportunity for students, teachers, and the broader community to engage in important discussions on disaster management and safety

Through these activities, DDMA Kinnaur aimed to build a stronger foundation of awareness, preparedness, and resilience among the youth, while fostering a sense of responsibility for the safety and well-being of their communities.

- **EC activities:**Education department was directed toconduct regular awareness campaigns among school children featuring posters, leaflets and interactive displays that educate students on various types of disasters along with safety measures. DDMA Kinnaur has distributed age-appropriate awareness material among education department viz. booklets, manuals, posters etc.

- **Mock Drills:**DDMAKinnaur in coordination with Home Guard 1st BNalong with health department has organized mock drills in Eklavya modelresidential school

The Office of Deputy Commissioner-cum-Chairman
District Disaster Management Authority, Kullu.
Phone No.:-01902-225633, 1077, Email id:-ddma-kul-hp@nic.in

# Report on Activities Conducted by DDMA Kullu during SAMARTH - 2024

In October 2024, the District Disaster Management Authority (DDMA) Kullu undertook a series of activities designed to promote safety awareness. Among the highlights were the Dusshera Exhibition, a collaborative Jhanki focused on safe construction awareness, a Safe Construction Competition, and a Photography Competition. These initiatives aimed to engage the community and educate participants on crucial safety practices.

## 1. Dusshera Exhibition

- **Duration:** October 13-19, 2024
- **Location:**Dusshera Exhibition Ground, Kullu

**Details:**

The Dusshera Exhibition was a vibrant seven-day event that took place in conjunction with the festival. DDMA set up a stall in collaboration with the **State Disaster Response Force (SDRF)** and **AapdaMitra** volunteers. The stall served as an information hub, providing attendees with vital knowledge about disaster management and safety protocols. It not only attracted local residents but also engaged visitors from surrounding areas, fostering a sense of

community around the importance of preparedness.

During this period, the**Hon'ble Governor of Himachal Pradesh** visited the Dusshera exhibition, taking the time to explore the various displays and engage with participants, highlighting his support and interest in Disaster Management

and community involvement.

The **AapdaMitra** played a significant role throughout the Dusshera events, including the exhibition and the nukkadnatak performances. These trained volunteers are specially selected to assist during disasters, providing invaluable support and guidance in times of need. Their involvement not only enhanced the effectiveness of the activities but also fostered a sense of trust and reliability within the community. By sharing their expertise and experiences, AapdaMitra helped educate attendees on preparedness and safety measures, reinforcing the importance of community resilience in the face of potential disasters.

# अंतरराष्ट्रीय दशहरा में आपदा मित्र देंगे सेवाएं

## जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के स्टाल पर पुलिस के साथ स्वयंसेवीं के तौर पर निभाएंगे जिम्मेदारी

स्टाफ रिपोर्टर-भुंतर

आपदाओं के दौरान अपनी सेवाएं देने वाले आपदा मित्र अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव के दौरान सेवाएं देंगे। दशहरा उत्सव के दौरान आपदाओं के खतरों को कम करने की तकनीकें इनसे लोग सीखेंगे। पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर उत्सव के दौरान व्यवस्था बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे। जिला आपदा प्रबंधन ने उन आपदा मित्रों की सूची को फाइनल करना तेज कर दिया है जो उत्सव के दौरान अपनी भूमिका निभाएंगे। दशहरा उत्सव को लेकर अब 12 दिनों का समय बचा है और उत्सव के लिए तैयारियां तेज हो गई हैं। एक ओर जिला प्रशासन व दशहरा उत्सव समिति सभी प्रकार के इंतजामों को पूरा कर रही है। वहीं, जिला के देवी-देवताओं के दरबारों में भी दशहरा कूच करने के लिए प्रबंध करने में कारकून जुटे हैं। उत्सव के दौरान जिन भी एजेंसियों के स्टॉल लगने हैं, उनकी भी तैयारियां तेज हो गई है। हर साल उत्सव के दौरान विभिन्न विभागों की प्रदर्शनियां लगती है। इसमें विभागों द्वारा लोगों के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी लोगों को मिलती है तो साथ ही विभिन्न उत्पादों को भी प्रदर्शित किया जाता है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा उत्सव के दौरान इस बार भी विशेष स्टॉल लगेगा जिसमें एसडीआरएफ के जवान व आपदा मित्र लोगों को दिप्स देते नजर आएंगे तो जिला आपदा के दौरान किए गए सरकार और स्वयंसेवकों के प्रयासों को भी लोग जानेंगे।

### प्रशासन ने मांगी आपदा मित्र की सूची

डीडीएमए के समन्वयक प्रशांत कुमार के अनुसार स्टॉल एसडीआरएफ के सहयोग से लगाया जा रहा है। इसमें एसडीआरएफ की टीम आपदा के दौरान उपयोग होने वाले उपकरणों व तकनीकों का प्रदर्शन करेगा। डीडीएमए द्वारा आपदा के दौरान किए गए प्रयासों को लोगों को बताया जाएगा। साथ ही आपदा मित्र व जिला इंटर एजेंसी समूह के स्वयंसेवकों द्वारा भी इसमे हिस्सेदारी निभाई जाएगी। जिला पुलिस प्रशासन ने भी दशहरा उत्सव के दौरान विभिन्न प्रकार की व्यवस्था बनाने में सहयोग हेतु आपदा मित्रों की सेवाए मांगी हैं। इसके लिए भी सूची मांगी गई है। उनके अनुसार हाल ही में इस बारे में एक वर्चुअल बैठक का भी आयोजन किया था और इसमें भी सभी आपदा मित्रों को इसके बारे में जानकारी दी गई है। उन्होने बताया कि आपदा मित्र विभिन्न गतिविधियों में अपनी भूमिका निभा रहे हैं और दशहरा मे भी इनकी भूमिका अहम रहेगी।

### स्कूलों के मददगार बन रहे आपदा मित्र

आपदा मित्रों की मदद स्कूल सुरक्षा योजना का डाटा स्कूल सेफ्टी ऐप पर अपलोड करने में भी ली जा रही है। इसके बारे में इन्हें प्रशिक्षित किया जा रहा है और विभिन्न स्कूलों में जाकर यह अपनी सेवाओं को दे रहे हैं। बता दें कि आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने सभी स्कूलों को स्कूल की सुरक्षा योजना से सबंधित सभी प्रकार का डाटा ऐप में अपलोड करने को कहा है ताकि आपात स्थिति में स्कूल बचाव बेहतर तरीके से हो सके।

**2. Jhanki on Safe Construction Awareness**

- **Date:** October 19, 2024 (Last Day of Dusshera)
- **Collaborators:** Tata Steel and SDRF

**Details:**

On the final day of Dusshera, DDMA participated in a Jhanki (tableau) aimed at raising awareness about safe construction practices. This event featured contributions from various teams, showcasing the collaborative spirit of the community. The jhanki vividly illustrated the significance of construction safety, particularly in the face of natural disasters. By creatively presenting these messages, the event effectively captured the attention of festival-goers and encouraged discussions about safety in building practices.

**3. NukkadNatak on the theme of Safe Construction**

- **Dates:** Throughout October 2024
- **Locations:** Various places across the district

**Details:**To further emphasize the importance of safe construction, DDMA organized a series of street plays, known as nukkadnatak, which were performed in various locations including Kullu Dusshera, Sainj Bus Stand, Banjar Bus Stand, and several other areas throughout the Kullu district.

These performances featured local artists and community members who creatively conveyed critical messages about the dangers of unsafe building

practices. Each play was carefully crafted to highlight real-life scenarios, demonstrating how negligence in construction can lead to accidents and disasters. The stories presented in these street plays resonated with the audience, making the subject matter relatable and impactful.

The performances were designed not only to entertain but also to educate. Engaging storytelling techniques, humor, and dramatic elements were employed to capture the attention of the audience. Discussions followed each performance, allowing community members to share their thoughts and experiences regarding construction safety.

By performing at popular locations and during community events, such as the Dusshera festival, the nukkadnatak reached a wide audience, fostering an atmosphere of learning and awareness. Participants reported that the plays

***NukkakNatak (Banjar Bus Stand)***

significantly improved their understanding of safe construction practices, encouraging them to prioritize safety in their own building projects. This initiative effectively contributed to the overall goal of promoting safety awareness in the community.

***NukkadNatak (Sainj Bus stand)***

**सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बताए गए भूकंप से बचाव के तरीके**

सैंज, ( आपक फैसला )। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा सैंज में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आपदा वचाव के टिप्स सैंज वासियों को दिए। सैंज में नुक्कड़ नाटक से आपदा प्रबंधन बारे जागरूक आपदा प्राधिकरण द्वारा आजकल आपदा न्यूनीकरण को लेकर गांव-गांव में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जानकारी देकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है । सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा अनुमोदित गीत संगीत कला मंच बंजार ने बस अड्डा सैंज और टैक्सी स्टैंड में अनुष्का कला मंच नगवाई ने नुक्कड़ नाटक व गीत संगीत से लोगों का भरपूर मनोरंजन करते हुए बताएं कि आपदा को रोका तो नहीं जा सकता परंतु उससे होने वाली हानि को कम किया जा सकता है। हमें प्रकृति आपदा भूकंप से बचने के लिए पहले तैयारी करनी चाहिए और बताया कि घर बनाते समय स्थान का चयन भी सोच समझकर करें। नदी नालों के नजदीक घर ना बनाएं और घरों को भूकंप रोधी तकनीक से बनाएं मानव जनित आपदा जैसे आगाजनी और दुर्घटनाओं को भी समझ बुझ से कम किया जा सकता है जिसमें गीत संगीत कला मंच के कलाकार रमेश कुमार बीएस राणा तिल सोनी देवी सिंह देव रीना देवी नरेंद्र मेहता अनीता भारती आदि ने भाग लिया।

**4. Safe Construction Competition**

**Details:**

The Safe Construction Competition invited students from different educational levels, including middle school, high school, senior secondary, and college, to showcase their knowledge of safe construction practices. Each category had first second and third prizes awarded to the top entries, encouraging participants to demonstrate their innovative and sustainable methods. Judging criteria included creativity, feasibility, and adherence to safety standards.

**Outcome:**

The competition attracted strong participation across all categories, with numerous innovative entries. Students expressed newfound insights into the importance of safety in construction, indicating that the competition successfully met its educational objectives and inspired a commitment to

# मॉडल में बजौरा स्कूल रहा प्रथम

## जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने सुरक्षित निर्माण अभ्यास पर करवाई प्रतियोगिता

संवाद न्यूज एजेंसी

कुल्लू। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने जिलास्तर पर सुरक्षित निर्माण अभ्यास मॉडल प्रतियोगिता कुल्लू में करवाई। उपायुक्त तोरुल एस रवीश ने प्रदर्शनी का दौरा किया और सुरक्षित निर्माण प्रथाओं से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण कुल्लू की ओर से करवाई गई मॉडल प्रतियोगिता में खंड स्तर पर प्रथम रहने वालों ने जिला स्तर पर अपने मॉडल प्रदर्शित किए। प्रतियोगिता में वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्तर श्रेणी में राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल बजौरा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। हिमालयन मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल आनी ने द्वितीय स्थान और भारत-भारती सीनियर सेकेंडरी स्कूल कुल्लू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

उच्च विद्यालय स्तर श्रेणी में राजकीय उच्च पाठशाला बदाह ने प्रथम, भारत भारती सीनियर सेकेंडरी स्कूल, कुल्लू ने द्वितीय और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल नगर ने तृतीय स्थान हासिल किया। जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। इस दौरान शैलजा, वर्षा आदि मौजूद रहे।

### राष्ट्रीय कुराश स्पर्धा में भाग लेंगे 13 खिलाड़ी

भुंतर (कुल्लू)। जिला कांगड़ा के नूरपुर में 12वीं राष्ट्रस्तरीय कनिष्ठ वर्ग की कुराश स्पर्धा करवाई जा रही है। इसमें कुल्लू जिले के 13 खिलाड़ी भाग लेंगे। यह स्पर्धा एक से तीन अक्तूबर तक होगी।

खिलाड़ी सोमवार को नूरपुर के लिए रवाना हुए हैं। जिला कुल्लू कुराश संघ के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार ने बताया कि स्पर्धा में कुल्लू से 13 और हिमाचल के कुल 90 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। बजौरा स्कूल से स्नेहा बिष्ट, दीपाली, रीना राणा, आरती, लोकेश, कामद, जीतेंद्र, हरिओम, भुंतर स्कूल से स्नेहा कुमारी, कुल्लू कॉलेज से सोनल, वरुण, एसवीएम स्कूल बजौरा से नवीन, कटराई स्कूल से मानक्षय नेगी और दियार विद्यालय से श्रुति गौतम स्पर्धा में दमखम दिखाएंगे। संवाद

safe building practices.

**5. Photography Competition**

**• Platform: Instagram (Kullu Dusshera Handle)**

**Details:**

The photography competition featured three engaging themes, each designed to capture the essence of Kullu and its surroundings:

1. **Kullu:** Environmental Awareness and Disaster Preparedness.
2. **Dusshera:** Capturing the vibrancy and spirit of the festival.
3. **Scenic Beauty of Kullu:**Showcasing the breathtaking landscapes of the Kullu Valley.
4. **Rich Culture of Kullu:** Highlighting the unique traditions and heritage of the region.

In addition to promoting local culture and traditions, the competition aimed to foster a sense of environmental awareness and disaster preparedness. By highlighting the region's natural beauty, the initiative also raised awareness about the environmental challenges the region faces, including the increasing risks of natural disasters like floods and landslides. The competition encouraged participants to reflect on both the cultural and environmental significance of Kullu, inspiring a deeper connection to the land and a greater sense of responsibility towards its preservation and safety.

**Outcome:**

The competition attracted a diverse range of participants, showcasing the artistic talents of local photographers. Winners were announced on October 30, 2024, and received cash prizes along with recognition on social media, further encouraging community engagement and appreciation for local artistry.

**Conclusion:**

The activities conducted by DDMA Kullu in October 2024 not only focused on promoting safety awareness but also celebrated the vibrant culture and community spirit of the region. Through a combination of exhibitions, performances, and competitions, DDMA successfully engaged residents and encouraged them to think critically about safety in construction practices.

The collaborative efforts during the **"Jhanki"** and the enthusiastic participation in the competitions highlighted the community's commitment to building a safer environment. Participants, especially the youth, gained valuable insights into the importance of safe construction, which will resonate in their future endeavors as builders and citizens.

As we move forward, the impact of these initiatives will likely extend beyond October, encouraging ongoing conversations about safety and community involvement. The successful integration of education and culture through these activities serves as a powerful reminder of the role that collective action plays in fostering a safe and vibrant community.

**Report on Activities Conducted by Rural Development &Panchayati Raj Department**

*Subject: Awareness Programs on Safe Construction Practices*

**Introduction:**

The Rural Development and Panchayati Raj Department conducted a series of

awareness programs across various Gram Panchayats (GP) in the Kullu district during the Gram Sabha's on 02nd October 2024, focusing on safe construction practices. These programs aimed to educate and empower local communities on the importance of building structures that are resilient to natural disasters and are constructed using safe, sustainable methods.

**Objective:**

The primary goal of these awareness programs was to ensure that local communities are equipped with knowledge about safe construction techniques, which are crucial for minimizing the risks associated with natural disasters, such as landslides, floods, and earthquakes, that are common in hilly regions like Kullu. Additionally, the programs aimed to promote the use of locally available materials and eco-friendly construction practices.

**Gram Panchayats in Kullu District Where Awareness Programs on Safe Construction Were Conducted**

1. **GP Pangan, Development Block Naggar**

2. **GP Jaban, Development Block Anni**

3. **GP Manikaran, Development Block Bhunter**

4. **GP Badidhar, Development Block Banjar**

**Outcomes and Impact:**

- **Increased Awareness**: The programs successfully raised awareness about the importance of safe construction practices. Many participants expressed a newfound understanding of how vulnerable their homes were to natural disasters and were eager to adopt safer building methods.
- **Community Engagement**: Local residents actively participated in discussions and demonstrated a high level of interest in adopting safe construction practices. Many attendees pledged to implement the techniques learned in their upcoming construction projects.

**Fire Safety Mock Drills Conducted by Fire Department Kullu:**

1. **Date: 4th October 2024 - GSSS Jaree, Kullu**

The fire department conducted a mock drill to raise awareness about fire safety and mitigation strategies. Students and teachers were provided with crucial information on how to respond during a fire emergency, including evacuation procedures, safe assembly points, and the use of fire extinguishers. This initiative aimed at enhancing the safety preparedness of the school community.

**Date: 10thOctober 2024 - Dusshera Ground, Dhalpur Kullu**

**Participants**: 500 people

- **Objective**: A large-scale fire safety training session was held at Dusshera Ground, where approximately 500 local residents received essential fire safety awareness. The focus was on educating the public about fire prevention techniques, emergency protocols, and proper evacuation measures in public spaces. The drill

also emphasized community cooperation during fire emergencies.

**Mock Drill at Kullu-Manali Airport, Bhunter, Kullu**

**Date: 24th October 2024**

- **Participants**: 100 male and 60 female individuals
- **Objective**: A specialized fire safety training session was conducted at the Bhunter Airport, with approx. 160 participants (100 male and 60 female). The training provided in-depth knowledge about fire safety in an aviation environment, including how to handle emergencies on the runway and within the terminal. Participants were also educated on fire prevention equipment, emergency exits, and crowd control during an evacuation.

24-Oct-2024 12:48 pm

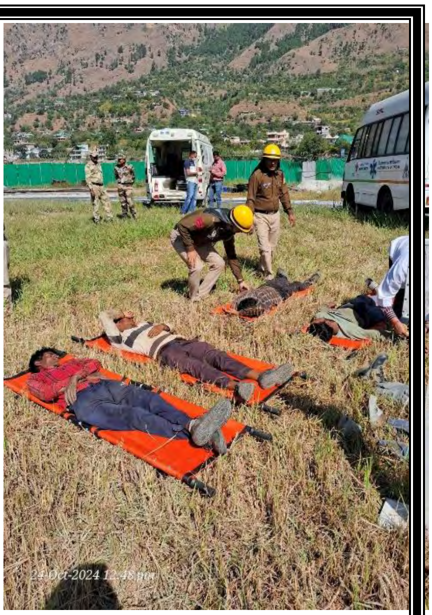
24-Oct-2024 12:48 pm

24-Oct-2024 12:48 pm
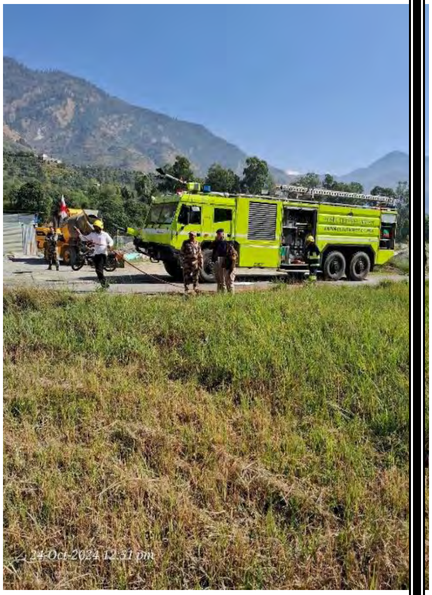
24-Oct-2024 12:51 pm

# REPORT ON CELEBRATION OF "SAMARTH 2024" STATE LEVEL AWARENESS AND CAPACITY BUILDING CAMPAIGN ON DISASTER RISK

**DDMA LAHAUL & SPITI**
deoclahaulspiti@gmail.com

- ❖ **SAMARTH**

As a symbol of solidarity with the global efforts to observe the celebration related to the International Day for Disaster Reduction, the District Disaster Management Authority organises an annual mass awareness campaign on disaster risk reduction "SAMARTH" to promote a global culture of disaster reduction, including disaster prevention, mitigation and preparedness. This campaign is carried out at the district and community level. A variety of events and activities were organised from 03rd October to 25th October 2024.

During this period, the DDMA launched an awareness drive using print media, electronic media, social media and alternative media like Nukkad nataks. Moreover, Awareness rally and Mini marathons and sensitisation workshops on subjects like Safe construction, child protection and child rights, School Safety and Hospital safety were also organised in the district. In order to achieve the objectives of SAMARTH-2024, the District Disaster Management Authority tried to involve all Government Departments, Media houses, Educational institutions, NGOs and CBOs to participate pro-actively in the campaign and contribute effectively to the process of making Lahaul and Spiti a district resilient to disasters.

**Objective:**

- ❖ **Activities of SAMARTH 2024**

**1. Activities at Gram Sabha/Gram Panchayat level:**

On 11thOctober 2024 ameeting at Gram Sabha/Gram Panchayat level was conducted with the help of DDMA, DRDA, DPO and BDO in all the panchayats of district Lahaul and Spiti. This meeting was attended by the panchayat members, local residents as well as the local level functionaries of the line departments. The main objective of the meeting was to promote dialogue on local concerns related to disaster Management with the main focus on Safe construction practices. In the meeting the Panchayat secretaries along with the line staff discussed the following points:

a) The vulnerability profile of the respected District and panchayats, their impact and measures and strategies to manage Disaster situations.
b) The responsibilities of the panchayats as per the guidelines of Section 41 of Disaster Management Act 2005.

c) The houses should be constructed keeping in mind the safety parameters for its residents.
d) The people should construct their houses following the BIS Building Codes.
e) The construction workers should be trained in safe construction practices.
f) Advocacy of Earthquake resistant construction.
g) Traditional construction practices and knowledge should be encouraged.
h) MANREGA and other funds provided to the panchayats should be utilized to mitigate the potential hazards and disasters like landslides, avalanches, fire, earthquake etc.
i) Training of local population to cope with natural disasters.

Glimpses of panchayat meetings held in different Panchyats in the district-

**2. Nukkad Natak:**

DDMA in coordination with Information and Public Relation Department conducted Nukkad nataks at various locations within the district. The Nukkad nataks were performed by the group members of Mannat Kala Manch, Kullu from 03rdOctober to 05th October 2024 at the following locations.

a) **Village Lossar,Hansa,Hull**:

On 03rd October 2024 11:00 AM Nukkad natak was conducted at Village Lossar, Hansa School and Hullaround 40-50 Students, local residents and representativeswere also present.

b) **Jawahar Navodya Vidyalya School Lari,Tabo, Poh & Shichiling**

On 04th October 2024 11:00 AM Nukkad Natak was organised in the Jawahar Navodya Vidyalya School Lari, Village Tabo, Poh & Shichiling Viillgearound100 Students, local residents and representativeswere also present.

c) **Village Kaza, Kibber and Rangrik**

On 05th October 2024 11AM: The Nukkad Natak was organised at the different Schools where around 60 Students, local residents and representatives were also present.

**3. One-day Awareness Workshop on Safe Construction Practice on dated 11-10-2024 at DC Conference hall Keylong and ADC Office Kaza.**

This year’s Samarth-2024 theme focuses on "Safe Construction Practices" in the State. The District Disaster Management Authority Lahaul and Spiti tried to assess the practices followed in the vulnerable areas of the district while constructing houses or any type of buildings so as to avoid damage at the time of a disaster. Through the different activities and workshops, the DDMA L&S promoted the Safer building procedures to minimize the vulnerabilities and risks in many areas.

In this regard, One-Day Awareness Workshop on “Safe Construction Practices”, was conducted on 11th October 2024 at DC Office Conference Hall at Keylong and Additional Deputy Commissioner office Kaza (Connected through VC). It was chaired by the Deputy Commisioner Lahaul and Spiti and opening speech was presented the Guest of Honour Sh. DC Rana, Special Secretary Revenue –DM to the Government of H.P. Dr. Hemant Kumar Vinayak, Associate Professor, Civil Engineering Department, NIT Hamirpur having great contributions on the subject, with reference to the field of Disaster Management was great resource for the conduct of One day Awareness Workshop on Safe Construction Practices. All the Executive Engineers. SDOs, JE and Technical rank officials from various Departments attended the Awareness Workshop.

Attendance Sheet of One-day Awareness Workshop on Safe Construction Practice on dated 11-10-2024 at DC Conference hall Keylong.

Regarding conducted on workshop on safe construction practices. on date 11/10/2024

| Sr.No | Name | Designation | Dept. | Contact No | Sig. |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Er. Sanju Bodh | AE JSV Keylong | JSV Keylong | 8917832499 | |
| 2 | Durga Singh | A.E. | PWD Keylong | 9459325803 | |
| 3 | Rajesh Kumar | AE | PWD Keylong | 8628040436 | |
| 4 | Tashi Paljor | JE | PWD Keylong | 6280389830 | |
| 5. | Anju Devi | AE | JSV Keylong | 9882733424 | |
| 6. | VIJAY KUMAR | Tech. Asstt. | BDO Keylong | 9459992819 | |
| 7. | Dheeraj Singh | Tech. Astt | BDO Keylong | 9459959861 | |
| 8 | Raj Kumar | Tech Astt | BDO Keylong | 9418845374 | |
| 9. | Bimla Devi | Tech. Astt | B.D.O Keylong | 7650835366 | |
| 10. | Surender Thakur | JE | BDO Keylong | 8219031900 | |
| 11 | Kuldeep | TA | BDO Keylong | 9459013820 | |
| 12 | Sudarshan | JE | BDO Keylong | 85808-20946 | |
| 13 | Akshay Prangha | AE | HPPWD Udaipur | 9817149776 | |
| 14 | Vivek Kumar | JE (Mech) | HPPWD Kargu | 7807884151 | |
| 15 | Rajinder Thakur | JE JSV | JSV Udaipur | 9015158971 | |
| 16 | Kalzang C. | DOC | DDMA | 9418426004 | |
| 17 | Prakash Chand | Supervisor | DEOC | 9418844586 | |
| 18 | Urmila Devi | DEO | DEOC | 9459784[illegible]56 | |
| 19 | | | | | |

4. **One-day Awareness Workshop on Child Protection & Child Rights in Disasters. on dated 22-10-2024 at DC office Conference Hall Keylong.**

DDMA Lahaul & Spiti conducted a One Day Awareness Workshop on **Child Protection and Child Rights**, on 7th October 2024 at DC Conference hall at Keylong under the Chairmanship of Sh. Rahul Kumar, Deputy Commissioner Lahaul and Spiti District.Sh Naveen Shukla, Assistant Manager, Bal Raksha Bharat was invited as resource person for the conduct of the Workshop.

All the field functionaries and the subject matter specialists from the Health, BDOs and CDPOs department attended the Awareness Workshop

Regarding Workshop on Child Protection & Child Rights in Disasters on dated 22-10-2024

| S. No. | Name | Designation | Deptt | Contact No. | Signature |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Dr. [illegible] | DCPO | WCD | 93177-17131 | [illegible] |
| 2 | Khurkinda | CDPO | W.D | 7816710919 | [illegible] |
| 3. | Nivedita [illegible] | Manager | BRB | 9102996384 | [illegible] |
| 4 | M.T. BAIGA | Manager | BRB | 7060026320 | [illegible] |
| 5 | Sunil Kumar | [illegible] | BRB | 8219020466 | [illegible] |
| 6 | Minakshi Kumari | L.P.O. | DCPU | 8988229954 | [illegible] |
| 7 | Nayan Kumari | Supervisor | CHL | 8580553434 | [illegible] |
| 8 | [illegible] | Councler | CHL | 8091738360 | [illegible] |
| 9 | Lotam Ram | Leading firem. | fire Service | 94186-95780 | [illegible] |
| 10. | Divya Sood | Block Coordinator POSHAN | % CDPO | 86280-70459 | [illegible] |
| 11. | ARCHANA | Gender Specialist. | % CDPO | 8219237322 | [illegible] |
| 12 | Shakuntla | | A.W.W. | 7876428318 | Shakuntla |
| 13 | Shakuntla Devi | A.W.W. | A.W.W. [illegible] | 7876591380 | [illegible] |
| 14. | Pawan Kumar | PO NIC | DCPU | 70181-84081 | [illegible] |
| 15 | Kishan Lal | Accountant | DCPU | 7876772334 | [illegible] |
| 16. | Deepak [illegible] | Coordinator | CHL | 8091561563 | [illegible] |
| 17 | Sanjay Kumar | APO I/S | WCD | 7018303782 | [illegible] |
| 18 | Dr. Rajkumar | DPO | Health | 8910544990 | [illegible] |
| 19. | Dr. M.K. Gandhi | D.P.O. | Health | 9882142859 | [illegible] |
| 20 | Dr. [illegible] | CMO | Health | 9418183657 | [illegible] |
| 21 | MEENA DEVI | A.W.W | Bargul | 94599-91381 | Meena |
| 22 | Rinchen [illegible] | A.W.W | Kardang | 7876461165 | [illegible] |
| 23 | Anita | A.W.W. | Upper Keylong | 9418318797 | [illegible] |
| 24. | Dechen [illegible] | A.W.W | L. Keylong | 7876476849 | [illegible] |

Attendance sheet of One-day Awareness Workshop on Child Protection & Child Rights in Disasters. on dated 22-10-2024 at DC office Conference Hall Keylong.

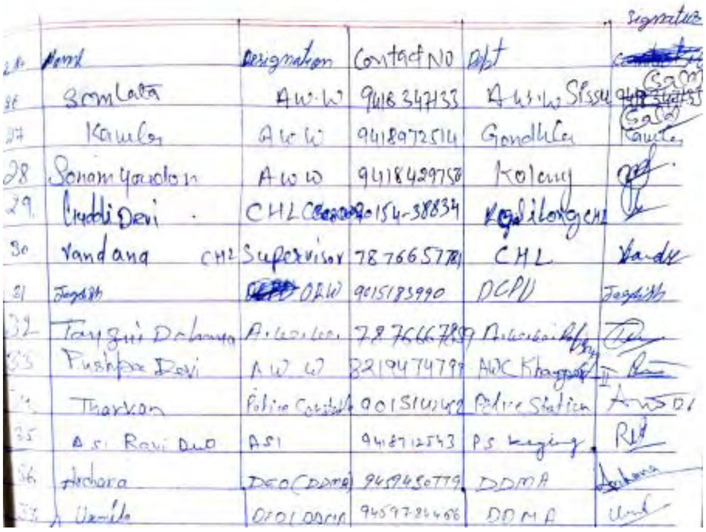

| Sr. | Name | Designation | Contact No | Deptt | Signature |
|---|---|---|---|---|---|
| 26 | Somlata | AWW | 9418347133 | AWW Sissu | [illegible] |
| 27 | Kamla | AWW | 9418972514 | Gondhla | Kamla |
| 28 | Sonam Yangdon | AWW | 9418429758 | Kolang | [illegible] |
| 29 | Chuddi Devi | CHL | 90154-38834 | Kyelong CHL | [illegible] |
| 30 | Vandana | CHL Supervisor | 787665770 | CHL | Vandana |
| 31 | Jagdish | ORW | 9015183990 | DCPU | Jagdish |
| 32 | Tanzin Dolma | Anganwadi | [illegible] | Anganwadi | [illegible] |
| 33 | Pushpa Devi | AWW | 8219474799 | AWC Khangsar II | [illegible] |
| 34 | Tharkon | Police Constable | [illegible] | Police Station | [illegible] |
| 35 | ASI Ravi Dutt | ASI | 9418712543 | PS Keylong | [illegible] |
| 36 | Archana | DEO (DDMA) | 9459450779 | DDMA | [illegible] |
| 37 | Urmila | [illegible] DDMA | [illegible] | DDMA | [illegible] |

5. **One-day Awareness Workshop onHospital Safety. on dated 23-10-2024 at RH Keylong.**

Hospitals are critical infrastructure that have a very important role in any post-disaster scenario and have to remain fully functional after a catastrophic event. For this, it is not enough that the hospital building is strong enough to withstand the effects of an earthquake, but all the critical equipment and services in the building have also to remain secure and running to operate at over 300% of its design capacity to serve the dependent community after any disaster like earthquake, flood, major fire, landslides, terror attacks, etc. There is a need of higher level of preparedness to manage the incoming patients and provide them with life-saving care.

In this regard, to generate awareness amongst the various Officials/Officers of the Department of Health, District Disaster Management Authority (DDMA) Lahaul & Spiti conducted a One Day Awareness Workshop on **Hospital Safety** ***"Safe Hospitals in Emergencies and Disasters"*** on 24th October 2024 at Regional Hospital, Keylong, Lahaul and Spiti.

Sh Naveen Shukla, Assistant Manager, Bal Raksha Bharat was invited as resource person for the conduct of the Workshop. All the Administrative staff, Doctors, Paramedic, Nursing and other Technical Staff of regional and civil

hospital in Subdivision Lahaul attended the Workshop.

**Attendance sheet of One-day Awareness Workshop on Hospital Safety. on dated 23-10-2024 at RH Keylong.**

Regarding Workshop on Hospital Safety " Safe Hospitals in Emergencies and Disasters". on dated 23-10-2024

| Sr. No. | Name | Designation | Dept. | Contact No. | Signature |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Dr. Geeta Gupta | Distt Consultant | NHM | 9816042754 | [illegible] |
| 2. | Dr. Vijeta | MO Dental | Dental | 8988183473 | [illegible] |
| 3. | Palzin Dolma | Ward Sister | OPD | 9418270165 | [illegible] |
| 4 | Chhering Dolma | Staff Nurse | IPD | 9876286465 | [illegible] |
| 5 | Kriti Thakur | Staff Nurse | IPD | 7018112785 | [illegible] |
| 6. | Anita Boch | Staff Nurse | IPD | 9459974933 | [illegible] |
| 7 | Dr Ram Singh | MO PHC Gondhala | Health | 9459279628 | [illegible] |
| 8. | Dr. Tarun Sharma | MO USG RH Keylong | Health | 8629004876 | [illegible] |
| 9 | Dr. Vikas Verma | MO PHC Kwaring | Health | 7018356269 / 9535108069 | [illegible] |
| 10. | Dr. Shweta Chauhan | MO RH Keylong | Health | 7807262067 | [illegible] |
| 11 | Geeta Devi | DEO RH Keylong | NHM | 9459875194 | [illegible] |
| 12 | Poonam | DEO RH Keylong | NHM | 9459248505 | [illegible] |
| 13. | Deena Devi | DEO IDSP | Health | 8580445885 | [illegible] |
| 14 | Richchin | D.M (Dental) | Dental health | 9418977114 | [illegible] |
| 15 | Sola Ram | MHS RH Keylong | Health/MCH | 9459783924 | [illegible] |
| 16 | Dr. TUSHAR | M.O Surgery Keylong | Health | 8894844191 | [illegible] |
| 17 | Dr Ajay Thakur | MO Orthopedics | Health | 9459664393 | [illegible] |
| 18 | Dr. Mohan | MO I/C CHC Shansha | Health | 8351966658 | [illegible] |
| 19 | Dr. Kunal | MO I/C PHC Tholang | Health | 9459179175 | [illegible] |
| 20 | Dr Nirbhay | MO CHC Shansha | Health | 9418516290 | [illegible] |
| 21. | Harish Kumar | Distt. Acctt. | Health | 9418912044 | [illegible] |
| 22. | Rajesh Singh | Computer Asst. | Health | 9459305259 | [illegible] |

| Sr. No. | Name | Designation | Dept. | Contact No. | Sign. |
|---|---|---|---|---|---|
| 23 | Rajesh Bhardwaj | DPA | Health | 9316421339 | [illegible] |
| 24 | Dr Aman | MO | Health | 7807262067 | [illegible] |
| 25 | Amit Kumar | C.P.O | Health | 9816960691 | [illegible] |
| 26 | Natish Kumar | Accountant | Health | 8628813453 | [illegible] |
| 27 | Jeevan Ram | STI Counsellor | Health | 94598-39181 | [illegible] |
| 28 | Ramkrishan | D.E.O. | Health | 94181-67159 | [illegible] |

## 6. Mini Marathon:

A half Marathon was organised by the DDMA on 24thOctober 2024 at 07:00AM at District Head quarter Keylong. The Deputy Commissioner Keylong was the Chief guests for the marathon. The marathon was organised from police Ground Keylong to Commander Nullah and back to the Police Ground. The police Department provided the necessary help for management of the traffic on the route and Medical services (Doctor and Ambulance) were provided by the Health Department. The Staff members of DDMA and DEOC actively participated in organising the event.

Three categories were created for the marathon

a) Girls school students.

b) Boys School Students.

c) Open category for all other participants.

A total of 20 girls and 30 Boys are participated in the first category, 30 Open category for all other participants in the third category, participated in the event. The marathon was flagged off by the Deputy Commissioner Keylong.

7. **Awareness and Harmony Walk at Lahaul Division, Sub Division Kaza and Udaipur Sub Division on Dated 25-10-2024.**

Awareness and Harmony Walk were conducted on 25th October 2024 at Keylong, Udaipur and Kaza at 11 AM. At Keylong. Sh. Sankalp Gautam, Assistant commissioner to Deputy Commissioner flagged off the walk.

All the students from all the schools along with responsible teachers participated in this activity. Caps and awareness generation banners and pamphlets were provided by the DDMA.

SAMARTH-2024
(24 x7) Emergency Helpline Nos. 1077, 94594-61355, 01900-202509, 510, 517

SAMARTH-2024

राजकीय केन्द्र प्राथमिक पाठशाला

## ❖ Distribution of IEC materials- Samples

❖ **Prize Distribution by AC to DC Sir: -**

The Prize Distribution Ceremony was organised in DC Office Ground Keylong. Chief guest, AC to DC Keylong awarded the winners of Mini marathon. Five prizes (FIRST, SECOND and THIRD) were given in the three categories. A first prize of Rs. 3,000/-, Second Prize of Rs. 2,000/- and a Third Prize of Rs. 1,000/- were distributed to the winners of the Marathon.

The following were the winners of the marathon in each category.

| Sr. No. | Age Group | Position | Name | Gender | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | 4-7 | 1st | Nevidita | F | |
| 2. | 8-14 (Boys) | 1st | Pramod | M | |
| 3. | | 2nd | Nawang | M | |
| 4. | | 3rd | Lakshay | M | |
| 5. | 8-14 (Girls) | 1st | Palvi Thakur | F | |
| 6. | | 2nd | Anvesha Sharma | F | |
| 7. | | 3rd | Anushka | F | |
| 8. | 15-18 | 1st | Sumit Kumar | M | |
| 9. | | 2nd | Mikul Anand | M | |
| 10. | 18 Above | 1st | Tashi Lama | M | |
| 11. | | 2nd | Shiv Kumar | M | |
| 12. | | 3rd | Ashwin | M | |

.

8. **School safety programme at MINI DIET Kaza, Spiti Subdivision: -**

The office of Assistant Project Coordinator, Samgra Shiksha Abhiyan Kaza Organised a school safety programme to elementary teachers in Kaza Block.

The DDMA Lahaul and Spiti has deputed a team consisting of three members from Fire Department Keylong as resource persons for 4-day workshop on school safety programme to elementary teachers at Block Level **w.e.f 13-11-2024 to 14.11.2024 at MINI DIET Kaza**.

9. **Nukkad Natak at Sissu and Keylong: -**

The DDMA Lahaul and Spiti has planned Nukkad nataks to be performed by the Mannat Kala Manch, Kullu at Sissu Village And Keylong on ‘Safe construction Practices’ on dated 15.11.2024 and 16.11.2024 as part of Samarth 2024.

News paper Cuttings:-

# काजा में समर्थ-2024 अभियान के तहत सुरक्षित निर्माण प्रथाओं पर कार्यशाला आयोजित : डीसी राणा

**केलांग, (आपका फैसला)।** जनजातीय जिला लाहौल स्पीति के उपमंडल स्पीति के मुख्यालय काजा में शुक्रवार को सुरक्षित निर्माण प्रथाओं पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला की अध्यक्षता, विशेष सचिव राजस्व-आपदा प्रबंधन डी.सी.राणा ने की। उपायुक्त लाहौल स्पीति राहुल कुमार केलांग मुख्यालय से राष्ट्रीय सूचना विज्ञान कक्ष से वर्चुअल माध्यम से जुड़े रहे। स्पीति के अतिरिक्त उपायुक्त राहुल जैन ने जागरूकता कार्यशाला का संचालन किया। विशेष सचिव राजस्व-आपदा प्रबंधन डी.सी.राणा ने कहा कि कार्यशाला का आयोजन जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) द्वारा आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर वार्षिक जन जागरूकता अभियान के हिस्से के रूप में किया गया । प्रदेश में समर्थ अभियान को 2011 में हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा शुरू किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश में कार्यशालाओं का आयोजन राज्य के आपदा-संभावित क्षेत्रों में सुरक्षित निर्माण प्रथाओं को बढ़ावा देने पर केंद्रित हैऔर मुख्य उद्देश्य निर्माण तकनीकों पर हितधारकों को शिक्षित कर कमजोरियों व आपदाओं के दौरान क्षति को कम करना है। कार्यशाला सत्र में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हेमंत कुमार विनायक ने जिला के विभिन्न विभागों,लोक निर्माण विभाग , जल शक्ति और बीडीओ कार्यालयों के कार्यकारी व कनिष्ठ अभियंताओं और तकनीकी रैंक के अधिकारियों को तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी।कार्यशाला सुरक्षित निर्माण प्रथाओं के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने और क्षेत्र में आपदा लचीलेपन की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए एक मूल्यवान मंच रही।

# बाल अधिकारों पर कार्यशाला लगाई

केलांग, 22 अक्तूबर (ब्यूरो): जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति के मुख्यालय केलांग में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, लाहौल-स्पीति की ओर से बाल सुरक्षा भारत के तकनीकी सहयोग से आपदाओं और आपात स्थितियों में बाल संरक्षण और बाल अधिकारों पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता डी.सी. एवं अध्यक्ष जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण लाहौल-स्पीति राहुल कुमार ने की।

डी.सी. राहुल कुमार ने कहा कि आपदाओं और आपात स्थितियों में बाल संरक्षण और बाल अधिकारों पर एक प्रभावी निगरानी तंत्र की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बाल्यावस्था को प्रभावित करने वाले कारण जैसे हिंसा, घरेलू हिंसा, बाल तस्करी, बाल श्रम, प्रताड़ना तथा शोषण आदि मामलों पर अंकुश लगाने के लिए कार्यशालाएं एवं जागरूकता शिविर ही सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि बाल तस्करी करने तथा बच्चों में मादक पदार्थों के सेवन की रोकथाम के लिए हम सभी का सामूहिक दायित्व है।

कार्यशाला में बाल सुरक्षा भारत के संसाधन व्यक्तियों निवेदिता सिंह, मिर्जा तौसीफ बेग, सुनील कुमार ने आपदाओं और आपात स्थितियों में बाल संरक्षण और बाल जिला जिला बाल संरक्षण अधिकारी डा. हीरानंद, बाल विकास परियोजना अधिकारी खुशविन्द्र ठाकुर और स्वास्थ्य, पुलिस और अग्निशमन सेवा के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी भाग लिया।

**आयोजन** केलांग में आपदा-आपात हालात में बाल संरक्षण और बाल अधिकारों पर सजी कार्यशाला, उपायुक्त राहुल कुमार ने की अध्यक्षता

# बाल तस्करी रोकना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी

**जिला संवाददाता-केलांग**

जनजातीय जिला लाहुल-स्पीति के मुख्यालय केलांग में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से बाल सुरक्षा भारत के तकनीकी सहयोग से आपदाओं और आपात स्थितियों में बाल संरक्षण और बाल अधिकारों पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता उपायुक्त एवं अध्यक्ष जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण लाहुल-स्पीति राहुल कुमार ने की। उपायुक्त राहुल कुमार ने कहा कि आपदाओं और आपात स्थितियों में बाल संरक्षण और बाल अधिकारों पर एक प्रभावी निगरानी तंत्र की जरूरत है। बाल्यावस्था को प्रभावित करने वाले कारण जैसे हिंसा, घरेलू हिंसा, बाल तस्करी, बाल श्रम, प्रताड़ना और शोषण आदि मामलों पर अंकुश लगाने के लिए कार्यशालाएं एवं जागरूकता शिविर ही सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि बाल तस्करी करने और बच्चों में मादक पदार्थों के सेवन की रोकथाम के लिए हम सभी का सामूहिक दायित्व है। कार्यशाला में बाल सुरक्षा भारत (बीआरबी) संसाधन व्यक्तियों निवेदिता सि मिर्जा तौसीफबेग, सुनील कुमा आपदाओं और आपात स्थितियो बाल संरक्षण और बाल अधिक से संबंधित विभिन्न विषयों विस्तार से अवगत करवा कार्यशाला में सहायक आयु

# आपदा में और बढ़ जाती है चिकित्सा अधिकारियों की जिम्मेदारी : उपायुक्त

केलांग (लाहौल-स्पीति)। जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति के क्षेत्रीय अस्पताल केलांग में बुधवार को जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और समर्थ संस्था द्वारा 'आपदाओं व आपातकाल में सुरक्षित अस्पताल' विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला की अध्यक्षता उपायुक्त एवं अध्यक्ष जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण लाहौल-स्पीति राहुल कुमार ने की।

उन्होंने कहा कि आपदा के समय चिकित्सा अधिकारियों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है, क्योंकि प्रभावित लोगों की संख्या अधिक होती है और सभी को शीघ्र प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता होती है। उन्होंने बताया कि लाहौल-स्पीति का पूरा क्षेत्र सिस्मिक जोन पांच में आता है, जो उच्चतम आपदा संभावित क्षेत्र है। आपदा के दौरान सड़क नेटवर्क क्षतिग्रस्त होने से जिला का अन्य क्षेत्रों से संपर्क कट सकता है, जिससे पूरा जिला क्षेत्रीय अस्पताल केलांग पर निर्भर हो सकता है। ऐसी स्थितियों से निपटने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) बनानी और उस पर सामूहिक रूप से अमल करना आवश्यक है।

इस कार्यशाला में बाल सुरक्षा भारत (बीआरबी) से निवेदिता सिंह, मिर्जा तौसीफ बेग और सुनील कुमार ने आपातकालीन स्थितियों में चिकित्सकों द्वारा बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के तरीकों पर जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रोशन लाल, अस्पताल के चिकित्सक और अन्य पैरामेडिकल स्टाफ उपस्थित रहे। साभार

# आपदा में ...
# अधिकारी

जिला संवाददाता-केलांग

जनजातीय जिला लाहुल-स्पीति के क्षेत्रिय अस्पताल केलांग में बुधवार को जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और समर्थ संस्था के संयुक्त तत्वावधान में आपदाओं व आपातकाल में सुरक्षित अस्पताल विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता उपायुक्त एवं अध्यक्ष जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण लाहुल-स्पीति राहुल कुमार ने की। उन्होंने कहा कि आपदा के समय चिकित्सा अधिकारियों की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है क्योंकि उस समय आपदा प्रभावित लोगों की संख्या अधिक होती है और सभी को जल्द से जल्द प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि जिला लाहुल-स्पीति का संपूर्ण भूभाग आपदा के बारे में सबसे अधिक स्तर की संभावना वाला क्षेत्र है और पूरा जिला सिस्मेकिक जोन पांच में आता है। उन्होंने कहा कि आपदा के समय ऐसा हो सकता है कि आपदा में सड़क नेटवर्क क्षतिग्रस्त होने से जिला का संपर्क अन्य क्षेत्रों से कट सकता है और चिकित्सा के लिए जिला की पूर्ण आबादी क्षेत्रीय अस्पताल केलांग पर निर्भर हो सकती है। ऐसी परिस्थिति से निपटने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया बनाया जाना चाहिए और उस अमल करते हुए सभी को सामूहिक रूप से कार्य करना चाहिए। इस संदर्भ में नियमित रूप से मॉक ड्रिल करने की आवश्यकता पर भीउन्होंने बल दिया। कार्यशाला में बाल सुरक्षा भारत (बीआरबी) के संसाधन व्यक्तियों निवेदिता सिंह, मिर्जा तौसीफ बेग, सुनील कुमार ने आपदाओं और आपात स्थितियों में चिकित्सकों द्वारा आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए किए जाने वाले सभी प्रबंधों व तैयारियां बारे विस्तार पूर्वक प्रैजेंटेशन के माध्यम से जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधि
डाक्टर रोशन लाल व
अस्पताल के चिकित्सकों
स्टाफ नर्सिस सहित अस्पता
अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

# उपायुक्त की अध्यक्षता में केलांग में आपदाओं व आपातकाल में सुरक्षित अस्पताल विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

केलांग, (आपका फैसला)। जनजातीय जिला लाहौल स्पीति के क्षेत्रिय अस्पताल केलांग में बुधवार को जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और समर्थ संस्था के संयुक्त तत्वावधान में आपदाओं व आपातकाल में सुरक्षित अस्पताल विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता उपायुक्त एवं अध्यक्ष जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण लाहौल स्पीति राहुल कुमार ने की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आपदा के समय चिकित्सा अधिकारियों की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है क्योंकि उस समय आपदा प्रभावित लोगों की संख्या अधिक होती है और सभी को जल्द से जल्द प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि जिला लाहौल स्पीति का सम्पूर्ण भूभाग आपदा के बारे में सबसे अधिक स्तर की सम्भावना वाला क्षेत्र है और पूरा जिला सिस्मेकिक जोन पांच में आता है। उन्होंने कहा कि आपदा के समय ऐसा हो सकता है की आपदा में सड़क नेटवर्क क्षतिग्रस्त होने से जिला का सम्पर्क अन्य क्षेत्रों से कट सकता है और चिकित्सा के लिए जिला की पूर्ण आबादी क्षेत्रीय अस्पताल केलांग पर निर्भर हो सकती है ऐसी परिस्थिति से निपटने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया बनाया जाना चाहिए और उस अमल करते हुए सभी को सामूहिक रूप से कार्य करना चाहिए। इस संदर्भ में नियमित रूप से मॉक ड्रिल करने की आवश्यकता पर भीउन्होंने बल दिया। कार्यशाला में बाल सुरक्षा भारत (बीआरबी) के संसाधन व्यक्तियों सुश्री निवेदिता सिंह, श्री मिर्जा तौसीफ बेग, श्री सुनील कुमार ने आपदाओं और आपात स्थितियों में चिकित्सकों द्वारा आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए किए जाने वाले सभी प्रबंधों व तैयारियां बारे विस्तार पूर्वक प्रैजेन्टेशन के माध्यम से जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ रोशन लाल व क्षेत्रीय अस्पताल के चिकित्सकों, स्टाफ नर्सिस सहित अस्पताल के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

## द हंस फाउडेशन द्वारा विशेष जागरूकता शिविर आयोजित

डोभी पुल, (आपका फैसला)। हंस फाउंडेशन मग्गर की टीम द्वारा विभिन्न गांवों में विशेष शिविर आयोजित किए गए. इस दौरान 96 गांवों में हाइपरटेंशन के विषय पर जानकारी साझा की गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण समुदाय में उच्च रक्तचाप के प्रति जागरूकता बढ़ाना और इसके स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में समझाना था। विभिन्न टीम के चिकित्सा अधिकारीयों द्वारा हाइपरटेंशन की पहचान, रोकथाम और प्रबंधन पर चर्चा की गई। सत्र में भाग लेने वाले लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नियमित जांच कराने और संतुलित आहार के महत्व के बारे में बताया गया। हंस फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने कहा, "हमारा उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य संबंधी जानकारी का विस्तार करना है ताकि लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें और आवश्यक कदम उठा सकें हाइपरटेंशन, या उच्च रक्तचाप, एक सामान्य स्वास्थ्य समस्या है जो अक्सर गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं का कारण बन सकती है। इसके लक्षण अक्सर स्पष्ट नहीं होते हैं इसके अलावा चिकित्सा अधिकारी ने हाइपरटेंशन के कारण के बारे में भी लोगों को विस्तार से बताया जिसमें आहार में अधिक नमक, वसा, और प्रोसेस्ड फूड्स का सेवन। व्यायाम की कमी शारीरिक गतिविधियों का अभाव, तनाव, लगातार मानसिक दबाव,धूम्रपान और शराब का अत्यधिक सेवन इसका प्रमुख कारण है। हाइपरटेंशन के सामान्य लक्षणों में सिरदर्द, चक्कर आना, और सांस लेने में कठिनाई शामिल हो सकते हैं, लेकिन कई बार कोई लक्षण नहीं होते। इससे बचाव के उपायों के बारे में लोगों को बताया गया कि अपनी दिन चर्या में स्वस्थ आहार, फल, सब्जियाँ, और साबुत अनाज शामिल करें।अंत में उन्होंने बताया कि हाइपरटेंशन के प्रति जागरूक रहना और स्वस्थ जीवनशैली अपनाना बहुत महत्वपूर्ण है।

# लाहौल-स्पीति में आपदा को लेकर नियमित मॉकड्रिल की आवश्यकता : डी.सी.

## आपदा व आपातकाल में सुरक्षित अस्पताल विषय पर कार्यशाला का आयोजन

*केलांग: क्षेत्रीय अस्पताल केलांग में बैठक की अध्यक्षता करते हुए डी.सी. राहुल कुमार और बैठक में मौजूद अन्य अधिकारी। (ब्यूरो)*

केलांग, 23 अक्तूबर (ब्यूरो): जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति के क्षेत्रीय अस्पताल केलांग में बुधवार को जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और समर्थ संस्था के संयुक्त तत्वावधान में आपदाओं व आपातकाल में सुरक्षित अस्पताल विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।इसकी अध्यक्षता डी.सी. एवं अध्यक्ष जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण राहुल कुमार ने की।

उन्होंने कहा कि आपदा के समय चिकित्सा अधिकारियों की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है, क्योंकि उस समय आपदा प्रभावित लोगों की संख्या अधिक होती है और उन्हें तुरंत प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि जिला लाहौल-स्पीति का सम्पूर्ण भू-भाग आपदा के बारे में सबसे अधिक स्तर की संभावना वाला क्षेत्र है और जिला सिस्मेकिक जोन-5 में आता है।

उन्होंने कहा कि आपदा के समय ऐसा हो सकता है कि सड़क नैटवर्क क्षतिग्रस्त होने से जिला का सम्पर्क अन्य क्षेत्रों से कट सकता है और चिकित्सा के लिए जिले की पूर्ण आबादी क्षेत्रीय अस्पताल केलांग पर निर्भर हो सकती है। ऐसी परिस्थिति से निपटने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया बनाई जानी चाहिए और सभी को सामूहिक रूप से कार्य करना चाहिए। इस संदर्भ में नियमित रूप से मॉक ड्रिल करने की आवश्यकता है।

कार्यशाला में बाल सुरक्षा भारत (बी.आर.बी.) के संसाधन व्यक्तियों निवेदिता सिंह, मिर्जा तौसीफ बेग व सुनील कुमार ने आपदा और आपात स्थितियों में चिकित्सकों द्वारा बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए किए जाने वाले सभी प्रबंधों व तैयारियां बारे विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. रोशन लाल व क्षेत्रीय अस्पताल के चिकित्सक व स्टाफ नर्सिज सहित स्वास्थ्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

# आपदा प्रबंधन ने निकाली केलांग में जागरूकता सद्भावना पदयात्रा

भास्कर न्यूज़ | कुल्लू

जनजातीय जिला लाहौल स्पीति के मुख्यालय केलांग में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने केलांग में जागरूकता एवं सद्भावना पदयात्रा निकाली। जागरूकता एवं सद्भावना पदयात्रा की अध्यक्षता सहायक आयुक्त एवं डीईओसी नोडल अधिकारी संकल्प गौतम ने की ।

जागरूकता एवं सद्भावना पद यात्रा में प्राथमिक स्कूल केलांग-I,प्राथमिक स्कूल केलांग-II व केन्द्रीय विद्यालय केलांग के 100के करीब छात्र एवं छात्राएं शामिल हुए।

सहायक आयुक्त संकल्प गौतम ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन उप मंडल स्पीति के मुख्यालय काजा और उप मंडल उदयपुर में भी किये गए और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। केलांग में मिनी मैराथन का भी आयोजन किया गया जिस में विभिन्न वर्गों के प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहने वाले प्रतिभागियों को सहायक आयुक्त संकल्प गौतम ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

सहायक आयुक्त संकल्प गौतम ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य युवाओं के बीच आपदा जागरूकता और तैयारियों को बढ़ाना, समुदाय के भीतर सुरक्षा और लचीलेपन की संस्कृति को बढ़ावा देना है। इस पदयात्रा में विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी भी शामिल रहे।

**Thank**

**District Disaster Management Authority, Mandi.**

**Report on Activities Conducted by DDMA Mandi during SAMARTH – 2024**

The District Disaster Management Authority (DDMA) Mandi launched a wide array of awareness and capacity-building activities in September and October 2024, as part of the SAMARTH 2024 initiative for the International Day for Disaster Risk Reduction (IDNDRR). These efforts aimed to increase community awareness, promote safe construction practices, and enhance preparedness against natural disasters. This report provides an in-depth overview of each activity conducted during this period.

## 1. Nukkad Natak Performances Across Sub-divisions

To engage and educate the community on disaster preparedness and safe construction, DDMA organized Nukkad Natak (street theatre) performances in each sub-division across Mandi district, covering two locations per sub-division. In total, 24 areas were reached, involving diverse community groups in an accessible and relatable format.

These performances served as a powerful medium to communicate critical messages about disaster management, as street theatre is both interactive and adaptable to various local contexts. Through dramatized storytelling, the Nukkad Natak teams highlighted key themes, such as the importance of preparedness for natural disasters and the adoption of safe construction techniques to prevent structural failures. The initiative proved effective in raising awareness at the grassroots level, with community members gaining practical knowledge that could contribute to their safety and resilience in disaster-prone environments.

## 2. Safe Construction Practices Workshop at the Sub-division Level

In September, DDMA Mandi organized one-day workshops focused on safe construction practices across Sundernagar, Balh, and Gohar sub-divisions. These sessions were primarily

targeted at local NGOs, aiming to empower them with knowledge and skills to act as advocates and resources for their communities.

The workshops covered crucial areas such as fire safety protocols, search and rescue operations, and principles of safe construction, which are essential in reducing vulnerability to natural hazards. By involving NGOs, the DDMA ensured a multiplier effect, as trained individuals would disseminate these practices further within their communities, thus building a wider network of informed and prepared citizens.

### 3. Safe Construction Competition

The Safe Construction Competition, held on October 5, 2024, invited students from middle school through college levels to participate in an interactive, educational event focused on innovative construction solutions. The competition encouraged students to research and demonstrate safe building practices by creating models or presentations that showcased their understanding of construction safety.

Participants were judged on creativity, feasibility, and adherence to safety standards, with first, second, and third prizes awarded in each category. This competition inspired students to think critically about sustainable construction and provided them with practical insights into the importance of safety in building design. Many participants demonstrated original ideas that combined modern construction techniques with locally available resources. The event not only reinforced educational objectives but also cultivated a commitment to safe construction practices among the younger generation, potentially influencing future architects, engineers, and community leaders.

SAFETY CONSTRUCTION
SAMARTH
EARTHQUAKE RESISTANT BUILDING

MODEL
Earthquake
Building Proof Structure

**4. Awareness Programs by the Rural Development & Panchayati Raj Department**

On October 2, 2024, the Rural Development and Panchayati Raj Department conducted disaster awareness programs across multiple Gram Panchayats (GPs) in Mandi district during Gram Sabha meetings. These sessions emphasized the importance of constructing buildings that can withstand natural disasters, which are common in the hilly terrains of Mandi.

The programs aimed to empower local communities with knowledge of safe construction techniques that utilize locally sourced, eco-friendly materials. Topics included building strategies to withstand landslides, floods, and earthquakes, which are particularly relevant given Mandi's susceptibility to these hazards. Through these targeted initiatives, DDMA and the Panchayati Raj Department sought to embed a culture of disaster resilience within the community, encouraging local stakeholders to prioritize safety in construction.

## 5. Training and Promotion of the School Safety App

On October 9, 2024, a training session was held for school teachers from every block in Mandi district, with at least two teachers per block participating. The training centered on the School Safety App, a digital tool designed to enhance school safety by enabling real-time reporting, monitoring, and information sharing.

Teachers were trained on how to use the app effectively, with DDMA representatives addressing questions and clarifying the app's features. By empowering educators with this digital tool, DDMA aimed to create a safer educational environment, ensuring that schools are better prepared to respond in emergencies. Teachers left the session equipped to implement the app in their respective schools, enhancing safety for both students and staff.

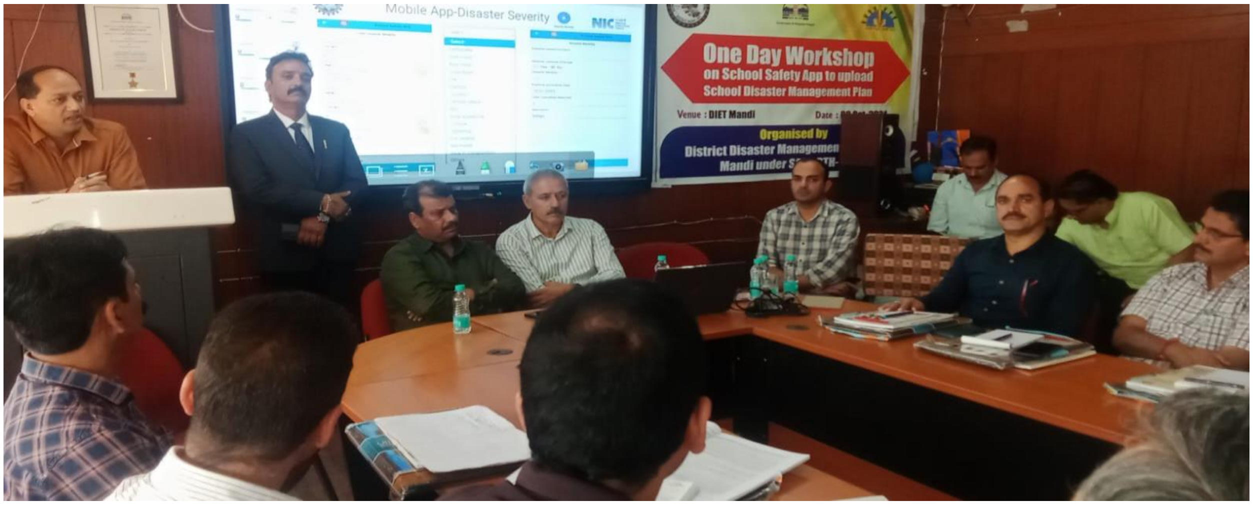

### 6. Mock Drills for Earthquake and Landslide Preparedness in all Sub -divisions

To ensure operational readiness, DDMA organized comprehensive mock drills in all sub-divisions on October 14, 2024. These exercises focused on earthquake and landslide response, involving all line departments to simulate a coordinated response effort.

The drills aimed to test the effectiveness of emergency protocols, improve coordination among agencies, and provide community members with firsthand experience of response actions during an emergency. By simulating real-life scenarios, participants gained confidence and familiarity with the procedures, which is essential for timely and effective action in the event of an actual disaster. Feedback from the drills indicated a strengthened community response capacity and identified areas for further improvement.

MEDICAL CAMP
Civil Hospital Nagwain
Block Kataula, Distt. Mandi (H.P.)
Hans Mobile Medical Unit
MMU BANJAR
MEDICAL BLOCK BANJAR, DISTT. KULLU HIMACHAL PRADESH
SUB DIVISIONAL
MOCK DRILL EXERCISE
on
Flash Flood and Land Slide
14TH OCTOBER, 2024
SUB DIVISION BALIHOWKI
DISTT. MANDI HP.
OPD
RELIEF
CAMP AREA

HP FIRE SERVICES
SIMPLEX

No Smoking

**7. Workshop on Structural Safety Audits of the Built Environment**

From October 3 to 5, 2024, DDMA Mandi held an intensive workshop on structural safety audits, drawing 80 participants from various departments, including Block Development Officers (BDOs), Himachal Pradesh Public Works Department (HPPWD), and Irrigation and Public Health Department (IPH). Expert resource persons from NIT Hamirpur, Ambuja Cement, and a leading steel company provided training on safe construction practices, structural integrity assessments, and auditing techniques.

The workshop aimed to equip participants with the knowledge to evaluate the safety of existing buildings and infrastructure. Topics covered included identifying potential structural weaknesses, best practices for retrofitting, and principles of resilient building design. This workshop contributed to an enhanced understanding of safety audits among local officials and encouraged the implementation of safe construction principles across the district.

**Conclusion**

Through these activities, DDMA Mandi demonstrated a strong commitment to enhancing disaster resilience and promoting safe construction practices across the district. The diverse programs not only provided technical skills and knowledge but also encouraged a broader cultural shift toward safety and preparedness. These efforts, which spanned all levels of the

community, from school students to local NGOs and government officials, reflect a comprehensive and proactive approach to disaster management.

By engaging the community through educational workshops, practical drills, and hands-on competitions, DDMA Mandi has laid a solid foundation for a safer, more resilient district. The initiatives carried out in September and October 2024 will have a lasting impact, reinforcing Mandi's readiness to face natural hazards and fostering a widespread commitment to sustainable, safe construction practices

## International Day on Disaster Risk reduction (IDDRR): Samarth 2024 (14th Edition) being prepared by District Disaster Management Authority (DDMA Shimla)

### 1. Activities conducted by District Disaster Management Authority (DDMA Shimla) :

- **Gram Sabha Meetings (02nd October) :** DDMA Shimla in collaboration with Block Development Officers (BDOs), "Panchayati Raj" and District Rural Development Agency (DRDA) had organized Gram Sabha meetings in all the 412 panchayats of District Shimla. The meeting included the agenda of *"Comprehensive Mass Campaign for International Day for Disaster Risk Reduction (IDDRR) Samarth 2024: Promoting Safe Construction".*

- **Nukkad Natak :** DDMA Shimla in collaboration with District Public Relation Officer (DPRO) has organized 22 Nukkad Natak in all the Sub-Divisions of District Shimla i.e. per 02 nukkad natak with an aim to spread awareness among community on need and importance of safe construction practices.

VILLA-SIZED 3 BHK APARTMENTS WITH FASTEST POSSESSION!
Golden era homes
98053-35550

CHEMIST & DRUGGIST
MENTS
GUPTA GENERAL STORE

- **Safe Construction Competition:** DDMA Shimla in collaboration with Higher Education has organized competition for preparing safe construction models at block level for 03 different categories i.e. High School level, Senior Secondary level and College level. Further, the competition at District Level was organized at Bachat Bhawan, DC Office Shimla for the best top safe construction models where Deputy Commissioner-cum-Chairman DDMA Shimla chaired the programme. Additionally, the Additional District Magistrate (Protocol) , District Revenue Officer (DRO), Principal ITI (Shimla), representative of MC Shimla, PWD and PO DRDA were committee members for selection of best models from each category.

THAKUR RAM LAL GOVT.BOYS SENIOR
SECONDARY SCHOOL JUBBAL
Earth quake
Thakur Ram
Lal Govt Boys
Sr. Sec.
School Jubbal

# आपदा के प्रति जागरूकता में छात्रों की भूमिका अहम : अनुपम कश्यप

## उपायुक्त ने बचत भवन में आयोजित सुरक्षित निर्माण मॉडल प्रतियोगिता में बतौर मुख्यातिथि की शिरकत, कॉलेज स्तर पर सेंट बीड्स कॉलेज शिमला रहा विजेता

सवेरा ब्यूरो

शिमला, 5 अक्तूबर : जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आपदा जोखिम न्यूनीकरण समर्थ के 14 वें संस्करण के तहत बचत भवन में सुरक्षित निर्माण मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की।

उपायुक्त ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मॉडल प्रतियोगिता में हर बच्चे का मॉडल बेहतरीन रहा। बच्चों को आपदा के विषयों में मूलभूत ज्ञान पर अच्छी पकड़ है। इससे साबित होता है कि बच्चे आपदा को लेकर काफी जागरूक हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि आपदा के प्रति जागरूकता अभियान में स्कूली बच्चों की भूमिका अब काफी अहम होती जा रही है। हमारे बच्चे आपदा प्रबंधन को बखूबी जानते है और साथ ही अपने आसपास के लोगों को भी आपदा प्रबंधन के बारे में बता रहे है।

उन्होंने कहा कि इस तरह की मॉडल प्रतियोगिता जिला स्तर पर पहली बार आयोजित की गई है। भविष्य में इसी तरह की प्रतियोगिता खंड स्तर पर भी आयोजित की जाएगी, ताकि बच्चों को अधिक से अधिक प्रतियोगिता में शामिल करवाते हुए आपदा के प्रति जागरूक करवाया जाए। हमारा प्रयास रहेगा कि बच्चों को मॉडल बनाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने की दिशा में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा भविष्य में प्रभावी कदम उठाए जाये।

उपायुक्त ने कहा कि आपदा एक प्राकृतिक या मानव निर्मित जोखिम का प्रभाव है जो समाज या पर्यावरण को प्रभावित करता है। आपदा प्रबंधन का मतलब है, आपदाओं के प्रभाव को कम करने के लिए तैयारियां करनाए प्रतिक्रिया देनाए और आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए संसाधनों और जिम्मेदारियों का प्रबंधन करना। आपदा प्रबंधन के जरिए, आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है। इस अवसर पर जिला के विभिन्न स्कूलों के बच्चे और स्टाफ विशेष तौर पर मौजूद रहे। एडीएम प्रोटोकॉल ज्योति राणा ने कहा कि मॉडल प्रतियोगिता में विजेता रहने वाले प्रतिभागी 7 अक्तूबर को विज्ञान संग्रहालय शोघी में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे।

कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त संबोधित करते।

विजेताओं को सम्मानित करते डीसी अनुपम कश्यप।

### इन्हें किया सम्मानित

**मॉडल** प्रतियोगिता में सभी विजेता और उपविजेताओं को उपायुक्त अनुपम कश्यप ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कॉलेज स्तर पर सेंट बीड्स कॉलेज शिमला विजेता रहा। वहीं उच्च विद्यालय स्तर पर जांगला स्कूल ने प्रथम और लक्कड़ बाजार स्कूल ने दूसरा स्थान हासिल किया। वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला श्रेणी में रोहड़ू कन्या स्कूल ने पहला स्थान, टिक्कर स्कूल ने दूसरा स्थान और छोटा शिमला स्कूल ने तीसरा स्थान हासिल किया। इसके अलावा प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले सभी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति प्रत्र वितरित किए गए।

# आपदा के प्रति जागरूकता में छात्रों की भूमिका अहमः उपायुक्त

**देवभूमि मिरर/शिमला**

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आपदा जोखिम न्यूनीकरण समर्थ के 14 वें संस्करण के तहत आज यहां बचत भवन में सुरक्षित निर्माण मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। उपायुक्त ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मॉडल प्रतियोगिता में हर बच्चे का मॉडल बेहतरीन रहा। बच्चों को आपदा के विषयों में मूलभूत ज्ञान पर अच्छी पकड़ है। इससे साबित होता है कि बच्चे आपदा को लेकर काफी जागरूक हो रहे है। उन्होंने कहा कि आपदा के प्रति जागरूकता अभियान में स्कूली बच्चों की भूमिका अब काफी अहम होती जा रही है। हमारे बच्चे आपदा प्रबंधन को बखूबी जानते है और साथ ही अपने आसपास के लोगों को भी आपदा प्रबंधन के बारे में बता रहे है। उन्होंने कहा कि इस तरह की मॉडल प्रतियोगिता जिला स्तर पर पहली बार आयोजित की गई है। भविष्य में इसी तरह की प्रतियोगिता खंड स्तर पर भी आयोजित की जाएगी ताकि बच्चों को अधिक से अधिक प्रतियोगिता में शामिल करवाते हुए आपदा के प्रति जागरूक करवाया जाए। हमारा प्रयास रहेगा कि बच्चों को मॉडल बनाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने की दिशा में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा भविष्य में प्रभावी कदम उठाए जाये। उपायुक्त ने कहा कि आपदा एक प्राकृतिक या मानव निर्मित जोखिम का प्रभाव है जो समाज या पर्यावरण को प्रभावित करता है।

- **Other Competitions:** DDMA Shimla in collaboration with Higher education has organized various competitions **to spread** awareness among school students on various aspects of disasters and disaster management . details are mentioned below :-
    - Mock Drills on landslide/flashflood/earthquake scenario.
    - Slogan writing competitions
    - Quiz on Disasters.
    - Painting and poster making competitions.
    - Essay writing competitions.
    - Preparation of school disaster management plans.

- **IEC activities:** Education department was directed to conduct regular awareness campaigns among school children featuring posters, leaflets and interactive displays that educate students on various types of disasters along with safety measures. DDMA Shimla has distributed age-appropriate awareness material among education department viz. booklets, manuals, posters etc.

- **Trainings on Safe Construction Practices:** DDMA Shimla in collaboration with JUIT Waknaghat has organized 02 training programmes on Safe Construction practices. Trainings were imparted to Junior Engineers (JEs) and Technical Assistants (TAs) with an aim to further impart trainings to masons. The JEs and Technical Assistants (TAs) were trained in examining quality of materials and importance of construction tooks for safe construction, layout of site, Construction sample foundation and Plinth, construction of plinth band, constructing hazard resistant foundations with corner vertical bars, principal of hazard resistant construction, hazard resistant features for house size and configuration, importance of site and soil conditions, constructing earthquake resistant feature plinth band etc.

दैनिक सवेरा टाइम्स

अंधेरे से उजाले की ओर...

# जेयूआईटी में आपदा प्रतिरोधी सुरक्षित निर्माण प्रथाओं पर मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण शुरू

**सवेरा न्यूज**

नई दिल्ली, 15 अक्तूबर : सिविल इंजीनियरिंग विभाग जेयूआईटी द्वारा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण शिमला के सहयोग से आयोजित आपदा प्रतिरोधी सुरक्षित निर्माण प्रथाओं पर मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण का शुभारंभ आज जेपी यूनिवर्सिटी ऑफ इंफॉर्मेशन टैक्नोलॉजी (जेयूआईटी) वाकनाघाट में हुआ। इस कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो. आर.के. शर्मा द्वारा किया गया, जिन्होंने आपदा संभावित क्षेत्रों में आपदा प्रतिरोधी भवन निर्माण की महत्ता पर बल दिया। उन्होंने जोर दिया कि इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण को जमीनी स्तर तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। यह प्रशिक्षण उपायुक्त एवं अध्यक्ष, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण शिमला अनुपम कश्यप की दूरदर्शिता और आपदा तैयारी के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के कारण संभव हुआ है। इस पहल को शुरू करने में उनके योगदान और नेतृत्व के लिए विशेष धन्यवाद दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सिविल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रोफेसर एवं समन्वयक डॉ. तन्मय गुप्ता के संबोधन से हुई, जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस पर प्रशिक्षण के महत्व और इसमें शामिल सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पहलुओं को रेखांकित किया।

दैनिक सवेरा टाइम्स Wed, 16 October 2024
epaper.dainiksaveratimes.in/c/76051

- **Training Programme on Earthquake Retrofitting:** DDMA Shimla has organized 03 days training programme in collaboration with CBRI Roorkee. 35

participants from HPPWD, MC Shimla, Aall Indian Radio, BDO Office, Doordardhan etc. has participated and prepared drawings.

- **Skit Competition:** DDMA Shimla in coordination with education department has organized skit competition on “Safe Construction Practices” at Gaiety Theatre Shimla on 07th October 2024 in which ten schools have participated. Sh. Jawahar Kaul (News Reader, Doordarshan and Assistant Directors in short films), Dr. Poornina Sharma (HOD, Art & Cultural Society, St. Thomas) and Sh. Roopesh Bhimta (Actor, Director & Designer in the field of Theatre) were judges during the skit competition. PM Shree GS Totu was the winner of Skit competition.

- **Mock Drills:** DDMA Shimla in coordination with Home Guard & Civil Defence (02nd & 03rd BN) along with Fire services has organized mock drills in schools and in all the offices including Jhakoo ropeway. Details of Jhakoo ropeway is mentioned below:-
  - **Jakhoo Ropeway Mock Drill :-** On 25th October, 2023 mock drill on rope way has been organised in coordination with National Disaster Response Force (NDRF), State Disaster Response Force (SDRF) and Home Guard & Civil Defence 03rdBattalion. Total 100 people participated in the mock exercise.

# आपदा की तैयारियां को लेकर आज जाखू में मॉकड्रिल

**शिमला।** आपदा की तैयारियों को लेकर जाखू रोपवे पर अभ्यास आयोजित किया जाएगा। बुधवार सुबह 11 बजे मॉकड्रिल शुरू होगी।

अभ्यास का उद्‌देश्य जिला शिमला की आपदा प्रबंधन योजना की समीक्षा करना और जिला स्तर पर विभिन्न हितधारकों के आपातकालीन सहायता कार्यों (ईएसएफ) के बीच समन्वय बढ़ाना है। इसके अलावा विभिन्न हितधारकों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को उजागर करना है। इसमें राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) शामिल रहेगा। संवाद

- **Exhibition on Ridge:** Himachal Pradesh State Disaster Management Authority (HPSDMA) and DDMA Shimla has organized exhibition at Padam Dev Complex and The Ridge, Shimla w.e.f 13th October 2024 to 15th October 2024. Approx 30 organizations / NGOs/ agencies/ departments have participated in the exhibition. Agencies viz. Sky Air Mobility Pvt. Ltd., Doers, Indian rescue academy, Tata steel limited, department of environment, science and technology, HPPWD, Horticulture wing, Idea Forge Technology Ltd, Central Building Research Institute, Roorkee Aimili Ltd, SRP Corporation, Temflo Systems Pvt. Ltd., Bal Raksha Bharat, Entertainment Enterprises Ltd., Satpalda Geospatial Excellence, Vedant Innotech Pvt Ltd., Black Sky, Genesys International, Health & family welfare Department, Indo Wings Pvt. Ltd., Saket Rajani, Indian Meteorological Department, National Disaster Response Force, Department of Himachal Fire Service, State Disaster Response Force and Civil Defence and Home Guards participated in the exhibition.

# *A*

# *Comprehensive Activity Report*

# *on*

# *State Wide Mass Awareness Campaign "SAMARTH-2024" w.e.f.*

# *$1^{st}$ to $30^{th}$ October, 2024 in district Sirmaur (H.P)*

***Submitted by:***


# *District Disaster Management Authority*

# *Sirmaur, Himachal Pradesh*

## Introduction

Sirmaur is the most south-eastern district of Himachal Pradesh. It is largely mountainous and rural, with 90% of its population living in villages. It consists of the foothills of Himalayas, which is Siwalik's and Middle Himalayas with the heights of the mountains ranging from 300 meters to 3000 meters above sea level. The region is fed by numerous perennial rivers which originate in the glaciers and supply water to the plains throughout the year. Having a mountainous topography, this area is also prone to the incidents of cloud burst and flash flood. As has been seen in other parts of the State, landslides can wipe out entire villages as well as lead to blocking and cutting off of settlements for days from the rest of the state. Due to loose and unconsolidated material any kind of shaking can also trigger landslides or rock falls which also pose a threat to the district.

As per the instructions of Deputy Commissioner Sirmaur, today on Tuesday, a workshop was organized by the Government Industrial Training Institute, Rajgarh on the subject of "Safe Building Construction" under the state-wide public awareness campaign "Samartha 2024" based on disasters.The program was presided over by Chairman, Institute Management Committee, Government Industrial Training Institute, Rajgarh Rajendra Thakur as the chief guest.

He said that this program was mainly based on safe building construction style in view of the serious situation of earthquake in Himachal. Apart from this, he told that "Samartha-2024" is a state-wide disaster based public awareness program which is being organized in the entire state from 1 to 15 October. Whose sole objective is to reduce the loss of life and property due to disasters in the state. About 200 students were present in this program.Apart from this, he told that for expert lecture, Himendra Sharma, Assistant Engineer, Himachal Pradesh Public Works Department, Rajgarh and Manish Thakur Government Contractor shared the safe building construction style and technology with everyone in detail. The workshop was conducted by Amrit Kumar Instructor Government Industrial Training Institute, Rajgarh. On this occasion, Principal, Government Industrial Training Institute, Rajgarh, Village Panchayat Pradhan Tikkar, academic and non-academic staff of the institute, local media and other dignitaries were present.

As part of the state-wide public awareness campaign (1-15 October, 2024) based on various types of disasters, a district level competition for "Safe Construction Practices" was successfully organized today on Thursday at the District Institute of Education and Training (DIET) Nahan. Additional District Magistrate, Sirmaur L.R. Verma visited this district level exhibition program as the chief guest. During this, he discussed the importance of safe building construction especially in the Himalayan region and also appreciated the models of all the children.He informed that Kritish Aggarwal of Government Senior Secondary School, Saraha has secured first place in the Senior Secondary School category by the jury, while on the other hand, Manav Sharma of Government High School, Malgaon has secured first place in this competition in the High School category. Additional District Magistrate informed that the winning students in both the categories will go to display their respective models in the "Samartha-2024" program to be organized at the state level, which will be held on 7 October 2024 in Shimla. Apart from this, he told that in this competition about 20 students from all the education blocks of District Sirmaur actively participated and also displayed their models.On this occasion, District Development Officer and Member Secretary, Abhishek Mittal, District Project Officer (Samagra Shiksha) Himanshu Bhardwaj, Technical Officer (DIET Nahan) Tapendra Singh and committee member Omkar Sharma, representative from Deputy Director, Higher Education Nahan, District Coordinator (Disaster Management) Rajan Kumar Sharma and teachers and participating children from various education blocks, all educational and non-educational staff of DIET Nahan were also present.

A combined mock drills/awareness program on the theme "Safe Construction Practice" under "Samarth-2024 conducted by Home Guards & Fire teams at Govt. Sr. Sec. School Majra and Polytechnic College Dhaula Kuan in District Sirmaur (H.P).

Under the state-wide public awareness campaign "Samartha 2024", a mock drill and public awareness campaign was organized today by the joint teams of Home Guard Fourth Corps, Nahan and Fire Station, Nahan at Government Senior Secondary School (Girls), Nahan and Dr. Yashwant Singh Parmar Government Post Graduate College, Nahan in district Sirmaur.

The above teams provided detailed information about ways to avoid disasters and various types of search and rescue techniques to about 300 students. In-charge, District Disaster Management Authority Sirmaur, Rajan Kumar Sharma said that under the "Samartha-2024" public awareness program, people will be made aware of disasters through various types of public awareness programs, mock drills, quizzes and street plays in the district from October 1 to October 30, 2024. All the educational and non-educational staff of the concerned institutions were present in these programs and also appreciated these programs.

A combined mock drill exercise has been conducted at GGSSS, Paonta Sahib on the occasion of AapdaJokhimNeunikaran (Disaster Risk Reduction -DRR) under Samarth- 2024 campaign on "Safe construction practice" by DDMA, Home Guards 4th Battalion- Nahan, and Fire Station Paonta Sahib district Sirmaur (H.P). Wherein, about 750 students and teachers participated in these mock drill practices.

On the occasion of Disaster Risk Reduction (DRR), a joint mock drill exercise was organized by DDMA, Home Guards 4th Battalion-Nahan and Fire Station, Paonta Sahib District Sirmaur (HP) on "Safe Construction Exercise" under Samarth-2024 campaign at Government Senior Secondary School, Gorakhuwala District Sirmaur. In which about 400 students and teachers participated in the mock drill exercise.

On the occasion of Disaster Risk Reduction (DRR), a joint mock drill practice and public awareness program was successfully organized by DDMA, Home Guards 4th Battalion-Nahan and Adarsh Fire Station Nahan, District Sirmaur (HP) on "Safe Construction Practices" under Samarth-2024 campaign (1-15 October 2024) at Government Senior Secondary School, Malgaon and Government Senior Secondary School, Dadahu- District Sirmaur. In these joint programs, about 340 students and teachers participated in the mock drill practice. On this occasion, heads of the concerned institutions, Home Guards and Fire Station officers and trainers were also present.

District Disaster Management Authority, Sirmaur and Shraddha Voluntary Organization, Paonta Sahib organized a workshop under Samarth-2024 today in Paonta Sahib on the occasion of International Disaster Risk Reduction Day-13 October. During this, this workshop was conducted by Madan Sharma, Convener of District Inter Agency Group. Voluntary organizations of all development blocks in Sirmaur, who are also members of the

District Inter Agency Group, attended this workshop. Members of all development blocks of the district were connected to the program both in practical form and virtual medium. While starting and presiding over this program, Madan Sharma welcomed all the members and gave a detailed presentation regarding today's workshop. As subject expert and keynote speaker, In-charge, District Disaster Management Authority, Sirmaur Rajan Kumar Sharma said that in the year 2022 and 2023, severe damage was seen in district Sirmaur due to southwest monsoon. He urged all the NGOs to construct safe buildings and said that earthquakes do not kill anyone but unsafe buildings cause loss of life and property. He also discussed in detail with the participants about the terrible earthquake that struck Kangra on 4 April 1905. Apart from this, he said that voluntary organizations play an important role in the district and during any kind of disaster, these organizations are able to help people by connecting with the ground level.

He emphasized on various types of identified human and natural disasters in the district such as earthquake, flood, landslide, forest fire, domestic fire, snake bite, dog bite, cloud burst and lightning etc. He told that for this, people at the local level will have to train themselves and the communities around them through various types of preparation and public awareness campaigns before, during and after the disaster. At present, safe building construction is the need of the hour, because earthquake zones 4 and 5 in Himachal Pradesh fall in the highly sensitive category. He urged all the participants to encourage people around them to construct earthquake resistant buildings.In the end, the convener of this workshop, Madan Sharma, Director Shraddha NGO thanked and thanked all the participants.On this occasion, about 48 officers/members of other voluntary organizations like Rajan Kumar Sharma, Incharge District Disaster Management Authority, Sirmaur, Madan Sharma, Ramesh Atri, Dheeraj Ramol, Khajan Sharma, Virendra Kapoor, Vijay Bangaliya, Sushil Kumar, Suresh Sharma, Ajay Kumar, Hansraj, Bina Devi, Archana etc. was also present in the workshop.

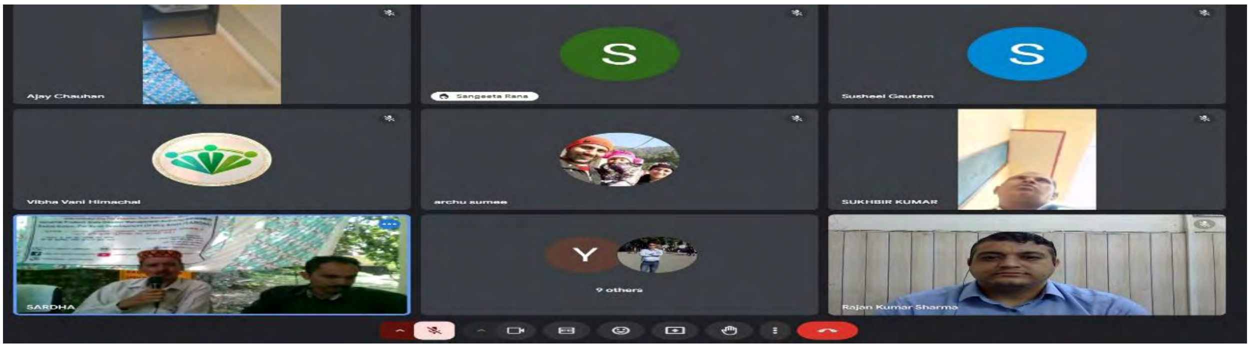

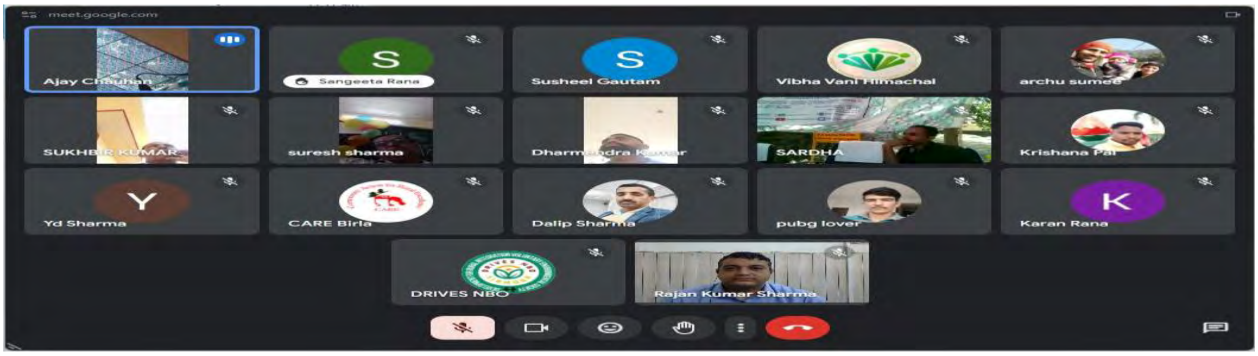

As per the directions of Himachal Pradesh State Disaster Management Authority and Deputy Commissioner Sirmaur, Sumit Khimta, a one-day workshop was organized today at the District Institute of Education and Training (DIET), Nahan to commemorate the 14th edition of the state-wide public awareness campaign "Samartha 2024". The Deputy Commissioner informed that this workshop is being organized on this year's theme "Safe Building Construction". Junior Engineers, Sub-Divisional Magistrates, and all technical staff from Himachal Pradesh Public Works Department, Jal Shakti Department, Himachal Pradesh Urban Development Authority, Town and Planning Department, District Council, Himachal Pradesh State Electricity Corporation, Block Development Office, Nahan and other related departments are participating in this workshop. He informed that safe building construction techniques and various types of protective activities are being discussed in this workshop. In-charge, District Disaster Management Authority, Rajan Kumar Sharma informed that earthquakes do not kill anyone but unsafe and non-earthquake resistant buildings are responsible for human deaths.

He also discussed with the participants about various types of disasters in Sirmaur district. As a subject expert, Junior Engineer of Himachal Pradesh Public Works Department, Sachin Sharma discussed about the material, technology and design used in safe building construction. In the second session of the program, Junior Engineers of DIET, Nahan, Tapendra Singh and Archana Sharma discussed with the participants about safe building construction, buildings should be constructed only after checking the right place and proper soil quality. Apart from this, he told that before constructing a building in any area, it is very important to take advice from a subject expert or engineer.District Project Officer (Samagra Shiksha) and Principal, District Education and Training Institute, Nahan, Himanshu Bhardwaj participated in the workshop as the chief guest. He emphasized on all the participants to actively discuss and deliberate about "safe building construction" in this workshop. Apart from this, he informed all the participants that this year under "Samartha-2024", the students of Government Senior Secondary School, Saraha of Sirmaur district have received the first prize under the safe building construction model in the senior secondary category in the entire state, which is a matter of joy. The workshop was conducted by spokesperson DIET, Nahan Omkar Sharma. At the end of this workshop, all the successful participants were also honored with certificates and subject experts were given mementos etc.On this occasion, participants from various technical departments, junior engineers, engineers from Town and Planning Department, Jal Shakti, Himuda, District Council and Electricity Department, along with teachers and students of DIET, Nahan were also present.

ONE DAY WORKSHOP
Under the SAMARTH - 2024

On the occasion of Disaster Risk Reduction "Samartha 2024" Safe Construction Exercise ", a joint mock drill was organized at Government Senior Secondary School, Sataun (Sirmaur) by the team of DDMA Sirmour, Home Guard 4th Battalion, Nahan and Fire Station, Paonta Sahib.In which about 325 participants were made aware about various disasters, lifesaving skills and mock drill was also conducted. The Home Guard team was led by Platoon Commander, Rakesh Kumar. In the end, the Principal Government Senior Secondary School, Sataun District Sirmour expressed his gratitude to all the rescue teams, fire brigade. The school team and its entire staff and students were congratulated for actively participating in this valuable training-cum-awareness program under the state-wide public awareness campaign "SMART-2024" sponsored by the District Disaster Management Authority Sirmour, Himachal Pradesh.On this occasion, all the students, teachers and non-teaching staff of the school were also present.

On the occasion of Disaster Risk Reduction "Samartha-2024" Safe Construction Exercise ", a joint mock drill was organized at Government Senior Secondary School, Kaffota (Sirmaur) by the team of DDMA Sirmaur, Home Guard 4th Battalion, Nahan and Fire Station, Shillai.In which about 300 participants / students were made aware about various disasters, lifesaving skills and mock drill was also conducted. The Home Guard team was led by Platoon Commander, Naresh Kumar. In the end, the Principal Government Senior Secondary School, Kaffota District Sirmaur expressed his gratitude to all the rescue teams, fire brigade. The school team and its entire staff and students were congratulated for actively participating in this valuable training-cum-awareness program under the state-wide public awareness campaign "Samartha-2024" sponsored by the District Disaster Management Authority

Sirmaur, Himachal Pradesh.On this occasion, all the students, academic and non-academic staff of the school were also present.

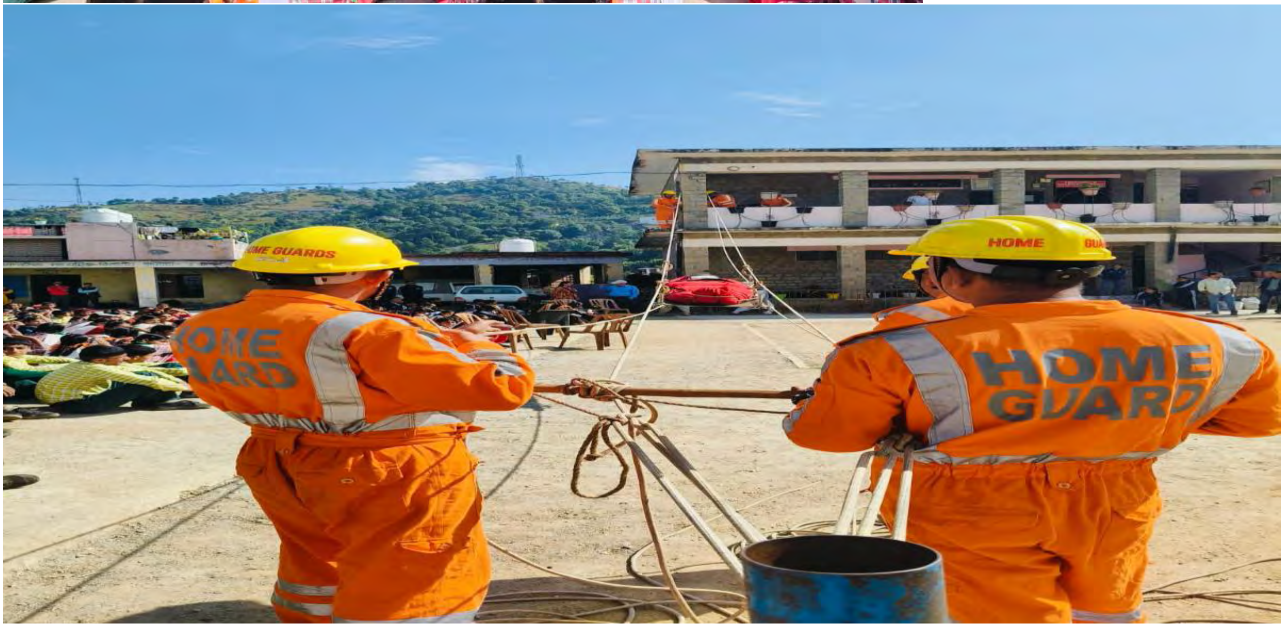

As per the directions of Deputy Commissioner Sirmaur, under the ongoing special awareness campaign disaster reduction "Samartha-2024" in district Sirmaur, Giri-Ganga Cultural Team organized folk media programs and made people aware about natural and man-made disasters in the state level Sharad Mahotsav-2024 being organized under sub-division, Paonta Sahib today.During the program, while the artists entertained with songs and music on one hand, they also made people aware about reducing the damage caused by disaster, building earthquake resistant houses, safety measures and precautions in situations like earthquake, landslide, flood and fire through street play.While making people aware during the program, the artists told that in case of an earthquake, the strategy of bend, cover and catch should be adopted and we should collect as much information as possible related to the disaster and share this information with our family, children and elders.So that life can be protected by being aware during the disaster.Apart from the administration, local public representatives and Panchayat representatives, Pradhan Ashwini Kumar, other ward members and local people were especially present in the program.

न्यूज डायरी

## कफोटा स्कूल में मॉक ड्रिल का आयोजन

कफोटा स्कूल में बच्चों को आग से बचाव को लेकर जानकारी देते कर्मी। संवाद

शिलाई। आपदा जोखिम न्यूनीकरण समर्थ-2024 सुरक्षित निर्माण अभ्यास के अवसर पर डीडीएमए सिरमौर, होमगार्ड चतुर्थ बटालियन, नाहन और अग्निशमन केंद्र, शिलाई की टीम ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कफोटा (सिरमौर) में संयुक्त मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 300 प्रतिभागियों/विद्यार्थियों को विभिन्न आपदाओं, जीवन रक्षक कौशल के बारे में जागरूक किया गया और मॉकड्रिल भी करवाई गई। होमगार्ड टीम का नेतृत्व प्लाटून कमांडर, नरेश कुमार ने किया। संवाद

## छात्रों ने सीखे पर्यटन व्यवसाय के गुर

संगड़ाह। राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला संगड़ाह के विद्यार्थियों ने हरिपुरधार के निकट मानव हिल रिसॉर्ट में दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान पर्यटन व्यवसाय के विभिन्न पहलुओं का प्रशिक्षण प्राप्त किया। विद्यालय के जमा एक और जमा दो कक्षा के 50 छात्र-छात्राओं ने कुकिंग, कैटरिंग, हाउस कीपिंग और होटल मैनेजमेंट की अनेक विधाओं का व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। रिजॉर्ट के प्रबंध निदेशक मेला राम शर्मा ने भी छात्रों का ज्ञानवर्धन किया। इस अवसर पर पाठशाला से ओमप्रकाश पुंडीर, रजनीश कौंडल और पूनम आदि मौजूद रहीं। संवाद

## हिमालयन संस्थान में मॉक अभ्यास का आयोजन

कालाअंब। हिमालयन संस्थान कालाअंब में आपदा प्रबंधन विषय पर जन-जागरुकता अभियान और मॉक अभ्यास का आयोजन किया गया। हिमालयन संस्थान के उपाध्यक्ष विकास बंसल ने बताया कि जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सिरमौर के सहयोग से संस्थान में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की 24 सदस्यीय टीम ने आपदा प्रबंधन को लेकर जन-जागरुकता, चर्चा, विचार-विमर्श एवं मॉक अभ्यास आयोजित किया। संवाद

As per the directions of Deputy Commissioner Sirmaur, today on Friday, on the occasion of Disaster Risk Reduction "Samartha-2024" Safe Construction Exercise ", a joint mock drill was organized by the team of DDMA Sirmaur, Home Guard 4th Battalion, Nahan and Fire Station, Shillai at Government Senior Secondary School, Shillai and Bakras (Sub Division Kaffota) District Sirmaur.In which about 800 participants / students were jointly made aware about various disasters, lifesaving skills and mock drill was also conducted. The Home Guard team was led by Platoon Commander, Naresh Kumar. In the end, the Principal Government Senior Secondary School, Shillai and Bakras, District Sirmaur expressed gratitude to all the rescue teams, fire brigade. The school team and their entire staff and students were congratulated for actively participating in this valuable training-cum-awareness program under the state-wide public awareness campaign "Samartha-2024" sponsored by District Disaster Management Authority Sirmaur, Himachal Pradesh.On this occasion, all the students, educational and non-teaching staff were also present.

Under the joint aegis of District Disaster Management Authority, Sirmaur and Adarsh Fire Station, Nahan, today on 18 October 2024, about 35 students and two teachers of Government Senior Secondary School, Vikram Bagh were given complete information about fire safety and operating fire extinguishers at the Fire Station, Nahan.The team led by Leading Fireman Ramesh Chand from the fire station provided detailed information to the

children about the solutions to be taken after any kind of fire through mock drill.The nodal officer of Government Senior Secondary School, Vikram Bagh was also present on this occasion.

As per the instructions of Deputy Commissioner Sirmaur, today on Saturday, on the occasion of Disaster Risk Reduction "Samartha-2024" Safe Construction Exercise, a joint mock drill exercise was organized by the joint teams of DDMA Sirmaur, Home Guard 4th Battalion, Nahan and Adarsh Fire Station, Nahan at M/s Pidilite Private Industry Rampur Jatan, Kala Amb District Sirmaur.This joint 11-member team was led by Naresh Kumar, Platoon Commander Home Guard Department and Rajesh Kumar, Leading Fireman Adarsh Fire Station, Nahan in the above departments respectively.Platoon Commander Home Guards, Naresh Kumar said that today the employees of about 20 industries were trained in Pidilite Industry under Tehsil Nahan, which is included in the category of major accident risk (MAH) and potential industries. In this context, he also gave information to the employees of the industry about the search and rescue to be done during chemical leakage and fire in various ways. Apart from this, how to use CPR technique in case of sudden heart attack. Training was also given in this regard to revive them through. Leading Fireman Rajesh Kumar of Adarsh Agni Kendra, Nahan provided detailed information to these employees about how to rescue in case of various types of fire incidents.Ravi Sharma, Nodal Officer of this company, said that the above rescue teams and disaster management teams made the company aware about various types of disasters, lifesaving skills and also conducted a mock drill.

In the end, he expressed his gratitude to all these search and rescue and fire teams. District Disaster Management Authority Sirmaur congratulated the company team and their entire staff for actively participating in this valuable training-cum-awareness program under the

state-wide public awareness campaign "Samartha-2024" sponsored by the Government of Himachal Pradesh.

Under the joint aegis of District Disaster Management Authority, Sirmaur and Adarsh Fire Station, Nahan, today on 21st October, 2024, about 21 students and two teachers of Government Senior Secondary School, Saraha (Pachhad Sub Division) were given complete information about fire safety and operating fire extinguishers at the Fire Station, Nahan.The team led by Leading Fireman, Ramesh Chand from the fire station provided detailed information to the children about the solutions to be taken after any kind of fire through mock drill.On this occasion, the nodal officer and teachers of Government Senior Secondary School, Saraha were also present.

As per the instructions of Deputy Commissioner Sirmaur, a two-day workshop was organized at the Corps Training Centre Vikram Cancel, Nahan, under the Home Guard Fourth Corps, Nahan, in which about 57 students of Government Senior Secondary School, Kala Amb and Government Senior Secondary School, Surla were given information about disaster by In-charge, Corps Training Centre, Platoon Commander Santosh Kumari and other instructors under the National Skill Qualification Framework. In which they told what things should be known before the disaster occurs. Detailed information was given on the methods to deal with it. Information was also given about first aid, CPR and rifle training. Apart from this,

methods of safely evacuating the injured from the incident site were also told. The students present in the workshop were also given practice. On this occasion, instructors and staff of Home Guard Fourth Corps Training Centre Vikram Cancel, school representatives and other dignitaries were also present.

नाहन : कफोटा स्कूल के बच्चों व स्टाफ के साथ एन.डी.आर.एफ. की टीम। (अब्दुल)

## सराहां स्कूल के छात्रों ने सीखे आग से बचाव के उपाय

नाहन : अग्निशमन केंद्र पहुंचे सराहां स्कूल के बच्चे विभागीय कर्मियों के साथ। (अब्दुल)

नाहन, 21 अक्तूबर (ब्यूरो): जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सिरमौर एवं आदर्श अग्निशमन केंद्र नाहन के संयुक्त तत्वावधान में दमकल केंद्र नाहन में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल सराहां के करीब 21 छात्रों सहित 2 अध्यापकों को अग्नि सुरक्षा और अग्निशामक यंत्रों को चलाने के बारे में संपूर्ण जानकारी दी गई।

अग्निशमन केंद्र के लीडिंग फायरमैन रमेश चंद की अगुवाई में टीम ने बच्चों को मॉक अभ्यास के माध्यम से किसी भी तरह की आग लगने के उपरांत किए जाने वाले समाधानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

इस मौके पर स्कूल के नोडल अधिकारी, शिक्षक व अग्निशमन विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

पंजाब केसरी सदा आपके साथ

## एन.डी.आर.एफ. ने कफोटा स्कूल में किया जागरूक

नाहन, 21 अक्तूबर (ब्यूरो): एन.डी.आर.एफ. की 14वीं बटालियन क्षेत्रीय प्रतिक्रिया टीम नालागढ़ ने सिरमौर जिला में अपने फैमिलियराइजेशन अभ्यास के दौरान राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल कफोटा में आपदा प्रबंधन विषय पर जन जागरूकता अभियान एवं मॉक अभ्यास का आयोजन किया।

स्कूल प्रिंसीपल ने बताया कि जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सिरमौर के सहयोग से उनके स्कूल में एन.डी.आर.एफ. की 24 सदस्यीय टीम ने प्रभारी व सहायक कमांडेंट संतोष, निरीक्षक अजय कुमार एवं उप निरीक्षक अवतार सिंह के नेतृत्व में आपदा प्रबंधन से संबंधित जन-जागरूकता, चर्चा, विचार-विमर्श एवं मॉक अभ्यास आयोजित किया। इस दौरान टीम ने स्कूल के 300 विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां एवं तकनीकों के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा व प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

के माध्यम से जागरूक किया।

## जिला आपदा प्रबंधन ने स्कूली छात्रों को बताए आगजनी से बचाव के तरीके

नाहन | जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सिरमौर व आदर्श अग्निशमन केंद्र नाहन के संयुक्त तत्वाधान में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान सराहां के 21 छात्रों व दो अध्यापकों को अग्नि सुरक्षा के बारे में व अग्निशामक यंत्रों को चलाने के बारे में संपूर्ण जानकारी दी गई। अग्निशमन केंद्र से लीडिंग फायरमैन, रमेश चंद की अगुवाई में टीम द्वारा बच्चों को मौके अभ्यास के जरिए किसी भी तरह की आग लगने के उपरांत किए जाने वाले समाधानों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, सराहा के नोडल अधिकारी व शिक्षक भी उपस्थित रहे।

As per the directions of Deputy Commissioner Sirmaur, today on Wednesday, on the occasion of Disaster Risk Reduction "Samartha-2024" Safe Construction Exercise ", a joint mock drill was organized by the joint teams of DDMA Sirmaur, Home Guard 4th Battalion, Nahan and Fire Station, Nahan at Government Senior Secondary School, Sarahan and PM Shri Government Senior Secondary School, Narag (Sub Division Pachhad) District Sirmaur.In which about 470 participants/students were jointly made aware about various disasters, lifesaving skills and mock drill was also conducted. The Home Guard team was led by Platoon Commander, Naresh Kumar. In the end, the Principal Government Senior Secondary

School, Sarahan and Narag, District Sirmaur expressed gratitude to all the rescue teams, fire brigade. Congratulations to the school team and their entire staff and students for actively participating in this valuable training-cum-awareness program under the state-wide public awareness campaign "Samartha-2024" sponsored by District Disaster Management Authority Sirmaur, Himachal Pradesh. On this occasion, all the students, academic and non-academic staff of these schools were also present.

As per the directions of Deputy Commissioner Sirmaur, today on Thursday, on the occasion of Disaster Risk Reduction "Samartha-2024" Safe Construction Exercise ", a joint mock drill was organized by the joint teams of DDMA Sirmaur, Home Guard 4th Battalion, Nahan and Fire Station, Nahan at Government Senior Secondary School, Sangrah and Nauhradhar District Sirmaur.In which about 490 participants / students were jointly made aware about various disasters, life saving skills and mock drill was also conducted. The Home Guard team was led by Platoon Commander, Naresh Kumar. In the end, the Principal Government Senior

Secondary School, Sangrah and Nauhradhar, District Sirmaur expressed his gratitude to all the rescue teams, fire brigade. The school team and their entire staff and students were congratulated for actively participating in this valuable training-cum-awareness program under the state-wide public awareness campaign "Samartha-2024" sponsored by District Disaster Management Authority Sirmaur, Himachal Pradesh.On this occasion, all the students, educational and non-teaching staff were also present.

As per the instructions of Deputy Commissioner Sirmaur, today on Tuesday, under the Disaster Risk Reduction and Capacity Building Campaign, D.D.M.A. Sirmaur, Home Guard Fourth Battalion, Nahan and Fire Station, Nahan, joint teams of a joint mock drill were organized at Government Senior Secondary School, Birla and Government Senior Secondary School, Surla.In which about 250 students were made aware about various disasters, life-saving skills, capacity building and other technical skills etc. and a mock drill was also organized. The Home Guard team was led by Platoon Commander, Naresh Kumar. In the end, Amit Sharma, Vice Principal, Government Senior Secondary School, Birla District Sirmaur expressed his gratitude to all the rescue teams, fire brigade and also thanked them for this valuable disaster related information.On this occasion, all the students, academic and non-academic staff of the school were also present.

The Nukkad Natak (Street Plays) on **"Samarth-2024"** were also conducted in district Sirmaur in the Month of October, 2024 at various locations where the public gathering was very high: the list of such locations is given as under:

1. Paonta, Kaffota, Ronhat, Nohradhar, Rajgarh and Rajpur bus stand
2. GDC, Haripurdhar, Sangrah, Paonta Sahib, Nahan etc.
3. ITI Rajgarh, some main bazaar of Nohradhar, Haripurdhar and Nahan
   There is total 16 locations, where the IPER and DDMA Sirmaur was conducted the street plays and nukkarnatak on disaster management for promoting the safe

construction practices in the Himachal Pradesh state in view of high frequency of various disasters in the state.

The Education department and Himachal home guards, Sirmaur both the departments were also conducted the multiple events on the occasion of state wide mass awareness campaign on ‘Samarth-2024” in district Sirmaur w.e.f. 1st to 30th October, 2024.

## Some Newspapers cuttings of “Samarth-2024” a mass awareness campaign in district Sirmaur, Himachal Pradesh w.e.f. 1st to 30th October, 2024

पंजाब केसरी
SAT,19 OCTOBER 2024
EDITION: SOLAN KESARI, PAGE NO. 4

**बच्चों ने सीखा अग्निशमन यंत्र चलाना**

**बच्चों ने किया अग्निशमन केंद्र नाहन का भ्रमण**

नाहन, 18 अक्तूबर (चंद्र) : जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं आदर्श अग्निशमन केंद्र नाहन के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को दमकल केंद्र नाहन में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला विक्रम बाग के लगभग 35 छात्रों व 2 अध्यापकों को अग्नि सुरक्षा व अग्निशामक यंत्रों को चलाने के बारे में जानकारी दी गई।

अग्निशमन केंद्र से लीडिंग फायरमैन रमेश चंद की अगुवाई में टीम द्वारा बच्चों को मॉक अभ्यास के जरिए किसी भी तरह की आग लगने के उपरांत किए जाने वाले समाधानों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला विक्रम बाग के नोडल अधिकारी भी उपस्थित रहे।

हिमाचल प्रदेश सरकार सूचना एवं जन सम्पर्क Information & Public Relations Government of Himachal Pradesh

दिव्य हिमाचल

**भूकंप आने पर झुको, ढको और पकडो की रणनीति अपनाएं**

पांवटा साहिब। सिरमौर में चल रहे विशेष जागरूकता अभियान आपदा न्यूनीकरण समर्थ–2024 के तहत आज उपमडल पांवटा के राजपुर और पांवटा साहिब में शरद महोत्सव में सूचना एवं जन संपर्क विभाग से अनुमोदित गिरि गंगा सांस्कृतिक दल ने फोक मीडिया कार्यक्रमों का आयोजन कर लोगों को प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं के बारे में जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान कलाकारों ने जहां एक ओर गीत–संगीत से मनोरंजन किया। कार्यक्रम के दौरान लोगो को जागरूक करते हुए कलाकारों ने बताया कि भूकंप आने की स्थिति में झुको, ढको और पकडो की रणनीति को अपनाना चाहिए, तथा हमें आपदा से संबंधित ज्यादा से ज्यादा जानकारियां इकट्ठी करनी चाहिए और इन जानकारियों को अपने परिवारए बच्चों और बुजुर्गों के साथ साझा करना चाहिए, ताकि आपदा के समय जागरूक रह कर जीवन सुरक्षित किया जा सके।

पंजाब केसरी
SAT, 19 OCTOBER 2024
EDITION: SOLAN KESARI, PAGE NO. 4

नाहन : दमकल केंद्र नाहन में विक्रम बाग स्कूल के बच्चे व दमकल विभाग के कर्मचारी संयुक्त चित्र में (अब्दुल)

# मानव निर्मित आपदा के बारे में किया जागरूक

नाहन। जला सिरमौर में चल रहे विशेष जागरूकता अभियान आपदा न्यूनीकरण समर्थ-2024 के तहत बुधवार को उपमंडल पांवटा साहिब के राजपुर व पांवटा साहिब में चल रहे शरद महोत्सव में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग से अनुमोदित गिरि गंगा सांस्कृतिक दल ने फोक मीडिया कार्यक्रमों का आयोजन कर लोगों को प्राकृतिक व मानव निर्मित आपदाओं के बारे में जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान कलाकारों ने जहां एक ओर गीत-संगीत से मनोरंजन किया। वहीं नुक्कड़ नाटक द्वारा भूकंपरोधी मकान बनाने, आपदा के नुकसान को कम करने, भूकंप, भू-स्खलन, बाढ़ व आगजनी जैसी स्थिति में सुरक्षा उपायों व सावधानियों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान लोगों को जागरूक करते हुए कलाकारों ने बताया कि भूकंप आने की स्थिति में झुको, ढको व पकड़ों की रणनीति को अपनाना चाहिए तथा हमें आपदा से संबंधित ज्यादा से ज्यादा जानकारियां इकट्ठी करनी चाहिए और इन जानकारियों को अपने परिवार, बच्चों व बुजुर्गों के साथ सांझा करना चाहिए।

सूचना एवं जन सम्पर्क
Information & Public Relations
अमर उजाला

# कफोटा स्कूल में मॉक ड्रिल का आयोजन

कफोटा स्कूल में बच्चों को आग से बचाव को लेकर जानकारी देते कर्मी। संवाद

**शिलाई।** आपदा जोखिम न्यूनीकरण समर्थ-2024 सुरक्षित निर्माण अभ्यास के अवसर पर डीडीएमए सिरमौर, होमगार्ड चतुर्थ बटालियन, नाहन और अग्निशमन केंद्र, शिलाई की टीम ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कफोटा (सिरमौर) में संयुक्त मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 300 प्रतिभागियों/विद्यार्थियों को विभिन्न आपदाओं, जीवन रक्षक कौशल के बारे में जागरूक किया गया और मॉकड्रिल भी करवाई गई। होमगार्ड टीम का नेतृत्व प्लाटून कमांडर, नरेश कुमार ने किया। संवाद

# छात्रों ने सीखे पर्यटन व्यवसाय के गुर

**संगड़ाह।** राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला संगड़ाह के विद्यार्थियों ने हरिपुरधार के निकट मानव हिल रिसॉर्ट में दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान पर्यटन व्यवसाय के विभिन्न पहलुओं का प्रशिक्षण प्राप्त किया। विद्यालय के जमा एक और जमा दो कक्षा के 50 छात्र-छात्राओं ने कुकिंग, कैटरिंग, हाउस कीपिंग और होटल मैनेजमेंट की अनेक विधाओं का व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। रिजॉर्ट के प्रबंध निदेशक मेला राम शर्मा ने भी छात्रों का ज्ञानवर्धन किया। इस अवसर पर पाठशाला से ओमप्रकाश पुंडीर, रजनीश कौंडल और पूनम आदि मौजूद रहीं। संवाद

# हिमालयन संस्थान में मॉक अभ्यास का आयोजन

कालाअंब। हिमालयन संस्थान कालाअंब में आपदा प्रबंधन विषय पर जन-जागरुकता अभियान और मॉक अभ्यास का आयोजन किया गया। हिमालयन संस्थान के उपाध्यक्ष विकास बंसल ने बताया कि जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सिरमौर के सहयोग से संस्थान में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की 24 सदस्यीय टीम ने आपदा प्रबंधन को लेकर जन-जागरुकता, चर्चा, विचार-विमर्श एवं मॉक अभ्यास आयोजित किया। संवाद

# EMERGENCY CONTACT NUMBER

***District Toll Free No: 1077***

*Fire Toll Free No. 101*

*Common Emergency No. 112*

*Police Toll Free No. 100*

*Health Toll Free No. 108*

*State EOC toll free No. 1070*

*CM Sewa Helpline No. 1100*

***Thanks, with regards***

***District Disaster Management Authority***

***District Sirmaur, Himachal Pradesh***

***Email: ddma-sir-hp@gov.in, deocsirmour@gmauil.com***

***Toll free No. DEOC: 1077***

***Tel No. 01702-226405***

REPORT

ON

Celebration of SAMARTH -2024

(1st October 2024 to 31st October 2024)

on the occasion of

"International Day of Disaster Risk Reduction (IDDRR)"

A Mass Awareness Campaign for Disaster Risk Reduction

***"Empowering the next generation for a resilient future"***

# DISTRICT DISASTER MANAGEMENT AUTHORITY
# DISTRICT – SOLAN

**SAMARTH – 2024**

Every year the SAMARTH event is being celebrated on 13th October to raise the awareness about the Disaster Risk Reduction (IDDR) measures. The event is named SAMARTH, and its spans two weeks in which various activities are organized at the State, District and Local Level, including workshops, exhibitions, various competitions and street plays at community level, and Gram Sabha Meetings at each Gram Panchayat.

**Following Activities done under the banner of SAMARTH by District Disaster Management Authority Solan:**

| S. No. | Activity | Venue | Dates |
|---|---|---|---|
| 1. | **Gram Sabha Meeting** | Gram Sabha Meeting at each Gram Panchayat with a agenda regarding the Disaster Risk Reduction promoting Safe Construction Practices. | 02-10-2024 |
| 2. | **Nukkad Natak**<br><br>*(Nukkad Nataks at each Sub-Division of District Solan on Disaster Awareness and Safe Construction has been conducted by the Kala Manch.)* | **Kandaghat Sub- Division –**<br>1. GSSS Kandaghat<br>2. Gram Panchayat Wakna | 18-10-2024 |
| | | **Sub- Division Kasauli –**<br>1. GSSS Kuthar<br>2. GSSS Chandi | 08-10-2024 |
| | | **Solan Sub-Division –**<br>1. GBSSS Solan<br>2. Ganj Bazar Solan | 21-10-2024 |
| | | Sub- Division Nalagarh<br>1 GSSS, Baddi<br>2 Truck Operators' Union Baddi<br>3 GGSSS Nalagarh<br>4 GSSSS Joghon (Nalagarh) | 21-10-2024 & 22-10-2024 |
| | | **Arki Sub- Division:**<br>1. Gram Panchayat Surajpur<br>2. GSSSS Kunihar | 15-10-2024 |
| 3. | A District Level Competition on "Safe Construction | Meeting Hall, DC Office, Solan | 05-10-2024 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | Practices/ Models in coordination with Higher Education | | |
| 4. | Mock Drill at Government Degree College, Solan | Government Degree College, Solan | 15-10-2024 |
| 5. | One Day Workshop roles and responsibilities of youth in Disaster Risk Reduction (DRR): | Meeting Hall, Zila Parisad, District Solan | 16-10-2024 |
| 6. | On 17-10-2024 ADRA NGO and aapda mitra aware the general public by distribution of IEC material on safe construction practices and SAMARTH booklets during the local mela at Salogra. | Gram Panchayat – Salogra | 17-10-2024 |
| 7. | One day workshop on Safe Construction Practices and Bio-Engineering concepts in Disaster Risk Reduction: | Meeting Hall, Zila Parisad, District Solan | 19-10-2024 |
| 8. | Training for the media person on Role of Media in Disaster Management: | Meeting Hall, Zila Parisad, District Solan | 21-10-2024 |
| 9. | Competition for all the schools by BPEO/ Deputy Director Higher & Elementary Education. | 1. Slogan Writing<br>2. Quiz on Disaster<br>3. Painting and Poster Making<br>4. Essay Writing | October 2024 |

On October 2, 2024, on the occasion of SAMARTH -2024, in coordination of District Disaster Management Authority, Solan, Gram Shabha meeting was held include the agenda of Comprehensive Mass Campaign for International Day for Disaster Risk Reduction (IDDRR), **"Promoting Safe Construction Practices at Gram Panchayat Level"**.

On the occasion of SAMARTH-2024 - A District Level School Competition on **"Safe Construction Practices/ Models"** took place on 05-10-2024 at the Meeting Hall, DC Office Solan, organized by the District Disaster Management Authority, Solan in coordination with Higher Education, Solan. In this competition students from various schools across the District showcased their innovative ideas and commitment to safety.

DISTRICT DISASTER MANAGEMENT AUTHORITY SOLAN
G.B.S.S.S. SOLAN
FIRE DOOR
Samsung Galaxy A52s 5G

**Mock Drill at Government Degree College, Solan**

Mock drill at Government Degree College, Solan was organized by DDMA Solan in collaboration with Home Guard & Civil Defence, Fire, Police, Health Department and Revenue Staff on 15-10-2024.

**मॉकड्रिल : 15 विद्यार्थियों को आईं भूकंप से चोटें**

**सोलन।** सोलन महाविद्यालय में भूकंप के कारण लगभग 15 बच्चों को चोटें आई। स्वास्थ्य जांच के उपरांत पाया गया कि इनमें से पांच बच्चों की हड्डी भी टूटी है। भूकंप के कारण एक बच्चे की मृत्यु भी हो गई। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सोलन की ओर से राजकीय महाविद्यालय सोलन में मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के विद्यार्थियों सहित एनएसएस, एनसीसी के लगभग 100 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिला आपदा प्रबंधन के विशेषज्ञ प्रदीप ठाकुर ने आपदा के समय बचाव के लिए किए जाने वाले बचाव कार्य व उपाय के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

Samsung Galaxy A52s 5G
Samsung Galaxy A52s 5G
Galaxy A52s 5G

**One Day Workshop roles and responsibilities of youth in Disaster Risk Reduction (DRR):**

On October 16, 2024, the District Disaster Management Authority Solan organized insightful one-day training for the volunteers of NYKS, NSS, Scouts & Guides, Aapda Mitras and DIAG members (NGOs) on Disaster Risk Reduction (DRR) and their Roles & Responsibilities under Samarth 2024 at the Conference Hall, Zila Parishad, District Solan.

This workshop focused on the vital topics of Disaster Risk Reduction (DRR) and the roles and responsibilities of volunteers in disaster management. Participants engaged in discussions, practical exercises, and shared valuable insights to enhance our collective readiness for disaster scenarios.

**One day workshop on Safe Construction Practices and Bio-Engineering concepts in Disaster Risk Reduction:**

On October 19, 2024, Glimpse of one day workshop on **Safe Construction Practices and Bio-Engineering concepts in Disaster Risk Reduction** was conducted at Zila Parishad, District Solan to all technical departments PWD, JSV, HPSEBL, MCs, Horticulture and Agriculture department.

Good house but poor foundatio

**Training for the media person on Role of Media in Disaster Management:**

On October 21, 2024, Glimpse of Half day workshop **"Role of Media in Disaster Management"** was organised for the media persons at Meeting Hall, Zila Parishad, District Solan during SAMARTH -2024.

On October 17, 2024, ADRA NGO and Aapda Mitra volunteers aware the general public by **distribution of IEC material on safe construction practices and SAMARTH booklets** during the local Mela at Salogra.

Under the disaster management program, Mock drill and demonstration was held at Govt. Sr. Sec. School, Goyla by Home Guard and Fire team.

**Nukkad Natak Performance in Solan District**

***(Nukkad Nataks/ Street Plays were performed in various location of the district Solan (2 Nukkad Natak In each Sub- Division) to aware the general public and students about the Disaster Risk Reduction and Safe Construction Practices)***

# Nukkad Natak at
# Sub-Division Nalagarh & Baddi

# Nukkad Natak at Sub-Division Solan

# Nukkad Natak at Sub-Division Kasauli

## Various School Activities during the SAMARTH - 2024:

### Painting Competition on Samarth 2024

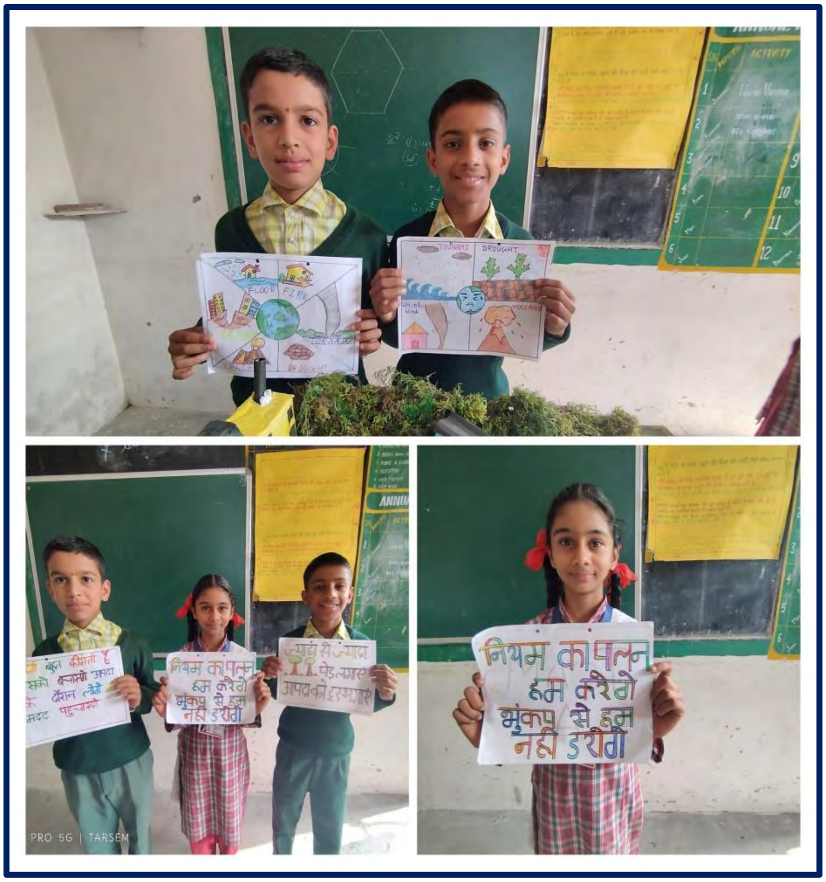

नियम का पलन
हम करेंगे
भूंकप से हम
नही डरेंगी
PRO 5G | TARSEM

Painting Competition
INTERNATIONAL DAY OF DISASTER RISK REDUCTION

EARTHQUAKE
FLOOD
TYPES OF NATURAL DISASTER
FIRE
VOLCANO

FLOOD
FIRE
EARTHQUAKE
TORNADO
VOLCANO
DROUGHT
EARTHQUAKE
FLOOD
DRAIY
FIRE

IDDRR SAMARTH 2024 in R/o GMSS
S Ramshehar
DISASTER
FLOOD
VOLCANO
आपदा प्रबंधन

OFFICE

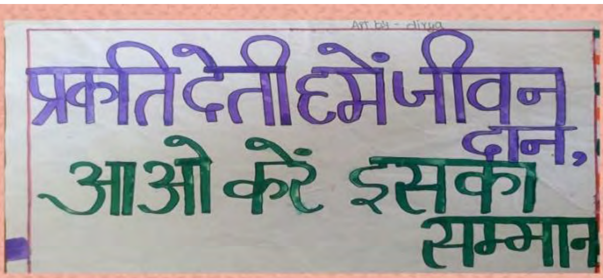
प्रकृति देती हमें जीवन दान,
आओ करें इसका सम्मान

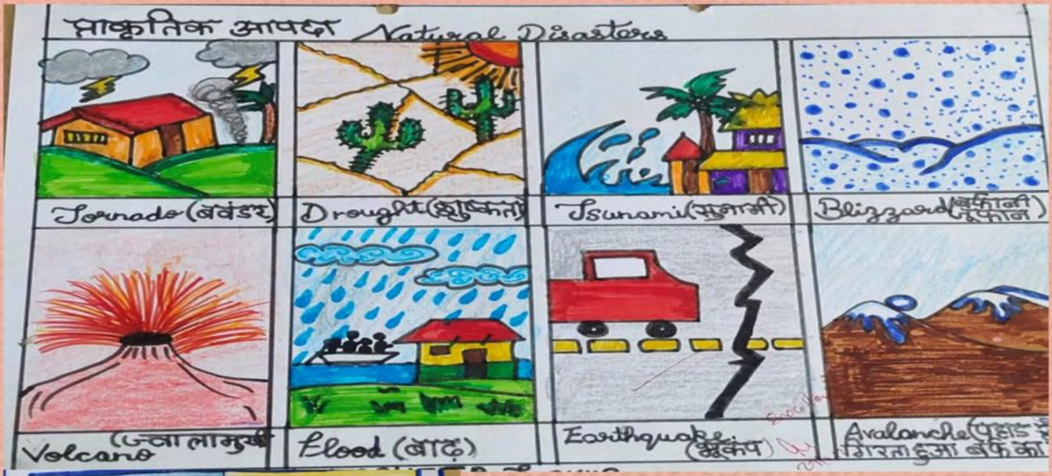
प्राकृतिक आपदा Natural Disasters
Tornado (बवंडर)
Drought
Tsunami (सुनामी)
Blizzard
Volcano (ज्वालामुखी)
Flood (बाढ़)
Earthquake (भूकंप)
Avalanche

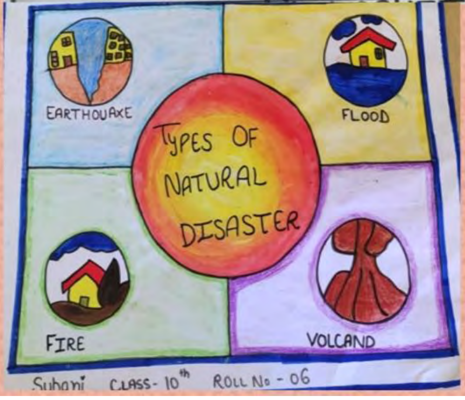
EARTHQUAKE
FLOOD
TYPES OF NATURAL DISASTER
FIRE
VOLCANO
Suhani CLASS- 10th ROLL No - 06

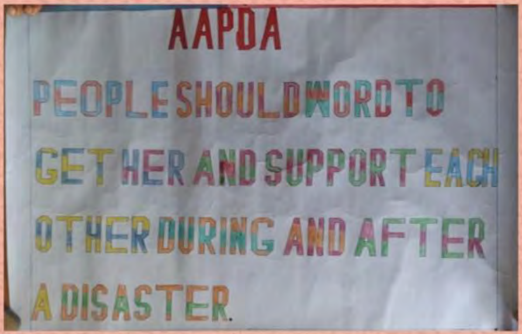
AAPDA
PEOPLE SHOULD WORD TO
GET HER AND SUPPORT EACH
OTHER DURING AND AFTER
A DISASTER.

## Mock Drill Activity Conduct during Samarth 2024

मा सद्गमय।

भूकंप
के दौरान
झुको
ढको
पकड़ो
शांत रहें
दूर रहें
सिर ढकें

सुविचार

GOVT. SR. SEC. SCHOOL PATTA MASU

VT. SR. SEC. SCHOOL PATTA MA
PRINCIPAL
OFFICE

## Quiz Competition (School Level) during Samarth 2024

## आपदा प्रबंधन टीम ने कक्षाओं में फंसे विद्यार्थियों को निकाला

**सोलन।** राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय डगशाई में आपदा प्रबंधन से संबंधित मॉकड्रिल हुई। प्रधानाचार्य कमल किशोर शर्मा एवं डीपी विकास सकलानी ने विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन की जानकारी दी। उसके बाद मॉकड्रिल करवाने के लिए विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया।

इसके बाद सायरन बजाकर विद्यार्थियों को भूकंप से सचेत किया गया और सूचना समिति द्वारा जानकारी एकत्रित करके, राहत व बचाव समिति को सौंपी गई। फिर राहत व बचाव समिति द्वारा घायल व कक्षा में फंसे विद्यार्थियों को कमरे से निकाल कर सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया, चिकित्सा समिति द्वारा घायल विद्यार्थियों का उपचार किया गया। संवाद

**ब्यूरो, दैनिक हिमाचल न्यूज:-** आपदा जोखिम न्यूनीकरण 'समर्थ' कार्यक्रम के तहत सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग के सौजन्य से 31 अक्तूबर तक लोगों को आपदा से निपटने के लिए गीत-संगीत एवं नाटकों के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है।

## मॉकड्रिल : 15 विद्यार्थियों को आईं भूकंप से चोटें

**सोलन।** सोलन महाविद्यालय में भूकंप के कारण लगभग 15 बच्चों को चोटें आई। स्वास्थ्य जांच के उपरांत पाया गया कि इनमें से पांच बच्चों की हड्डी भी टूटी है। भूकंप के कारण एक बच्चे की मृत्यु भी हो गई। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सोलन की ओर से राजकीय महाविद्यालय सोलन में मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के विद्यार्थियों सहित एनएसएस, एनसीसी के लगभग 100 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिला आपदा प्रबंधन के विशेषज्ञ प्रदीप ठाकुर ने आपदा के समय बचाव के लिए किए जाने वाले बचाव कार्य व उपाय के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

# आपदा के बारे में किया जागरूक

सोलन। आपदा जोखिम न्यूनीकरण समर्थ कार्यक्रम के तहत सूचना एवं जन संपर्क विभाग की ओर से 31 अक्तूबर तक लोगों को आपदा से निपटने के लिए गीत-संगीत एवं नाटकों के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है।

समर्थ कार्यक्रम के तहत मंगलवार अर्की विधानसभा क्षेत्र की राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला सूरजपुर, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला घड़याच में पूजा कलामंच बाड़ीधार सरयांज, सोलन के कलाकारों द्वारा आपदा से निपटने के उपायों पर लोगों को जागरूक किया गया। कलाकारों द्वारा जानकारी दी गई कि भूकंप, भूस्खलन चक्रवात आदि आपदाएं अचानक से ही आ जाती हैं।

इन आपदाओं को रोका तो नहीं जा सकता लेकिन इनसे बचने के इंतजाम पहले से ही किए जा सकते हैं। उपायों के माध्यम से जान-माल के नुकसान को कम किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि हिमाचल एक संवेदनशील राज्य है। जहां पर वर्षा, भूकंप या बाढ़, जमीन धंसने की घटनाओं की संभावना अधिक रहती है। संवाद

# आपातकालीन हैल्पलाईन नम्बर

## एमरजैन्सी के दौरान सम्पर्क करें :-

| | |
|---|---|
| एकल आपातकालीन नंबर | 112 |
| पुलिस कंट्रोल रुम नंबर | 100 |
| आग लगने पर कॉल करें | 101 |
| एम्बुलैंस हैल्पलाईन नंबर | 102/108 |
| चाईल्ड हैल्पलाईन नंबर | 1098 |
| गुड़िया हैल्पलाईन नंबर | 1515 |
| राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र | 1070 |
| जिला आपातकालीन परिचालन केन्द्र | 1077 |
| साईबर क्राइम सेल | 1930 |
| महिला पुलिस हैल्पलाईन नंबर | 1091 |
| होशियार सिंह हैल्पलाईन | 1090 |

**DISTRICT DISASTER MANAGEMENT AUTHORITY SOLAN (H.P.)**
**TOLL FREE NO. : 1077 TELEPHONE NO. : 01792-220049, 220882**

A Report on

Celebration of SAMARTH -2024 (1st October 2024 to 15th October 2024) on the occasion of

"International Day of Disaster Risk Reduction (IDDRR)"

A Mass Awareness Campaign for Disaster Risk Reduction

***"Empowering the next generation for a resilient future"***

# District Disaster Management Authority (DDMA), Una, Himachal Pradesh

**SAMARTH – 2024**

Every year the SAMARTH event is being celebrated on 13th October to raise the awareness about the Disaster Risk Reduction (IDDR) measures. The event is named SAMARTH, and its spans two weeks in which various activities are organized at the State, District and Local Level, including workshops, exhibitions, various competitions and street plays at community level, and Gram Sabha Meetings at each Gram Panchayat.

**Following Activities done under the banner of SAMARTH by District Disaster Management Authority Una:**

| S. No. | Activity | Action | Venue | Dates |
|---|---|---|---|---|
| 1. | **Gram Sabha Meeting** | Direction has been issued to DPO, and DRDA to organize the Gram Sabha Meeting on 2nd October 2024. | Gram Sabha Meeting at each Gram Panchayat with agenda regarding the Disaster Risk Reduction. | 02-10-2024 |
| 2. | **Nukkad Natak** | NukkadNatak on Disaster Awareness and Safe Construction has been conducted by the Folk Groups. | **Una** | |
| | | | 1. **Bus Stand Una** | 07.10.2024 |
| | | | 2. **Bus stand Santoshgarh** | 07.10.2024 |
| | | | **Amb** | |
| | | | 1. **Bus Stand Chintpurni** | 11.10.2024 |
| | | | 2. **Gram Panchayat Panjoa** | 11.10.2024 |
| | | | **Bangana** | |
| | | | 1. **Gram Panchayat Dhundla** | 10.10.2024 |
| | | | 2. **Gram Panchayat Raipur Maidan** | 10.10.2024 |
| | | | **Haroli** | |
| | | | 1. **Bus Stand Haroli** | 08.10.2024 |
| | | | 2. **GP Bathu** | 08.10.2024 |
| | | | 3. | |
| | | | **Gagret** | |
| | | | 1. **Gram Panchayat Ghanari** | 09.10.2024 |
| | | | 2. **Bus Stand Gagret** | 09.10.2024 |
| 3. | **Popularization of School Safety App** | Elementary & Higher Education: UDISE code of the Government and Private Schools of the district has been activated by DDMA Una. | | 01-10-2024to 15-10-2024 |
| 4. | **Competition for all the schools by BPEO/ Deputy Director Higher & Elementary Education.** | Higher Education and Elementary Education had conducted the activities under the SAMARTH 2024. | 1. Slogan Writing<br>2. Quiz on Disaster<br>3. Painting and Poster Making<br>4. Essay Writing | 02-10-2024 to 09-10-2024 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 5. | **Training and Capacity building on Safe Construction practices** | Training was imparted to the District & Block Level J.Es and technical Assistant of the Panchayati Raj Department regarding safe construction practices activities | 30-09-2024 |
| 6. | **Remembrance to the peoples who lost their lives due to the disasters.** | All Educational Institutions Schools, Colleges, ITIs had conducted the 2 Minutes Silence and remembrance to the peoples who lost their lives due to the disasters on 14th October 2024. | 12-10-2024 |
| 7. | **Mock Drill on Fire Safety** | Mock Drill Conducted at New Mini Secretariat, District HQ, Una on 14-10-2024, 11.00 AM to aware the general public, Office Staff and preparedness of the District Administration. | 14-10-2024 |

## Some Glimpse of Activities of SAMARTH

### 1. Gram Sabha Meeting:-

The Gram Sabha meeting of 2 October focused on *Disaster Management and Safe Construction Practices*. The session highlighted the importance of proactive disaster preparedness at the village level and emphasized safe construction as a critical factor in reducing risk during disasters. Under *Samarth - 2024*, as part of *International Disaster Risk Reduction Week*, the District Disaster Management Office, Una, organized a public awareness campaign on earthquake and flood-safe construction across all panchayats in the Una district. Engineers and technical assistants from the district and block levels raised awareness among villagers about the importance and methods of safe construction.

Along with government departments, eight non-governmental organizations played an active role in this campaign. These included *EkMaukaEkUmeed Gagret*, *Ankur Welfare Association Gagret*, *District Red Cross Society Una*, *Blood Lions Una*, *ChintpurniVikasSamiti Amb*, and *Society for Human Awareness Motivation and Action (SHAMA)*. Additionally, *AapdaMitra* volunteers and youth volunteers trained by the District Disaster Management Authority also contributed by educating people at the village level and in Gram Sabha meetings.

Industries in the Una district also supported the campaign. *Nestle India Private Limited*, *Tahliwal* organized an awareness camp in JalgranTabba village, while *Salson Steel Industrial Unit Gagret* conducted awareness activities on safe construction in the Ambota Panchayat of Gagret block.

In the JalgranTabba Gram Panchayat, an awareness camp on safe construction was organized with the collaboration of the District Disaster Management Office Una, Block Development Office Una, and Nestle India Limited. The Block Development Officer of Una, Mr. Kishori Lal Verma, also educated the people present in the Gram Sabha about safe construction practices.

In the Rainsari Gram Panchayat, an awareness camp on safe construction was organized with the collaboration of the District Disaster Management Office Una, Block Development Office Una, and the Society for Human Awareness, Motivation, and Action (SHAMA). The Block Development Officer of Una, Mr. Kishori Lal Verma, alsoinformed the people present in the Gram Sabha about safe construction practices.

V. Nangal Jarialan
Block Gagret

V. Dangoh Khas
Block Gagret, Una
2024
Building a Safer Future: Community Awareness Progr
on Safe Construction Practices"
Organised by
Ek Mauka Ek Umeed NGO
(Convener, District Inter Agency Group, Una)
in collaboration with District Disaster Management Una
District Disaster Management Authority (DDMA) Una
O/o Deputy Commissioner, Una (H.P.)
Contact No: 01975- 225049, 225045, 225046, 225052, 225059 Toll Free: 1077
Email: ddmauna@gmail.com, Facebook Page: facebook.com/ddmauna

PANCHAYAT BHAWAN AMBOA
GP Amboa
Block Gagret

SWACHHATA HI SEVA 2024

2024
Building a Safer Future: Community Awareness Progr
on Safe Construction Practices"
Organised by
Ek Mauka Ek Umeed NGO
(Convener, District Inter Agency Group, Una)
in collaboration with District Disaster Management Una
District Disaster Management Authority (DDMA) Una
O/o Deputy Commissioner, Una (H.P.)
Contact No: 01975- 225049, 225045, 225046, 225052, 225059 Toll Free: 1077
Email: ddmauna@gmail.com, Facebook Page: facebook.com/ddmauna

राजीव गांधी सामुदायिक भवन
ग्राम पंचायत भद्रकाली

2024
"Building a Safer Future: Community Awareness Program
on Safe Construction Practices"
Organised by
Ek Mauka Ek Umeed NGO
(Convener, District Inter Agency Group, Una)
in collaboration with District Disaster Management Una
District Disaster Management Authority (DDMA) Una
O/o Deputy Commissioner, Una (H.P.)
Contact No: 01975- 225049, 225045, 225046, 225052, 225059 Toll Free: 1077
Email: ddmauna@gmail.com, Facebook Page: facebook.com/ddmauna

V. Bhaderkali,
Block Gagret, Una

In the Gram Panchayats of Bhadrakali, Amboa, Ghanari, Ambota, and Dangoh in the Gagret block, the organization *EkMaukaEkUmeed* from Gagret raised awareness among the people present in the Gram Sabha on the topics of safe construction and disaster management.

In the Gram Panchayats of Lower Andora, Upper Andora, Sapori, and KuthedaKhairla in Amb block, and Kalruhi Gram Panchayat in Gagret block, the organization *Chintpurni Vikas Samiti Amb* raised awareness among the people present in the Gram Sabha on the topics of safe construction and disaster management.

At the Government Senior Secondary School Ambota, the *Ankur* organization from Gagret, along with *AapdaMitra* volunteers Anita and Ashish, conducted an awareness session on disaster management for school students. The organization continued this campaign in various schools until October 14, 2024.

In the Balh Gram Panchayat of Bangana block, the *Blood Lions* organization from Una raised awareness among people present in the Gram Sabha on the topics of safe construction and disaster management.

In the Badoli Gram Panchayat of Una block, the District Red Cross Society Una raised awareness among the people present in the Gram Sabha on the topics of safe construction and disaster management.

In the Ambota Gram Panchayat, the Salson Steel Industrial Unit Gagret and the *EkMaukaEkUmeed* organization, with the support of the Block Development Officer of Gagret, raised awareness among the people present in the Gram Sabha about safe construction practices.

In the Bhadsali Gram Panchayat of Haroli block, Aapda Mitra Jagdeep raised awareness among the people present in the Gram Sabha on the topic of disaster management.

In Gram Panchayat Palakwah, Development Block Haroli, the youth volunteers of District Disaster Management raised awareness on the topic of disaster management among the people present in the Gram Sabha.

Youth volunteers from District Disaster Management, Una, participated in the Gram Sabha at Gram Panchayat Lower Basal, Development Block Una.

In Gram Panchayat Peepalu, Development Block Bangana, Akshay, a disaster volunteer (Aapda Mitra) from District Disaster Management, raised awareness on the topic of disaster management among the people present in the Gram Sabha.

पंजाब केसरी WED,02 OCTOBER 2024 EDITION: UNA KESARI,

**धलवाड़ी स्कूल में समर्थ कार्यक्रम शुरू**

भरवाईं, 1 अक्तूबर (जुगल): राजकीय उच्च पाठशाला धलवाड़ी में आपदा मित्र संदीप शर्मा के मार्गदर्शन में इंटरनैशनल डिजास्टर रिस्क रिडक्शन सप्ताह के अंतर्गत समर्थ नामक कार्यक्रम की शुरूआत की गई। संदीप शर्मा ने बताया कि राज्य स्तर पर 1 से 13 अक्तूबर तक समर्थ कार्यक्रम मनाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों को आपदाओं के बारे में जागरूक किया जाएगा।

मुख्याध्यापक सुधीर गौतम ने बताया कि समर्थ कार्यक्रम के अंतर्गत आपदा प्रबंधन हेतु राजकीय उच्च विद्यालय धलवाड़ी में प्रतिदिन गतिविधियां अमल में लाई जाएंगी जिसमें प्रार्थना सभा में आपदा प्रबंधन की जानकारी शिक्षकों द्वारा दी जाएगी। इस मौके पर भाषण व पेंटिंग प्रतियोगिता करवाई जाएगी, साथ ही फ्लैश फ्लड एवं भूकंप के दौरान बचाव कार्यों की मॉकड्रिल भी करवाई जाएगी।

## 2.Nukkad Natak Performance in all Sub Division of District Una

NukkarNatak/ Street Plays served as an effective tool for disseminating crucial information regarding disaster risks and responses to the community. To ensure the success of this campaign, DDMA Una collaborate with empanelled Folk groups identified by DPRO Una for the execution of a total 10 NukkarNatak/ Street Play, minimum three in each Sub-division across the District from 1st to 15th October 2024 at mass gathering places. These plays were performed in various location of the district mainly in public places, schools, Technical Institutions, Colleges etc. to aware the general public and students about the Disaster Risk Reduction and Safe Construction Practices.

CANTEEN
2024
OPPO A12
2024/10/07 10:51

CANTEEN
2024
OPPO A12
2024/10/07 11:01

OPPO A12

OPPO A12

समर्थ
2024
"आपदा जोखिम न्यूनीकरण हेतु राज्यस्तरीय जन जागरूकता अभियान"
आपदा प्रबंधन पर नुक्कड़ नाटक
District Public Relation Office Una
OPPO A12
2024/10/08 10:45

3. Some Glimpse of District level competitions of the Topic of Safe Construction Model organised by Education Department and DDMA Una:

Block Level Competition:-

| Sr. No. | Block | Date | Venue |
|---|---|---|---|
| 1 | Una | 25.09.2024 | G.Girls. SSS Una |
| 2 | Haroli | 25.09.2024 | GSSS Haroli |
| 3 | Bangana | 25.09.2024 | GSSS Thanakalan |
| 4 | Gagret | 25.09.2024 | GSSS Kaloh |
| 5 | Amb | 25.09.2024 | GSSS Amb |

## Some Glimpses of District Level Competition:-

## 4. Some Glimpses of various activities conducted in Various schools

Competitions for schools, from 1st to 9th October 2024 on Disaster Risk Reduction.

i. Slogan Writing Competition (on placards).

ii. Quiz Disasters.

iii. Painting and Poster Making Competition.

iv. Essay Writing Competition for Schools.

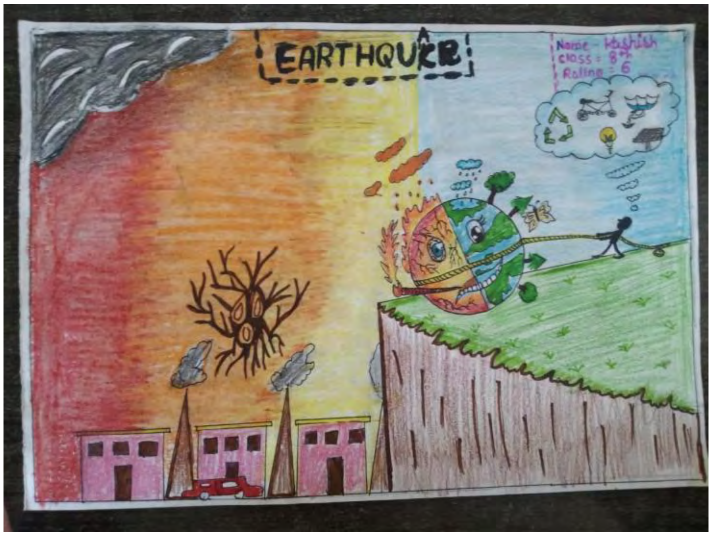

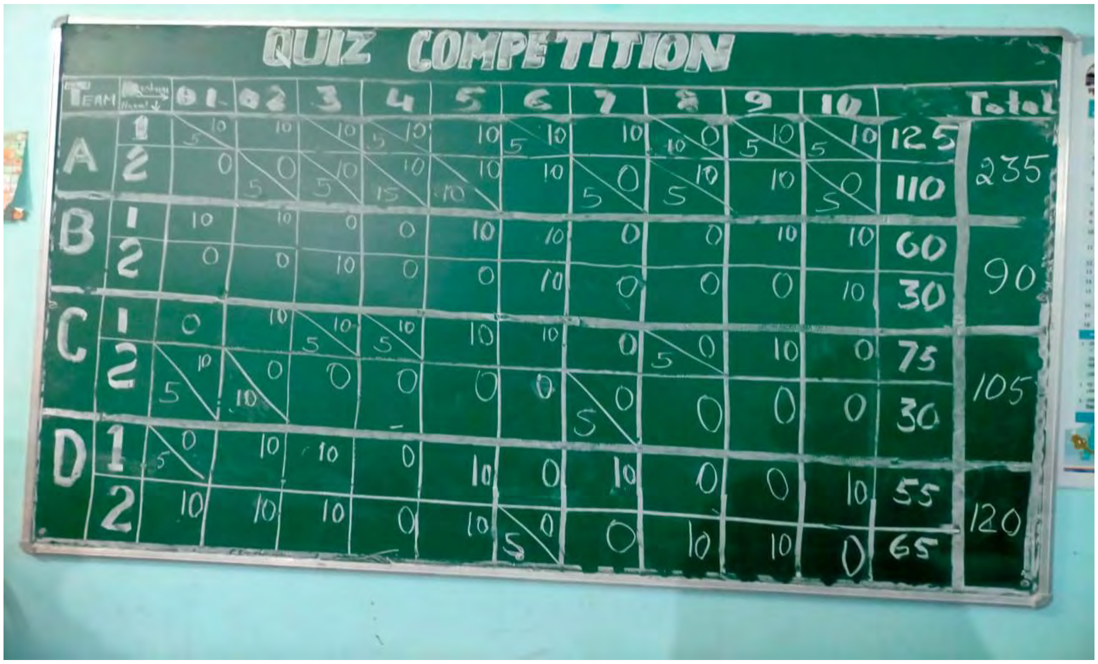
QUIZ COMPETITION

Go Green
SAVE OZONE
SAVE OZONE

FLOOD
FIRE
EARTHQUAKE
TORNADO
VOLCANO
DROUGHT

PRIDHI
10th

(N-4)

Topic.......... Date..........

# आपदा प्रबंधन

आपदा एक प्रकार की बड़ी समस्या या संकट है जिसे रोक पाना बहुत ही मुश्किल है। आपदा कुछ समय के लिए ही होती है लेकिन इतने से समय में ही ये जीवन और संपत्ति का बड़े पैमाने पर नुकसान कर देती है।
आपदा प्राकृतिक या मानव निर्मित हो सकती है भूकम्प, तूफान, चक्रवात, सुनामी, बाढ़, सूखा, बिजली गिरना और जंगलों में आग लगना प्राकृतिक आपदा के उदाहरण है। आतंकवाद, दंगे और कोरोना महामारी कुछ मानव जनित आपदा के उदाहरण है।

इन प्राकृतिक और मानव जनित आपदाओं से जीवन और संपत्ति की रक्षा करने के लिए उचित उपाय बनाना ही आपदा प्रबंधन है। आपदा प्रबंधन हमें इन आपदाओं से होने वाले भारी नुकसान को कम करना सिखाता है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण भारत सरकार द्वारा 30 मई 2005 को स्थापित किया गया था जो सरकार को प्राकृतिक और मानव जनित आपदाओं के प्रबंधन के बारे में विभिन्न योजनाएं बताता है।

Designer Sheet namish
The best for you

**5.Some Glimpse of remembrance to the peoples who lost their lives due to the disasters on 12th October 2024 in all educational institutions Schools, Colleges, ITIs had conducted the 2 Minutes Silence.**

## 6. Some Glimpse of Mock Drill Activities in all Educational Institutions of District Una on 14th October 2024

VOCATIONAL
GOVT. SEN. SEC. SCHOOL
PANDOGA DISTT. UNA (H.P)
U DISE No. 2070303601.
LAB

14

## 7. District level Workshop on the Safe Construction practices and EQ retrofitting for the District level AE, JEs

As a part of this campaign, one of the key activity is a Training and capacity building on safe construction Practices of ESS Staff, PRIs, ULBs & Education Institutions on Safe Construction Practices. In view of this, one day awareness workshop on safe construction Practices at DRDA Una for the members of PRI on 23-09-2024.

## 8. Some Glimpse of Block Level workshop for Safe Construction Practices

## 9. Some glimpse of Mock Drill on fire scenario conducted at New Mini Secretariat, District HQ, Una.

Mock Drill Conducted at New Mini Secretariat, District HQ, Una on 14-10-2024, 11.00 AM to aware the general public, Office Staff and preparedness of the District Administration.

हिमाचल अग्निशमन सेवाएँ

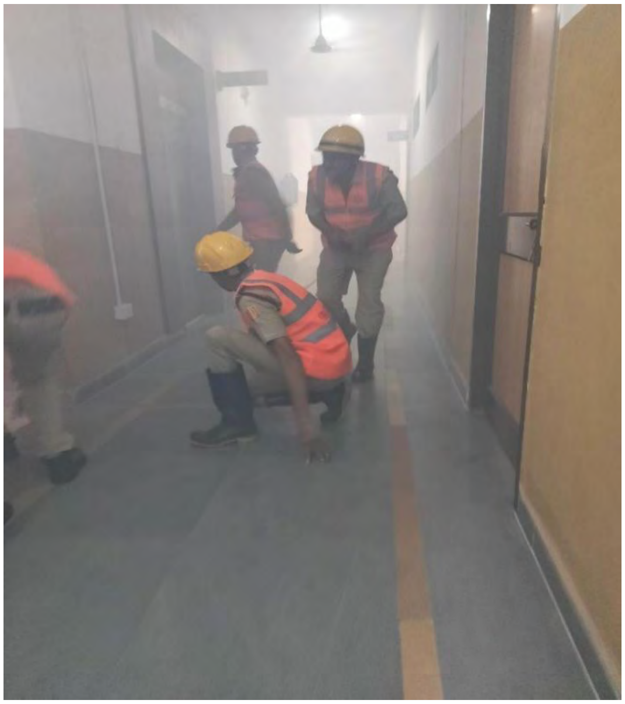

# 10.Media Coverage

## स्वयंसेवकों को बताए आग से बचाव के गुर

**ऊना।** राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नंगड़ा में चल रहे एनएसएस शिविर में बुधवार को विशेष सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें स्वयंसेवकों ने सुबह के सत्र में स्कूल परिसर में साफ-सफाई का कार्य किया। वहीं शाम के सत्र में अग्निशमन विभाग के अधिकारियों द्वारा स्वयंसेवकों को आग की रोकथाम के लिए जागरूक किया गया। इस दौरान उन्होंने स्वंयसेवकों को अग्नि के प्रकार, कारण और उनकी रोकथाम के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी गई। इस मौके पर एनएसएस स्वयंसेवी, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी हरीश पाल शर्मा ओर परवेश कुमारी उपस्थित रहे।

*चिंतपूर्णी : जागरूकता रैली निकालते चिंतपूर्णी के छात्र।* (हिमांशु)

## वनों में लगने वाली आग को लेकर निकाली जागरूकता रैली

चिंतपूर्णी, 23 अक्तूबर (हिमांशु): प्रदेश में वन विभाग के साथ मिलकर हंस संस्था जंगलों में लगने वाली आग की रोकथाम को लेकर अभियान चला रही है।

इसके लिए आज चिंतपूर्णी के राजकीय माध्यमिक पाठशाला नारी के साथ मिलकर एक रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में हंस संस्था के खंड समन्वयक किरण पंवर के साथ सामाजिक संयोजक निवेश शर्मा, तमन्ना कांडा, मल्लिका एवं ईशु सैनी, मुख्य अध्यापिका रमा शर्मा, अध्यापक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। रैली के माध्यम से समाज को वनों के महत्व एवं वनों को आग से बचाने के लिए संदेश दिया गया। बच्चों ने इस कार्यक्रम में विभिन्न पोस्टरों के माध्यम से बढ़-चढ़कर भाग लिया।

## बागवानी विभाग ने सीखा आग बुझाने का हुनर

**ऊना/सुशील पंडित :** बागवानी विभाग के स्टाफ ऊना ने समर्थ कार्यक्रम के तहत आग से लड़ने के गुर सीखे। जागरूकता अभियान की मुहिम में उपनिदेशक कार्यालय ऊना में आग के बारे मे विस्तार से जानकारी दी गई। अग्निशमन अधिकारी सुरेश कुमार ने बताया कि मॉक ड्रिल में फायरमैन मुकेश कुमार व चंद्रमोहन टीम ने बागवानी विभाग में आग को लेकर स्टाफ को जागरूक किया गया है। आग व आपदा के समय आगे आकर

अपना बचाव करते हुए अनमोल जानों को बचाने में भूमिका निभाने के टिप्स दिए। जागरूकता मुहिम मे फायरमैन मुकेश कुमार ने कहा कि मानवीय सेवा के लिय हम सब को हर वक्त तैयार रहना चाहिए। उन्होंने आग के प्रकार व प्रयोग होने वाले अग्निशमन यंत्रों का प्रयोग करने के तरीके बताए। उन्होंने बताया कि आग की घटना घटित होने पर टोल फ्री नंबर 101 डायल करें। ओर अग्निशमन विभाग की सेवाए लें।

## आग लगे तो डायल करें 101 नंबर

ऊना 247 सुपरफास्ट डिजिटल संस्करण

**बागवानी विभाग ने सीखा आग बुझाने का हूनर**

बागवानी विभाग के स्टाफ ऊना ने समर्थ कार्यक्रम के तहद आग से लड़ने के गुर सीखे। जागरूकता अभियान की मुहिम में उपनिदेशक कार्यालिय ऊना में आग के बारे मे विस्तार से जानकारी दी गई। अग्निशमन अधिकारी सुरेश कुमार ने बताया कि मॉक ड्रिल में फायरमैन मुकेश कुमार व चंद्रमोहन टीम ने बागवानी विभाग में आग को लेकर स्टाफ को जागरूक किया गया है। आग व आपदा के समय आगे आकर अपना बचाव करते हुए अनमोल जानों को बचाने में भूमिका निभाने के टिप्स दिए। जागरूकता मुहिम में फायरमैन मुकेश कुमार ने कहा कि मानवीय सेवा के लिय हम सब को हर वक्त तैयार रहना चाहिए। उन्होंने आग के प्रकार व प्रयोग होने वाले अग्निशमन यंत्रों का प्रयोग करने के तरीके वताए। वताया गया की आग की घटना घटित होने पर टोल फ्री नंबर 101 डायल करें।ओर अग्निशमन विभाग की सेवाए लें। इस दौरान ये भी बताया कि आग आपदा के समय अपना बचाव करते हुए अन्य लोगों की अनमोल जानों को बचाने का जिम्मा हम सभी का होता है। ऐसी स्थिति में हमें अपनी आत्मरक्षा करने व जान माल को बचाने का हूनर होना सबके लिए जरूरी है। उन्होंने आग के बर्गीकरण के अनुसार आग को बुझाने के तरीके विस्तार से बताएं।प्रेक्टिकल करके दिखाए गए। और स्टाफ से अभ्यास करवाया गया।

## ऊना जिला 'सुरक्षित निर्माण मॉडल' में अव्वल

ऊना, 14 अक्तूबर (सुरेन्द्र) : ऊना जिला 'सुरक्षित निर्माण मॉडल' को लेकर आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में अव्वल रहा है। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने अंतर्राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस 'समर्थ-2024' के उपलक्ष्य पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में जिले के हरोली उपमंडल की राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कांगड़ की छात्रा चाहत और छात्र राजवीर को 'सुरक्षित निर्माण मॉडल' में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर 10,000 रुपए नकद पुरस्कार, स्मृतिचिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। यह समारोह सोमवार को गेयटी थिएटर रिज मैदान शिमला में आयोजित किया गया। चाहत 9वीं कक्षा और राजवीर 7वीं कक्षा का छात्र है। पुरस्कृत 'सुरक्षित निर्माण मॉडल' को दोनों ने मिलकर तैयार किया था।

उल्लेखनीय है कि समर्थ-2024 अभियान के तहत आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रदेश के सभी जिलों के शिक्षण संस्थानों में स्कूली और कालेज वर्ग में जूनियर और सीनियर श्रेणियों में 'सुरक्षित निर्माण मॉडल' प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। जिला स्तर पर सर्वश्रेष्ठ मॉडल का चयन कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए भेजा गया।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 7 अक्तूबर को सैंटर फॉर साइंस लर्निंग एंड क्रिएटिविटी साइंस म्यूजियम शोघी में हुई, जिसमें सभी 12 जिलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कांगड़ स्कूल की चाहत और राजवीर ने प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि चम्बा की टीम ने द्वितीय और कुल्लू के दल ने तृतीय स्थान हासिल किया। विजेता टीमों को क्रमशः 10,000, 7,500 और 5,000 रुपए नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। जिला नोडल अधिकारी (इम्पायर) पुष्पा रानी इस प्रतियोगिता में टीम ऊना के साथ रहीं।

कांगड़ स्कूल की प्राचार्य स्नेह लता, विज्ञान अध्यापिका मीना राणा और स्कूल स्टाफ ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे सभी के लिए गर्व का विषय बताया। उपायुक्त जतिन लाल ने बच्चों की सराहना करते हुए कहा कि इन युवा प्रतिभाओं ने न केवल अपने स्कूल का नाम रोशन किया है, बल्कि पूरे जिले को प्रेरित किया है।

## 'सुरक्षित निर्माण मॉडल' में जिले के होनहार अव्वल

### राज्य स्तरीय जूनियर वर्ग प्रतियोगिता में हरोली के कांगड़ स्कूल की चाहत और राजवीर प्रथम

संवाद न्यूज एजेंसी

ऊना। जिला 'सुरक्षित निर्माण मॉडल' को लेकर आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में अव्वल रहा। सोमवार को अंतरराष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस 'समर्थ-2024' के उपलक्ष्य पर गेयटी थिएटर, रिज मैदान, शिमला में समारोह आयोजित हुआ।

इस राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने हरोली उपमंडल के कांगड़ स्कूल की छात्रा चाहत और छात्र राजवीर को 'सुरक्षित निर्माण मॉडल' में प्रथम स्थान पाने पर 10,000 रुपये नकद पुरस्कार, स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया। चाहत नौवीं कक्षा और राजवीर सातवीं कक्षा के छात्र हैं। पुरस्कृत 'सुरक्षित निर्माण मॉडल' को दोनों ने मिलकर तैयार किया था।

गौर हो कि समर्थ-2024 अभियान के तहत प्रदेश के सभी जिलों के स्कूल व कॉलेज वर्ग में जूनियर व सीनियर श्रेणियों में 'सुरक्षित निर्माण मॉडल' प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ था। जिला स्तर पर सर्वश्रेष्ठ मॉडल का चयन कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए भेजा गया। यह प्रतियोगिता 7 अक्तूबर को सेंटर फॉर साइंस लर्निंग एंड क्रिएटिविटी, साइंस म्यूजियम, शोघी में हुई। इसमें 12 जिलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

वहीं, कांगड़ स्कूल की चाहत और राजवीर ने प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि चंबा की टीम ने द्वितीय और कुल्लू के दल ने तृतीय स्थान हासिल किया।

वहीं, विजेता टीमों को क्रमशः 10,000, 7500 रुपये और 5000 रुपये नकद पुरस्कार प्रदान किए। जिला नोडल अधिकारी (इंस्पायर) पुष्पा रानी इस प्रतियोगिता में टीम ऊना के साथ रहीं। उपायुक्त जतिन लाल ने बच्चों की सराहना करते हुए कहा कि इन युवा प्रतिभाओं ने अपने स्कूल का नाम रोशन किया है। यह सफलता दर्शाती है कि युवा सोच किस प्रकार हमारी सामाजिक सुरक्षा में योगदान करने के साथ ही समस्याओं के समाधान का मार्ग प्रशस्त कर सकती है।

राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री सुक्खू नकद पुरस्कार व स्मृति चिह्न देकर मेधावियों को सम्मानित करते। स्रोत : आयोजक

**शिमला में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सुक्खू ने किया सम्मानित**

# मॉडल प्रतियोगिता में कांगड़ स्कूल की टीम रही अव्वल

## सीएम सुक्खू ने गेयटी में विजेता किए सम्मानित

शिमला। गेयटी थियेटर शिमला में आयोजित अंतरराष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस समर्थ-2024 कार्यक्रम में मॉडल बिल्डिंग प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। विजेताओं को मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने सम्मानित किया।

इसमें उच्च विद्यालय श्रेणी में ऊना जिले के पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कांगड़ ने पहला, चंबा के राजकीय उच्च विद्यालय टाप्पर ने दूसरा और कुल्लू जिला के राजकीय उच्च विद्यालय बडाह ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय श्रेणी में सिरमौर के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सराहन ने पहला, हमीरपुर के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जोल सप्पर ने दूसरा और कांगड़ा के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भदवर ने तीसरा स्थान हासिल किया। महाविद्यालय श्रेणी में पीजी कॉलेज बिलासपुर ने पहला स्थान पाया।

पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय टुटू और सूचना एवं जन संपर्क विभाग ने नुक्कड़ नाटक से आपदा बचाव का संदेश दिया। कार्यक्रम में मानसून के दौरान समेंच, बागीपुल और राजबन में बादल फटने की घटना के दौरान उल्लेखनीय कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया। संवाद

# चाहत व राजवीर 'सुरक्षित निर्माण मॉडल' में प्रथम

हिमाचल दस्तक ▮ ऊना

ऊना जिला सुरक्षित निर्माण मॉडल आयोजित राज्यस्तरीय प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में अव्वल रहा है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने अंतरराष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में ऊना जिले के हरोली उपमंडल की राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कांगड़ की छात्रा चाहत और छात्र राजवीर को 'सुरक्षित निर्माण मॉडल' में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर 10,000 रुपये नकद पुरस्कार, स्मृति चिह्न और प्रशस्तिपत्र से सम्मानित किया। यह समारोह सोमवार को गेयटी थियेटर, रिज मैदान, शिमला में आयोजित किया गया। चाहत नौवीं कक्षा और राजवीर 7वीं कक्षा के छात्र हैं। बता दें कि समर्थ-2024 अभियान के तहत आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रदेश के सभी जिलों के शिक्षण संस्थानों में स्कूली और कॉलेज वर्ग में जूनियर और सीनियर श्रेणियों में सुरक्षित निर्माण मॉडल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। जिला स्तर पर सर्वश्रेष्ठ मॉडल का चयन कर राज्यस्तरीय प्रतियोगिता के लिए भेजा गया। कांगड़ स्कूल की चाहत और राजवीर ने प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि चंबा की टीम ने द्वितीय और कुल्लू के दल ने तृतीय स्थान हासिल किया। विजेता टीमों को क्रमशः 10,000 रुपये, 7,500 रुपये और 5,000 रुपये नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। जिला नोडल अधिकारी (इंपायर) पुष्पा रानी इस प्रतियोगिता में टीम ऊना के साथ रहीं। उपायुक्त जतिन लाल ने बच्चों की सराहना करते हुए कहा कि इन युवा प्रतिभाओं ने न केवल अपने स्कूल का नाम रोशन किया है, बल्कि पूरे जिले को प्रेरित किया है।

**▮ सीएम ने विजेताओं को किया सम्मानित**

# स्वयंसेवियों को बताए आग से बचने के उपाय

बढ़ेडा स्कूल में एनएसएस कैंप में अग्नि सुरक्षा पर जानकारी देते। -संवाद

टाहलीवाल (ऊना)। रावमापा बढ़ेडा स्कूल में आयोजित एनएसएस शिविर के दौरान अग्निशमन चौकी टाहलीवाल की टीम ने विद्यार्थियों आग से बचने के उपाय के बारे जागरूक किया। टीम के प्रभारी सुनील दत्त व उनकी टीम छात्रों को आग से बचाव और सुरक्षा के उपायों के बारे में जानकारी दी। सुनील दत्त ने आग लगने की स्थिति में बरती जाने वाली सावधानियों, फायर एक्सटिंग्विशर के उपयोग, आग लगने पर किस प्रकार की त्वरित प्रतिक्रिया दी जानी चाहिए, इस बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने छात्रों को समझाया कि समय पर सही कदम उठाने से जीवन और संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। संवाद

# टकारला स्कूल में मॉक ड्रिल का आयोजन

टकारला स्कूल में आग बुझाने की जानकारी लेते विद्यार्थी। स्रोतः संस्थान

ऊना। रावमापा टकारला में आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस मनाया गया। सुबह प्रार्थना सभा के बाद आपदा से निपटने के उपाय तथा उसे बचाव कैसे करना है इसके बारे में मॉक ड्रिल के माध्यम से जागरूक किया गया। इसके अलावा अग्निशमन यंत्रों के उपयोग तथा उन्हें प्रयोग करके आग बुझाने का ढंग भी विद्यार्थियों को बताए गए। इस दौरान प्रधानाचार्य अनिल बख्शी ने अग्निशमन केंद्र से आए हुए कर्मचारी और अधिकारियों का विद्यालय में आकर बच्चों को प्रशिक्षण देने पर आभार जताया। इस मौके पर स्कूल स्टाफ सदस्य व विद्यार्थी मौजूद रहे। संवाद

अग्निशमन कर्मियों के साथ स्वयंसेवी। (सतविन्द्र लट्ठ)

# स्वयंसेवकों ने सीखा आग पर काबू पाना

सवेरा न्यूज/राजीव भनोट

ऊना 17 अक्तूबर : राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बढेडा में चल रहे एनएसएस के सात दिवसीय शिविर के पांचवे दिन टाहलीवाल फायर स्टेशन के प्रभारी सुनील दत्त तथा उनके सहायक रविंद्र दर्शन ने एनएसएस स्वयंसेवकों को आगे के प्रकारों के बारे में जानकारी दी तथा किस प्रकार की अग्नि पर किस अग्निशामक यंत्र का प्रयोग करके उसे पर काबू पा सकते हैं। सुनील दत्त तथा उनके सहायक कर्मियों ने इसके साथ एनएसएस स्वयंसेवकों को आपदा के बारे में बताया की आपदा के समय बिना किसी साधन से किस तरह मदद कर सकतें है तथा आपदा से निपटने की अन्य जानकारियां भी दी गई।

पंजाब केसरी FRI,18 OCTOBER 2024
EDITION: UNA KESARI, PAGE NO. 3

# कर्मचारियों को बताए आग बुझाने के तरीके

## बागवानी विभाग उपनिदेशक कार्यालय ऊना में समर्थ कार्यक्रम के तहत मॉकड्रिल आयोजित

ऊना : समर्थ कार्यक्रम के तहत बागवानी विभाग के स्टाफ सदस्यों को आग बुझाने के गुर सिखाते हुए फायर ब्रिगेड के कर्मी। (विनोद)

ऊना, 17 अक्तूबर (मनोहर): बागवानी विभाग उपनिदेशक कार्यालय ऊना में वीरवार को समर्थ कार्यक्रम के तहत मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। इस दौरान बागवानी विभाग के स्टाफ को आग बुझाने के तरीके बताने के साथ-साथ प्रैक्टिकल करके दिखाया गया।

यही नहीं इसके बाद स्टाफ से अभ्यास करवाया गया और उसे जन-जन तक पहुंचाने का आग्रह भी किया गया। इस मौके पर विभाग के डिप्टी डायरैक्टर डा. के.के. भारद्वाज, अग्निशमन अधिकारी सुरेश कुमार, फायरमैन मुकेश कुमार व चंद्रमोहन सहित टीम मौजूद थी।

अग्निशमन अधिकारी सुरेश कुमार ने बताया कि मॉकड्रिल में बागवानी विभाग को आग व आपदा के समय बरती जाने वाली सावधानियों, आगे आकर अपना बचाव करते हुए अनमोल जिंदगियों को बचाने में भूमिका निभाने के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि यदि आग की घटना होती है तो तुरंत टोल फ्री नंबर 101 डायल कर अग्निशमन विभाग को सूचित करें जिससे समय पर उनकी सहायता हो सके।

फायरमैन मुकेश कुमार व चंद्रमोहन ने आग के प्रकार व अग्निशामक यंत्रों का प्रयोग करने के तरीके बताए। उन्होंने बताया कि आपदा के समय अपना बचाव करते हुए अन्य लोगों की अनमोल जिंदगियों को बचाने का जिम्मा भी हम सभी का होता है। ऐसी स्थिति में आत्मरक्षा के साथ-साथ जान-माल को बचाने का हुनर भी जरूरी है।

## जटहेड़ी स्कूल में मॉक ड्रिल आयोजित

जटहेड़ी स्कूल में आयोजित मॉक ड्रिल में भाग लेते बच्चे। स्रोत: संस्थान

बंगाणा (ऊना)। अंतरराष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस के मौके पर रावमापा जटहेड़ी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर मॉक ड्रिल भी करवाई गई। अध्यापक पंकज कुमार व प्रभात सिंह ने विद्यार्थियों को भूकंप और आग जैसी आपदाओं से निपटना सिखाया गया। साथ की खुद और दूसरों के बचाव के तरीके बताए गए और राहत कार्यों पर विस्तार से जानकारी दी गई। इस मौके पर सभी अध्यापक और विद्यार्थी मौजूद रहे। संवाद

# मिनी सचिवालय की तीसरी मंजिल पर शार्ट सर्किट से लगी आग, बजा सायरन

### प्रशासन ने की मॉक ड्रिल, कर्मचारियों ने घायल चार व्यक्तियों को किया रेस्क्यू

संवाद न्यूज एजेंसी

ऊना। अंतरराष्ट्रीय जोखिम न्यूनीकरण दिवस और समर्थ-2024 अभियान के तहत सोमवार को जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ऊना द्वारा मिनी सचिवालय में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया।

अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) महेंद्रपाल गुर्जर की देखरेख में आयोजित इस मॉक ड्रिल में मिनी सचिवालय के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। यह मॉक ड्रिल आग जैसी आपदाओं के दौरान सुरक्षा तैयारियों का आकलन करने और जन-जागरूकता बढ़ाने पर केंद्रित थी। इससे आपातकालीन परिस्थितियों में जान-माल की सुरक्षा प्रभावी रूप से सुनिश्चित की जा सके।

मॉक ड्रिल के तहत प्रातः 11 बजे मिनी सचिवालय की तीसरी मंजिल पर शॉर्ट-सर्किट से आग

मिनी सचिवालय ऊना में आग लगने की सूचना के बाद राहत कार्य में जुटे कर्मी। संवाद

लगने का परिदृश्य तैयार किया गया। जैसे ही आपातकालीन सायरन बजा, अधिकारी और कर्मचारी निर्धारित सुरक्षित मार्गों से तुरंत बाहर निकले। सचिवालय में उपस्थित आम जनता ने भी धैर्यपूर्वक इस प्रक्रिया का पालन किया। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए यह सुनिश्चित किया कि किसी भी प्रकार की अफरा-तफरी न हो। आपातकालीन संचालन केंद्र ऊना से सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया।

साथ ही, होमगार्ड के कर्मचारी खोज एवं बचाव कार्य में जुट गए। इस मॉक ड्रिल के दौरान सांकेतिक तौर पर घायल हुए चार व्यक्तियों को सुरक्षित रेस्क्यू कर प्राथमिक उपचार के बाद क्षेत्रीय अस्पताल ऊना रेफर किया गया।

इस प्रकार के अभ्यासों से न केवल अधिकारी और कर्मचारी, बल्कि आम जनता भी आपातकालीन स्थितियों में सतर्क और तैयार रहती है, जिससे जान-माल के नुकसान को कम किया जा सकता है। इस मॉक ड्रिल में कमांडेंट होम गार्ड मेजर विकास सकलानी, एएसपी संजीव भाटिया, बटालियन प्रशासनिक अधिकारी धीरज शर्मा, डीडीएमए की समन्वयक सुमन चाहल, एसएफओ सुरेश कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। -महेंद्र पाल गुर्जर

# घनारी में भूकंप से बचने के बताए उपाय

संवाद न्यूज एजेंसी

घनारी (ऊना)। राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला घनारी में सोमवार को भूकंप एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं से तुरंत निपटने के लिए मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया।

इसमें स्कूल प्रशासन की अगुवाई में एनएसएस स्वयंसेवियों एवं विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मॉक ड्रिल में आपदा के दौरान भवनों में फंसे लोगों को कैसे तुरंत सुरक्षित रेस्क्यू किया जा सकता है, इसे पूर्वाभ्यास के माध्यम से दिखाया गया।

इस दौरान प्रधानाचार्य ललित मोहन ने स्कूली बच्चों को आपदा से बचाव के लिए जरूरी एवं व्यावहारिक टिप्स दिए। इस अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी सोनिका चौधरी एवं सतीश के. कालिया ने विद्यार्थियों को आपदा के दौरान भवनों में फंसे लोगों को कैसे तुरंत सुरक्षित रेस्क्यू किया जाए, इस बारे टिप्स दिए गए।

घनारी स्कूल में मॉक ड्रिल में मौजूद स्कूल के बच्चे एवं स्टाफ। संवाद

## दौलतपुर चौक में आपदा से निपटने का दिया प्रशिक्षण

दौलतपुर चौक(ऊना)। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला दौलतपुर चौक में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इसमें आग लगने की आपात स्थिति के दौरान किए जाने वाले विभिन्न उपायों का प्रदर्शन किया गया।

प्रधानाचार्य वासुदेव ठाकुर ने इस कार्यशाला में बच्चों को आग लगने जैसी आपातकालीन स्थिति में कैसे बचना है, इस पर प्रकाश डाला। इस मौके पर फायर स्टेशन ऊना से आए कर्मचारियों ने बच्चों को आग लगने पर आपातकालीन स्थिति में आग के ऊपर कैसे काबू किया जाए, इस बारे बच्चों को जानकारी दी। इस मौके पर प्रवक्ता जसवीर सिंह, मनोज कुमार, हितेश रूबी, प्रवेश, अमित आदि मौजूद रहे। संवाद

## बंगाणा में परखी आपदा प्रबंधन की तैयारी

### मिनी सचिवालय में अग्निशमन विभाग ने मॉक ड्रिल का किया आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

बंगाणा (ऊना)। उपमंडल में सोमवार को मिनी सचिवालय बंगाणा में अग्निशमन विभाग द्वारा एक सफल मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया।

मॉक ड्रिल में एक काल्पनिक स्थिति बनाई गई, जिसमें सचिवालय के एक कमरे में आग लगने की सूचना मिली और कुछ कर्मचारी अंदर फंसे हुए थे। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंची। पेशेवर तरीके से अग्निशामक दल ने आग बुझाने की प्रक्रिया को अंजाम दिया और फंसे हुए कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए विशेष उपकरणों का उपयोग किया। इस प्रक्रिया में चार कर्मचारी गंभीर रूप से घायल पाए गए, जिन्हें स्ट्रेचर और रस्सियों की मदद से बाहर निकाला गया।

इस मौके पर मौजूद डॉक्टरों ने उन्हें प्राथमिक उपचार प्रदान किया तथा उन्हें बाद में एंबुलेंस के माध्यम से बंगाणा सिविल अस्पताल भेजा गया। जिन लोगों को हल्की-फुल्की चोटें आई थीं, उन्हें मौके पर ही उपचार दिया गया।

मॉक ड्रिल में उपमंडल अधिकारी सोनू गोयल, सब फायर ऑफिसर मदनलाल, लीडिंग फायर मैन कुलदीप कुमार और मनजीत सिंह और मिनी सचिवालय के अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे। यह अभ्यास विभाग की तत्परता और आपातकालीन स्थितियों से निपटने की उनकी क्षमता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

# विद्यार्थियों को सिखाए आग से सुरक्षा के गुर

अंब (ऊना)। महाराणा प्रताप राजकीय महाविद्यालय अंब में अंतरराष्ट्रीय आपदा दिवस के उपलक्ष्य में आग से सुरक्षा की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करने के लिए एक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया।

मॉक ड्रिल का उद्देश्य छात्रों और कर्मचारियों को आग से सुरक्षा के मामलों में सजगता लाना रहा। यह मॉक ड्रिल फायर ब्रिगेड इंचार्ज लकी चौधरी और उनकी टीम के मार्गदर्शन में की गई। उन्होंने आग से सुरक्षा की महत्वपूर्ण बातें और तरह-तरह की तकनीकों के बारे में अवगत कराया। संवाद

# राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवियों ने भूकंप आपदाओं से बचाव के सिखे गुर

**सवेरा न्यूज/नीना (बंगाणा) :** राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला थानाकलां के राष्ट्रीय सेवा योजना के दूसरे दिन स्वयं सेवियों ने सुबह स्कूल से प्रभातफेरी निकाल कर प्रभु राम के उद्घोष के साथ स्थानीय लोगों को जागृत किया। इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी नंदलाल एवं सह कार्यक्रम अधिकारी संयोगिता भी साथ थे। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवियों ने आज भूकंप और आग जैसी आपदाओं से किस प्रकार से बचाव करना है, के गुर सीखे। प्रधानाचार्य संजीव पराशर ने कहा कि आपदाओं के दौरान सही जानकारी एवं शीघ्र करवाई से युवाओं की मदद से कई लोगों की जान बचाई जा सकती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवियों एवम स्कूल के विद्यार्थियों को भूकंप से बचने के लिए मॉक ड्रिल भी कार्रवाई गई। आज के बौद्धिक सत्र में लुधियाना से सुनील कुमार में साइबर क्राइम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि साइबर क्राइम से किस ढंग से अपना बचाव करना चाहिए। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम के अधिकारी नंदलाल, राधिका धीमान, संयोगिता शर्मा, साक्षी गर्ग, अजय, अमित कुमार उपस्थित रहे।

बचाव के गुर सिखते हुए स्कूली बच्चे।

# रावमापा टकारला में बच्चों को सिखाया आपदा प्रबंधन

आपदा से बचनें के दाव पेच सिखते हुए विद्यार्थी। सतविन्द्र लट्ठ

**सवेरा न्यूज/रिशव मोदगिल (बड़ूही) :** राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला टकारला में सोमवार को अंतरराष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस मनाया गया। प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों को आपदा को कम करने के उपाय तथा बचाव के बारे में वुस्तृत रूप से बताया गया तथा विभाग के आदेश अनुसार अग्निशमन यंत्रो के उपयोग के बारे में तथा उनको प्रयोग कर के आग बुझाने का नकली अभ्यास कराया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अनिल कुमार बक्शी, प्रभारी मुनीश कुमार सहित समस्त अध्यापक गण उपस्थित रहे।

# मिनी सचिवालय बंगाणा में अग्निशमन विभाग द्वारा मॉक ड्रिल

**सवेरा न्यूज/नीना**

बंगाणा, 14 अक्तूबर : मिनी सचिवालय बंगाणा में अग्निशमन विभाग द्वारा मॉक ड्रिल का आयोजन किया। इस मॉक ड्रिल में एक काल्पनिक स्थिति बनाई गई, जिसमें सचिवालय के एक कमरे में आग लगने की सूचना मिली और कुछ कर्मचारी अंदर फंसे हुए थे। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंची। पेशेवर तरीके से अग्निशामक दल ने आग बुझाने की प्रक्रिया को अंजाम दिया और फंसे हुए कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए विशेष उपकरणों का उपयोग किया।

मॉक ड्रिल के दौरान आपदा से बचाव करते हुए कर्मचारी। सतविन्द्र लट्ठ

इस प्रक्रिया में चार कर्मचारी गंभीर रूप से घायल पाए गए, जिन्हें स्ट्रेचर और रस्सियों की मदद से बाहर निकाला गया। मौके पर मौजूद डॉक्टरों ने उन्हें प्राथमिक उपचार प्रदान किया तथा उन्हें बाद मे एम्बुलेंस के माध्यम से बंगाणा सिविल अस्पताल भेजा गया। जिन लोगों को हल्की-फुल्की चोटे आई थी उन्हें डॉक्टर द्वारा मौके पर ही उपचार दिया गया। मॉक ड्रिल के दौरान, अग्निशमन विभाग ने आग लगने की स्थिति में सुरक्षा उपायों के बारे में जागरूकता फैलाने का कार्य किया। विभाग ने निम्नलिखित महत्वपूर्ण कदमों को सांझा किया। इस मॉक ड्रिल में उपमंडल अधिकारी सोनू गोयल, सब फायर ऑफिसर मदनलाल, लीडिंग फायर मेन कुलदीप कुमार व मनजीत सिंह और मिनी सचिवालय के अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे। यह अभ्यास विभाग की तत्परता और आपातकालीन स्थितियों से निपटने की उनकी क्षमता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

# विद्यार्थियों को सिखाए आपदा से बचने के गुर

**जोल(ऊना)।** राजकीय महाविद्यालय चौकीमन्यार में आपदा प्रबंधन क्लब ने समर्थ अभियान के अंतर्गत एक व्यापक अग्नि अभ्यास आयोजित किया गया। यह अभ्यास विद्यार्थियों को आपातकालीन स्थितियों में सही तरीके से प्रतिक्रिया करने के लिए प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से किया गया। मैदान में एकत्रित होने के बाद सभी विद्यार्थियों ने अपनी संख्या गिनी और घायल विद्यार्थियों को प्राथमिक चिकित्सा का प्रदान की। महाविद्यालय के प्राचार्य बलविंदर सिंह राणा ने इस अवसर पर विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन में निकासी योजना के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी। संवाद

# मॉक ड्रिल : प्रातः 11 बजे मिनी सचिवालय ऊना की तीसरी मंजिल पर शॉर्ट सर्किट

आपातकालीन सायरन बजते ही अधिकारी और कर्मचारी निर्धारित सुरक्षित मार्गों से तुरंत बाहर निकले

## सचिवालय में उपस्थित आम जनता ने भी धैर्यपूर्वक प्रक्रिया का पालन किया

- पुलिस ने स्थिति को किया नियंत्रित ताकि किसी भी प्रकार की अफरा-तफरी ना हो

मॉक ड्रिल के दौरान कर्मचारी। सतविन्द्र लट्ठ

**सवेरा न्यूज/राजीव भनोट**

ऊना, 14 अक्तूबर : अंतरराष्ट्रीय जोखिम न्यूनीकरण दिवस और समर्थ-2024 अभियान के तहत सोमवार को जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ऊना द्वारा मिनी सचिवालय में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) महेंद्र पाल गुर्जर की देखरेख में आयोजित इस मॉक ड्रिल में मिनी सचिवालय के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। यह मॉक ड्रिल आग जैसी आपदाओं के दौरान सुरक्षा तैयारियों का आकलन करने और जन-जागरूकता बढ़ाने पर केंद्रित थी, जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में जान-माल की सुरक्षा प्रभावी रूप से सुनिश्चित की जा सके।

महेंद्र पाल गुर्जर ने बताया कि इस मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य आपदा प्रबंधन के प्रति तैयारियों का मूल्यांकन करना और जागरूकता को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के अभ्यासों से न केवल अधिकारी और कर्मचारी बल्कि आम जनता भी आपातकालीन स्थितियों में सतर्क और तैयार रहती है, जिससे जान-माल के नुकसान को कम किया जा सकता है।

मॉक ड्रिल के तहत प्रातः 11 बजे मिनी सचिवालय की तीसरी मंजिल पर शॉर्ट सर्किट से आग लगने का परिदृश्य तैयार किया गया। जैसे ही आपातकालीन सायरन बजा, अधिकारी और कर्मचारी निर्धारित सुरक्षित मार्गों से तुरंत बाहर निकले। सचिवालय में उपस्थित आम जनता ने भी धैर्यपूर्वक इस प्रक्रिया का पालन किया। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए यह सुनिश्चित किया कि किसी भी प्रकार की अफरा-तफरी ना हो।

जिला आपातकालीन संचालन केंद्र ऊना से सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। साथ ही, होम गार्ड के कर्मचारी खोज एवं बचाव कार्य में जुट गए। इस मॉक ड्रिल के दौरान सांकेतिक तौर पर घायल हुए, चार व्यक्तियों को सुरक्षित रेस्क्यू कर प्राथमिक उपचार के बाद क्षेत्रीय अस्पताल ऊना रेफर किया गया। इस मॉक ड्रिल में कमांडेंट होम गार्ड मेजर विकास सकलानी, एएसपी संजीव भाटिया, बटालियन प्रशासनिक अधिकारी धीरज शर्मा, डीडीएमए की समन्वयक सुमन चहल, एसएफओ सुरेश कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

# चौकीमन्यार महाविद्यालय में विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन और व्यक्तिगत सुरक्षा प्रति किया जागरूक

**सवेरा न्यूज/अश्वनी**

प्राचार्य बलविंदर सिंह राणा विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन में निकासी योजना के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए। सतविन्द्र लट्ठ

जोल, 14 अक्तूबर : राजकीय महाविद्यालय चौकीमन्यार में आपदा प्रबंधन क्लब में समर्थ अभियान के अंतर्गत एक व्यापक अग्नि अभ्यास आयोजित किया गया। यह अभ्यास विद्यार्थियों को आपातकालीन स्थितियों में सही तरीके से प्रतिक्रिया करने के लिए प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से किया गया। इस अग्नि अभ्यास के अवसर पर विद्यालय के सभी विद्यार्थियों ने कॉलेज की इमारत से निकासी योजना के तहत तेजी से और सुरक्षित तरीके से बाहर निकाला। मैदान में एकत्रित होने के बाद सभी विद्यार्थियों ने अपनी संख्या गिनी और घायल विद्यार्थियों को प्राथमिक चिकित्सा का प्रदान की। यह अभ्यास न केवल एक आपातकालीन स्थिति में प्रतिक्रिया देने के लिए आवश्यक कौशल सिखाने में सहायक था, बल्कि विद्यार्थियों में टीमवर्क और सहयोग की भावना को बढ़ाने में मददगार रहा। महाविद्यालय के प्राचार्य बलविंदर सिंह राणा ने विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन में निकासी योजना के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अग्नि त्रासदी के दौरान धैर्य और सही निर्णय लेने की क्षमता कितनी महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन के माध्यम से समझाया था कि कैसे सही तैयारी और अभ्यास से हम ऐसी परिस्थितियों में बेहतर तरीके से निपट सकते हैं। इस उपलक्ष्य में महाविद्यालय के अन्य स्टाफ सदस्य और शिक्षक वर्ग जिसमें प्रोफेसर कविता कौशल, डॉक्टर रामकुमार नेगी और डॉक्टर राम सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने भी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया और उनकी तैयारी के सराहना की। इस आयोजन में विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन की प्रतिक्रियाओं को समझने और उनकी व्यक्तिगत सुरक्षा के प्रति जागरूक होने का अनूठा अवसर प्रदान किया। महाविद्यालय में भविष्य में भी इस तरह के अभ्यास आयोजित करने की योजना बनाई है, ताकि सभी विद्यार्थियों को हर प्रकार की आपात स्थिति का सामना करने के लिए सुसज्जित किया जा सके।


पंजाब केसरी TUE, 15 OCTOBER 2024
EDITION: UNA KESARI, PAGE NO. 3

मंगलवार TUESDAY, 15 अक्तूबर 2024 ऊना केसरी www.punjabkesari.in III


# आग से सुरक्षा की तकनीकों के बारे में अवगत कराया

बंगाणा : धानाकलों सीनियर सैकेंडरी स्कूल में आपदा प्रबंधन विषय पर मॉकड्रिल करते स्वयंसेवक चित्र में। (शर्मा)

संतोषगढ़ : भटोली कालेज में अंतर्राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस के अवसर पर उपस्थित अग्निशमन विभाग के अधिकारी, कालेज स्टाफ तथा छात्र-छात्राएं सामूहिक चित्र में। (मनीश)

अम्ब : कालेज में आपदा प्रबन्धन के तहत आयोजित मॉकड्रिल के दौरान दमकल टीम प्राचार्य प्रोफैसर दर्शन कुमार, प्राध्यापक वर्ग के सदस्यों व विद्यार्थियों के साथ। (अश्विनी)

नंगल जरियालां : राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय धनारी में मॉकड्रिल में हिस्सा लेते हुए विद्यार्थी। (दीपक)

दौलतपुर चौक : दौलतपुर चौक स्कूल के विद्यार्थी अग्नि सुरक्षा मॉकड्रिल में जानकारी हासिल करते हुए। (परमार)

ऊना: मिनी सचिवालय में मॉकड्रिल के दौरान अधिकारी एवं दमकल विभाग के कर्मी। (विनोद)

## जिले में कई जगह मॉक ड्रिल करवाई

ऊना, 14 अक्तूबर (सुरेन्द्र): अंतर्राष्ट्रीय जोखिम न्यूनीकरण दिवस और समर्थ-2024 अभियान के तहत सोमवार को जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ऊना द्वारा मिनी सचिवालय में मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। अतिरिक्त उपायुक्त (ए.डी.सी.) महेंद्र पाल गुर्जर की देखरेख में आयोजित इस मॉकड्रिल में मिनी सचिवालय के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। यह मॉकड्रिल आग जैसी आपदाओं के दौरान सुरक्षा तैयारियों का आकलन करने और जन जागरूकता बढ़ाने पर केंद्रित थी, जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में जानमाल की सुरक्षा प्रभावी रूप से सुनिश्चित की जा सके।

महेंद्र पाल गुर्जर ने बताया कि इस मॉकड्रिल का मुख्य उद्देश्य आपदा प्रबंधन के प्रति तैयारियों का मूल्यांकन करना और जागरूकता को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के अभ्यासों से न केवल अधिकारी और कर्मचारी बल्कि आम जनता भी आपातकालीन स्थितियों में सतर्क और तैयार रहती है, जिससे जानमाल के नुकसान को कम किया जा सकता है।

### यह था मॉकड्रिल का परिदृश्य

मॉकड्रिल के तहत प्रातः 11 बजे मिनी सचिवालय की तीसरी मंजिल पर शॉर्ट सर्किट से आग लगने का परिदृश्य तैयार किया गया। जैसे ही आपातकालीन सायरन बजा तो अधिकारी और कर्मचारी निर्धारित सुरक्षित मार्गों से तुरंत बाहर निकले। सचिवालय में उपस्थित आम जनता ने भी धैर्यपूर्वक इस प्रक्रिया का पालन किया। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए यह सुनिश्चित किया कि किसी भी प्रकार की अफरा-तफरी न हो। जिला आपातकालीन संचालन केंद्र ऊना से सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। साथ ही, होमगार्ड के कर्मचारी खोज एवं बचाव कार्य में जुट गए। इस मॉकड्रिल के दौरान सांकेतिक तौर पर घायल हुए 4 व्यक्तियों को सुरक्षित रैस्क्यू कर प्राथमिक उपचार के बाद क्षेत्रीय अस्पताल ऊना रैफर किया गया। इस मॉकड्रिल में कमांडेंट होमगार्ड मेजर विकास सकलानी, ए.एस.पी. संजीव भाटिया, बटालियन प्रशासनिक अधिकारी धीरज शर्मा, डी.डी.एम.ए. की समन्वयक सुमन चहल व एस.एफ.ओ. सुरेश कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

**संतोषगढ़, (मनीश):** श्री विष्णु सनातन धर्म स्नातकोत्तर महाविद्यालय भटोली तथा अग्निशमन विभाग ऊना के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस समर्थ-2024 के अवसर पर विद्यार्थियों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डाक्टर अरविंद शर्मा ने कहा कि 13 अक्तूबर को अंतर्राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनतमीकरण दिवस 2024, नागरिकों की सुरक्षा और सशक्तिकरण पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य युवाओं को प्राकृतिक आपदाओं से स्वयं की रक्षा करने तथा समाज की रक्षा करने के बारे में जागरूक करना है। लाइव प्रदर्शन में अग्निशमन विभाग के राकेश कुमार, विजय कुमार, चंद्र मोहन प्रशामक तथा ड्राइवर अमित कुमार ने अपना सहयोग दिया। इस अवसर पर विनोद कुमार, प्रोफैसर बिट्टू शर्मा, प्रोफैसर उमेश लठ, प्रोफैसर पूनम शर्मा व प्रोफैसर अनु वर्मा आदि उपस्थित रहे।

**अम्ब, (अश्विनी):** दमकल विभाग ने विभिन्न संस्थाओं में आपदा प्रबन्धन पर मॉकड्रिल जागरूकता शिविर लगाए। सोमवार को एस.डी.एम. अम्ब कार्यालय, स्थानीय कालेज और पॉलीटैक्नीक कालेज अम्बोटा में आयोजित शिविर में आग से सुरक्षा की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करने के लिए मॉकड्रिल का आयोजन किया। परिशामक लक्की चौधरी, परिशामक मनोहर जसवाल, गृह रक्षक धर्मपाल व चालक दलजीत पर आधारित टीम ने कर्मचारियों और छात्रों को आग से सुरक्षा की महत्वपूर्ण बातें और तरह-तरह की तकनीकों के बारे में अवगत करवाया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफैसर दर्शन कुमार ने इस आग सुरक्षा मॉकड्रिल के आयोजन की सराहना की और छात्रों से आग सुरक्षा के मामलों में सजगता बढ़ाने की अपील की। इस मॉकड्रिल ने छात्रों को आग सुरक्षा के महत्व और उससे जुड़े जोखिमों को समझने में मदद की।

**जोल, (नरेन्द्र):** राजकीय महाविद्यालय चौकीमन्यार में आपदा प्रबंधन क्लब ने समर्थ-2024 अभियान के अंतर्गत एक व्यापक अग्नि अभ्यास आयोजित किया। यह अभ्यास विद्यार्थियों को आपातकालीन स्थितियों में सही तरीके से प्रतिक्रिया करने के लिए प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से किया गया। इस अग्नि अभ्यास के अवसर पर महाविद्यालय के सभी विद्यार्थी कालेज की इमारत से निकासी योजना के तहत तेजी से और सुरक्षित तरीके से बाहर निकले। मैदान में एकत्रित होने के बाद सभी विद्यार्थियों ने अपनी संख्या गिनी और घायल विद्यार्थियों को प्राथमिक चिकित्सा प्रदान की। प्राचार्य डा. बलविंदर सिंह राणा ने इस अवसर पर विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन में निकासी योजना के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस उपलक्ष्य में महाविद्यालय के अन्य स्टाफ सदस्य और शिक्षक वर्ग में प्रो. कविता कौशल, डा. राम कुमार नेगी और डा. राम सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे।

**नंगल जरियालां, (दीपक):** राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला धनारी में सोमवार को भूकंप एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं से तुरंत निपटने के लिए मॉकड्रिल का आयोजन किया गया, जिसमें स्कूल प्रशासन की अगुवाई में एन.एस.एस. स्वयंसेवियों एवं विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। मॉकड्रिल में आपदा के दौरान भवनों में फंसे लोगों को कैसे तुरंत सुरक्षित रैस्क्यू किया जा सकता है, इस पूर्वाभ्यास के माध्यम से दिखाया गया। आपदा प्रबंधन के समन्वयक तरुण ठाकुर ने बताया कि हिमाचल प्रदेश सरकार के दिशा-निर्देशानुसार प्राकृतिक आपदा से बचने के लिए सोमवार को पूर्वाभ्यास का आयोजन किया गया, ताकि किसी भी आपदा के समय कैसे त्वरित कार्रवाई हो, यह मॉकड्रिल के माध्यम से दर्शाया गया।

**दौलतपुर चौक, (परमार):** जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं उपायुक्त ऊना के निर्देशानुसार पी.एम. श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला दौलतपुर चौक में अग्नि सुरक्षा मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। मॉकड्रिल जन जागरूकता एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम समर्थ-2024 के अंतर्गत आयोजित की गई। इसमें लगभग 80 विद्यार्थियों को मॉकड्रिल के माध्यम से जागरूक किया गया। इस मौके पर प्रवक्ता जसबीर सिंह, डी.पी. मनोज कुमार, हितेश कुमार, प्रवेश, भुवनेश शर्मा, अमित शास्त्री व टेक चंद आदि उपस्थित रहे।

**बंगाणा, (शर्मा):** धानाकलों सीनियर सैकेंडरी स्कूल में चल रहे एन.एस.एस. शिविर में सोमवार को स्वयं सेवकों ने आपदा प्रबंधन विषय पर मॉकड्रिल की। इस रिहर्सल के दौरान स्वयं सेवकों ने आपदा की स्थिति में किस प्रकार से आग में, बाढ़ में फंसे तथा दुर्घटना में घायल का बचाव व कैसे मदद करनी है, इस पर स्वयं सेवकों को जागरूक किया गया। सुबह भजन-कीर्तन के साथ प्रभात फेरी निकाली गई। इस अवसर पर प्रिंसीपल संजीव पराशर व एन.एस.एस. प्रभारी नंद लाल सहित अन्य उपस्थित रहे।

### पेखूबेला में आग लगने पर किया बचाव का अभ्यास

ऊना, 14 अक्तूबर (सुरेन्द्र): न्यू एंजल आई.टी.आई. पेखूबेला में सोमवार को स्टाफ व छात्रों ने अंतर्राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस मनाया। इस अवसर पर उन्होंने पर आग लगने पर बचाव का अभ्यास किया, जिसमें विभिन्न ट्रेडों के छात्रों व आपदा प्रबंधन के सदस्यों ने भाग लिया। इस दौरान जानकारी दी गई कि आग लगने पर कैसे बचाव करना चाहिए और क्या-क्या तरीके अपनाने चाहिए।


पंजाब केसरी WED, 16 OCTOBER 2024
EDITION: UNA KESARI, PAGE NO. 3


# रायपुर मैदान तथा संहाल स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और ग्लोबल हैंड वाशिंग दिवस के उपलक्ष्य पर कार्यक्रम आयोजित

बंगाणा : रायपुर मैदान सीनियर सैकेंडरी स्कूल में आपदा प्रबंधन विषय पर आयोजित मॉक ड्रिल में भाग लेते विद्यार्थी। (शर्मा)

बंगाणा, 15 अक्तूबर (शर्मा): राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला रायपुर मैदान तथा संहाल में मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और ग्लोबल हैंड वाशिंग दिवस के उपलक्ष्य पर विद्यार्थियों को जागृत करने के उद्देश्य से कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। भूकंप और अग्निकांड जैसी आपदाओं पर मॉक ड्रिल आयोजित की गई। प्रधानाचार्य नरदेव सिंह ने बताया कि नारा लेखन प्रतियोगिता में प्रीति ने प्रथम, नवीन ने द्वितीय तथा अदिति ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

अंतर्राष्ट्रीय हैंड वाशिंग दिवस के उपलक्ष्य पर शिक्षक सुरेश कुमार ने बच्चों को हाथ धोने की 7 विधियां भी सिखाईं। इस प्रतियोगिता में कृतिका, पलक, भावना, परवीन, वंशिका, सिमरन, जैसमिन, अंशुल, अंजलि, रागिनी, नंदिनी, हर्षित, श्रुति, मुस्कान, अभय, सुमित, वंश और पीयूष सहित 48 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

वहीं संहाल सीनियर सैकेंडरी स्कूल में होमगार्ड जवानों ने विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन विषय पर मॉक ड्रिल करके बचाव के तरीके बताए। प्रिंसीपल संदीप कुमार ने भी विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन विषय पर संबोधित किया।

# आपदा में ज्ञान व तत्परता ही सबसे बड़ा हथियार : मनीष

## भरवाईं में आपदा प्रबंधन टीम ने मनाया आपदा न्यूनीकरण पखवाड़ा

भरवाईं, 6 अक्तूबर (जुगल): आपदा प्रबंधन टीम भरवाईं ने इंटरनैशनल डिजास्टर रिस्क रिडक्शन पखवाड़ा के अंतर्गत मनाए जा रहे समर्थ कार्यक्रम के अंतर्गत बैठक की। बैठक में एस.डी.एम. देहरा शिल्पी बेक्टा मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित हुईं तथा चिंतपूर्णी मंदिर के सुरक्षा अधिकारी कर्नल मनीष विशेषातिथि के रूप में उपस्थित रहे। आपदा प्रबंधन टीम भरवाईं के अध्यक्ष संदीप शर्मा ने बताया कि 1 से 13 अक्तूबर तक आपदा न्यूनीकरण पखवाड़ा मनाया जा रहा है।

आपदा प्रबंधन टीम भरवाईं व जिला कांगड़ा के सीमावर्ती क्षेत्रों में सक्रियता से काम कर रही है। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्र के जाने माने कवि एवं रिटायर्ड अध्यापक कुंदन भारद्वाज ने की। मुख्यातिथि शिल्पी बेक्टा ने कहा कि आपदा प्रबंधन टीम भरवाईं का यह प्रयास सराहनीय है, जिससे चिंतपूर्णी क्षेत्र में आपदा न्यूनीकरण में सहायता मिलेगी। कर्नल मनीष ने भी कार्यक्रम की सराहना की तथा आपदा न्यूनीकरण व प्रबंधन को समय की जरूरत माना।

उन्होंने कहा कि आपदा के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए, क्योंकि आपदा का कोई समय नहीं होता। ऐसे में आपका ज्ञान व तत्परता ही सबसे बड़ा हथियार है। इस मौके पर रानी शर्मा, सुमित भारद्वाज, राजेश शर्मा, राजेश ठाकुर, शीतल केशव व मयंक शर्मा ने कविता पाठ के माध्यम से जनजागरूकता के संदेश दिए।

भरवाईं : आपदा प्रबंधन टीम भरवाईं द्वारा समर्थ कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित बैठक के दौरान एस.डी.एम. देहरा शिल्पी बेक्टा के साथ टीम सदस्य व अन्य। (जुगल)

पंजाब केसरी WED,16 OCTOBER 2024
EDITION: UNA KESARI, PAGE NO. 1

# चताड़ा स्कूल में सामर्थ्य योजना बारे दी जानकारी

ऊना, 15 अक्तूबर (मनोहर): राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चताड़ा में मंगलवार को जिला बाल संरक्षण अधिकारी कमलदीप सिंह द्वारा जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सामर्थ्य योजना, मुख्यमंत्री सुख शिक्षा योजना, मिशन वात्सल्य, मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना, बाल मजदूरी, बाल विवाह, पोक्सो एक्ट व एन.डी.पी.एस. एक्ट और नशे के बुरे प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया। इस मौके पर उपप्रधानाचार्या रंजना सहित विद्यार्थी मौजूद थे।

जिला बाल संरक्षण अधिकारी कमलदीप सिंह ने कहा कि सामर्थ्य योजना डी.सी. ऊना द्वारा चलाई जा रही है। इसके तहत 25 गरीब परिवारों की लड़कियों को 2 लाख रुपए की सहायता दी जाएगी। 25 प्रतिभाशाली लड़कियों, जिनके पिता नहीं हैं, उन्हें संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए कोचिंग दी जाएगी, जिसके लिए 1 लाख रुपए की सहायता प्रदान की जाएगी।

इसके अतिरिक्त 25 गरीब लड़के एवं लड़कियों को सेना में जाने के लिए परीक्षा की तैयारी के लिए 1 लाख रुपए की सहायता दी जाएगी। इन तीनों योजनाओं के लिए वही बच्चे पात्र होंगे, जिनके पिता नहीं हैं और जिनकी सभी साधनों से वार्षिक आय 50 हजार रुपए से कम व ऊना का स्थायी निवासी हो।

ऊना : चताड़ा स्कूल में आयोजित जागरूकता शिविर के दौरान जिला बाल संरक्षण अधिकारी कमलदीप सिंह के साथ स्टाफ सदस्य व विद्यार्थी सामूहिक चित्र में। (विनोद)

# आपदा प्रबंधन टीम ने मुछाली में करवाया जागरूकता कार्यक्रम

सवेरा न्यूज/नीना

बंगाणा 17 अक्तूबर: आपदा प्रबंधन टीम बंगाणा द्वारा ग्राम पंचायत मुछाली में एक विशेष आपदा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ग्राम पंचायत मुछाली के उप-प्रधान अजय शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। आपदा मित्र अक्षय शर्मा ने इस कार्यक्रम की अगुवाई की और उपस्थित लोगों को प्राकृतिक आपदाओं से बचने के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अक्षय शर्मा ने कार्यक्रम में विशेष रूप से बाढ़ से सुरक्षा के उपायों पर चर्चा की और भूस्खलन जैसी आपदाओं से बचाव के तरीकों को समझाया। इसके साथ ही उन्होंने लोगों को भूकंपरोधी मकानों का निर्माण करने की सलाह दी, ताकि प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम किया जा सके। कार्यक्रम के दौरान अक्षय शर्मा ने बताया कि जिला आपदा प्रबंधन समिति समय-समय पर मॉकड्रिल और जागरूकता शिविरों का आयोजन करती रहती है, जिससे आपदा के समय लोग अपने और अपने आस-पास के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें। उन्होंने कहा, इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य आपदाओं के समय त्वरित और सही प्रतिक्रिया देने की क्षमता विकसित करना है। ग्राम पंचायत उप-प्रधान अजय शर्मा ने भी अपनी बात रखते हुए कहा कि प्रशासन की ओर से आयोजित इन जागरूकता कार्यक्रमों में भाग लेना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में इन शिविरों में भाग लें और आपदा प्रबंधन के उपायों को समझें, ताकि आपदाओं से होने वाले जान-माल के नुकसान को रोका जा सके। इस कार्यक्रम में सुनील कुमार, राजेश कुमार, हंस राज, जीत शर्मा, नीरज, कमल किशोर, नमन, प्रीतम चंद, नरेश ठाकुर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने कार्यक्रम की सराहना की और इसे भविष्य में और भी अधिक व्यापक रूप से आयोजित करने की मांग की।

आपदा जागरूकता कार्यक्रम के दौरान सामूहिक चित्र में। (सतविन्दर लट्ठ)

# आपदा को लेकर जागरूकता के लिए लगाई कार्यशाला

गगरेट, 2 अक्तूबर (बृज): ल्यूमिनस उद्योग द्वारा अंकुर संस्था के माध्यम से चलाई जा रही लैंप छात्रवृत्ति योजना के लाभान्वित छात्रों के लिए आपदा को लेकर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें उनको संकट और आपदा के बीच क्या अंतर होता है, के बारे विस्तृत जानकारी दी गई।

उनको बताया कि सुरक्षित भवन निर्माण के समय क्या-क्या सावधानियां अपनानी चाहिए। अगर निर्माण कार्यों में ऐसी सतर्कता बरती जाए तो आपदा के आने का कोई खतरा नहीं रहता। अंकुर संस्था की प्रोजैक्ट मैनेजर मनीषा मिश्रा ने बताया कि घर का निर्माण करते समय हम सबको यह देखना चाहिए कि वहां आसपास कोई नदी-नाला न हो। पानी का अधिक बहाव आने वाले क्षेत्र में मकान का कभी निर्माण न करें। पहाड़ी पर व जहां पर पेड़ काटे जाने की संभावना हो, वहां भी निर्माण कार्य से बचना चाहिए। भूमि चयन करते समय इस बात का ध्यान रखें कि भूमि का कोण 45 डिग्री से अधिक न हो। वहीं मिट्टी का परीक्षण भी करवाना चाहिए।

गगरेट : लैंप के छात्र कार्यशाला के बाद मनीषा मिश्रा के साथ सामूहिक चित्र में। (बृज)

# ग्रामीणों को आपदा प्रबंधन के महत्व की दी जानकारी

अम्ब, 2 अक्तूबर (अश्विनी) : जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा चलाए जा रहे समर्थ कार्यक्रम के तहत चिंतपूर्णी विकास समिति द्वारा विभिन्न पंचायतों में जागरूकता शिविर आयोजित किए गए। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा चिंतपूर्णी विकास समिति के संयुक्त तत्वावधान में आपदा स्वयंसेवियों के मार्गदर्शन में समर्थ कार्यक्रम में ग्रामीणों को आपदा प्रबंधन के महत्व की विस्तृत जानकारी दी। यह कार्यक्रम राज्य स्तर पर 13 अक्तूबर तक समर्थ कार्यक्रम के अंतर्गत मनाया जा रहा है।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए चिंतपूर्णी विकास समिति के संस्थापक अश्विनी कुमार धीमान ने बताया कि इस जनजागरूकता का उद्देश्य भूकंप जोन-5 में सभी इमारतों का निर्माण भूकंप सुरक्षित भवनों (मैसनरी इमारतों का) के रूप में किया जाना सुनिश्चित किया जाना है। हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण इस बात पर विशेष जोर दे रहा है कि सभी नई इमारतों को भूकंपरोधी बनाया जाए, ताकि आपदा के दौरान जानमाल का नुकसान कम किया जा सके। इस दौरान उत्तम सीमैंट, मोर्टार विधि जिसमें उच्च गुणवत्ता वाली मिश्रित सामग्री का प्रयोग तथा भवन को मजबूती देने के तरीकों के बारे में जागरूक किया गया तथा भवन निर्माण प्रशिक्षित मिस्त्री अथवा अभियंता की देखरेख एवं सलाह द्वारा करने का आह्वान भी किया गया। उपस्थित ग्रामीणों को हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण जिला ऊना द्वारा जारी की गई सुरक्षित भवन निर्माण से संबंधित सरल दिशा-निर्देश व समर्थ कार्यक्रम की सामग्री का वितरण भी किया गया।

अम्ब : लोगों को सुरक्षित भवन निर्माण से संबंधित सरल दिशा-निर्देश व समर्थ कार्यक्रम की सामग्री का वितरण करने के दौरान चिंतपूर्णी विकास समिति के स्वयंसेवी मनोज कौशिक व अन्य। (अश्विनी)

# लोगों को दिया गया आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण

संवाद सूत्र, जागरण • मैड़ी: ग्राम सभा की बैठकों में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा चिंतपूर्णी विकास समिति के संयुक्त तत्वावधान में स्वयंसेवियों ने समर्थ कार्यक्रम की शुरुआत की गई। स्वयंसेवियों ने ग्रामीणों को आपदा प्रबंधन के टिप्स दिए। कार्यक्रम राज्यस्तर पर 13 अक्टूबर तक मनाया जा रहा है।

चिंतपूर्णी विकास समिति के संस्थापक अश्विनी कुमार धीमान ने बताया कि जनजागरण का उद्देश्य भूकंप जोन पांच में सभी इमारतों का निर्माण भूकंप सुरक्षित भवनों के रूप में किया जाना सुनिश्चित किया जाना है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण इस बात पर विशेष जोर दे रहा है कि सभी नई इमारतों को भूकंप-रोधी बनाया जाए।

स्वयंसेवी अंजू, सोनी, दिनेश जसवाल सपौरी, मनोज कौशिक, आर्यन, कमल, अध्यक्ष चिंतपूर्णी विकास समिति शादी लाल एवं पंचायत प्रतिनिधियों में ग्राम पंचायत लोअर अंदौरा से प्रधान पंकज कौंडल, उपप्रधान जोगिंदर पाल, अपर अंदौरा से उपप्रधान शमशेर सिंह, कलरूही से प्रधान सुनीता देवी, उपप्रधान यशपाल शर्मा, कुठेड़ा खैरला से प्रधान शालिनी गोस्वामी, उपप्रधान राजकुमार धीमान, समाजसेवी शम्भू गोस्वामी, सपौरी से प्रधान चंचला देवी, उपप्रधान वकील सिंह तथा सभी पंचायतों के सचिव व अन्य लोग मौजूद रहे।

हिमाचल प्रदेश आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के स्वयंसेवी समर्थ कार्यक्रम के अंतर्गत पंचायत प्रधानों व ग्रामीणों को जानकारी देते हुए • जागरण

हिमाचल

आपका फैसला TV

# भूकंपरोधी भवन निर्माण पर पांच दिवसीय जागरूकता अभियान सफलतापूर्वक संपन्न

ऊना, (आपका फैसला)। ऊना जिला में भूकंपरोधी भवन निर्माण पर जन जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित पांच दिवसीय जागरूकता अभियान शुक्रवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस अभियान के अंतिम दिन चिंतपूर्णी और पंजोआ में नुक्कड़ नाटकों के जरिए ग्रामीणों को भूकंपरोधी तकनीकों के महत्व और भवन निर्माण के सही तरीकों की जानकारी दी गई। इस पूरे अभियान का आयोजन समर्थ-2024 कार्यक्रम के तहत जिला आपदा प्रबंधन एवं प्राधिकरण ऊना द्वारा किया गया था, जिसका उद्देश्य नागरिकों को आपदाओं के प्रति जागरूक करना और सुरक्षित भवन निर्माण को प्रोत्साहित करना था।

**भवन निर्माण में सही तकनीक और सावधानियों का पालन करना अत्यंत आवश्यक:उपायुक्त**

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं उपायुक्त जतिन लाल ने इस अभियान के सफल समापन पर जानकारी देते हुए बताया कि पांच दिवसीय अभियान में जिला के सभी उपमंडलों में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। उन्होंने बताया कि भूकंपरोधी भवन निर्माण के लिए प्रयोग की जाने वाली तकनीकों, उचित गुणवत्ता वाली सामग्री और निर्माण के समय बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में लोगों को विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि भवन निर्माण में सही तकनीक और सावधानियों का पालन करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि किसी भी आपदा के समय होने वाले संभावित नुकसान को कम किया जा सके। उपायुक्त ने जिला वासियों से अपील करते हुए कहा कि भवन निर्माण या किसी भी प्रकार के संरचनात्मक बदलाव से पहले विशेषज्ञ अभियंता से परामर्श अवश्य लें। इससे न केवल भवनों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, बल्कि भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान क्षति को कम किया जा सकेगा। इसके अलावा, उन्होंने पर्यावरण संरक्षण की महत्ता पर भी जोर देते हुए लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया, ताकि पर्यावरण संतुलन बना रहे और स्वच्छ वातावरण में लोग रह सकें। 7 से 11 अक्तूबर तक चले इस अभियान के दौरान सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग से संबद्ध नाट्य दलों ने ऊना जिले के पांचों उपमंडलों में 2-2 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। इनमें नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से लोगों तक जागरूकता संदेश पहुंचाया गया। अंतिम दिन आरके कला मंच के कलाकारों ने अंब उपमंडल के तहत बस अड्डा चिंतपूर्णी और पंजोआ में नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए। इसके माध्यम से ग्रामीणों को भूकंपरोधी भवन निर्माण से जुड़ी जरूरी जानकारी दी गई। इससे पहले, आरके कला मंच ने बंगाणा उपमंडल, पूर्वी कला मंच के कलाकारों ने ऊना और हरोली उपमंडल तथा सुरभि कला मंच के कलाकारों ने गगरेट उपमंडल में नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। अभियान में शामिल सभी कलाकारों और विभागों की सराहना करते हुए उपायुक्त जतिन लाल ने कहा कि इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम भविष्य में भी निरंतर आयोजित किए जाएंगे, ताकि आपदा प्रबंधन के प्रति लोगों की जागरूकता और तैयारी बनी रहे।

# भवन निर्माण में सही तकनीक और सावधानियों का करें पालन : डी.सी.

## भूकंपरोधी भवन निर्माण पर 5 दिवसीय जागरूकता अभियान आयोजित

ऊना, 11 अक्तूबर (विशाल): ऊना जिला में भूकंपरोधी भवन निर्माण पर जन जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित 5 दिवसीय जागरूकता अभियान शुक्रवार को संपन्न हो गया। इस अभियान के अंतिम दिन चिंतपूर्णी और पंजोआ में नुक्कड़ नाटकों के जरिए ग्रामीणों को भूकंपरोधी तकनीकों के महत्व और भवन निर्माण के सही तरीकों की जानकारी दी गई।

इस पूरे अभियान का आयोजन समर्थ-2024 कार्यक्रम के तहत जिला आपदा प्रबंधन एवं प्राधिकरण ऊना द्वारा किया गया था, जिसका उद्देश्य नागरिकों को आपदाओं के प्रति जागरूक करना और सुरक्षित भवन निर्माण को प्रोत्साहित करना था।

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं डी.सी. जतिन लाल ने इस अभियान के समापन पर जानकारी देते हुए बताया कि 5 दिवसीय अभियान में जिला के सभी उपमंडलों में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। उन्होंने बताया कि भूकंपरोधी भवन निर्माण के लिए प्रयोग की जाने वाली तकनीकों, उचित गुणवत्ता वाली सामग्री और निर्माण के समय बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में लोगों को जानकारी दी गई।

उन्होंने कहा कि भवन निर्माण में सही तकनीक और सावधानियों का पालन करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि किसी भी आपदा के समय होने वाले संभावित नुकसान को कम किया जा सके। इसके अलावा उन्होंने पर्यावरण संरक्षण की महत्ता पर भी जोर देते हुए लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया।

इससे पहले आर.के. कला मंच ने बंगाणा उपमंडल, पूर्वी कला मंच के कलाकारों ने ऊना व हरोली उपमंडल तथा सुरभि कला मंच के कलाकारों ने गगरेट उपमंडल में नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया।

पंजाब केसरी WED,02 OCTOBER 2024
EDITION: UNA KESARI,

# धलवाड़ी स्कूल में समर्थ कार्यक्रम शुरू

भरवाईं, 1 अक्तूबर (जुगल): राजकीय उच्च पाठशाला धलवाड़ी में आपदा मित्र संदीप शर्मा के मार्गदर्शन में इंटरनैशनल डिजास्टर रिस्क रिडक्शन सप्ताह के अंतर्गत समर्थ नामक कार्यक्रम की शुरूआत की गई। संदीप शर्मा ने बताया कि राज्य स्तर पर 1 से 13 अक्तूबर तक समर्थ कार्यक्रम मनाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों को आपदाओं के बारे में जागरूक किया जाएगा।

मुख्याध्यापक सुधीर गौतम ने बताया कि समर्थ कार्यक्रम के अंतर्गत आपदा प्रबंधन हेतु राजकीय उच्च विद्यालय धलवाड़ी में प्रतिदिन गतिविधियां अमल में लाई जाएंगी जिसमें प्रार्थना सभा में आपदा प्रबंधन की जानकारी शिक्षकों द्वारा दी जाएगी। इस मौके पर भाषण व पेंटिंग प्रतियोगिता करवाई जाएगी, साथ ही फ्लैश फ्लड एवं भूकंप के दौरान बचाव कार्यों की मॉकड्रिल भी करवाई जाएगी।

# मुच्छाली में बताए आपदा से बचाव के तरीके

## आपदा मित्र अक्षय शर्मा ने की कार्यक्रम की अगुवाई

ऊना : मुच्छाली में आयोजित कार्यक्रम के दौरान आपदा प्रबंधन की टीम ग्रामीणों व अन्य के साथ। (विनोद)

ऊना, 17 अक्तूबर (विशाल): आपदा प्रबंधन टीम बंगाणा द्वारा ग्राम पंचायत मुच्छाली में एक विशेष आपदा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ग्राम पंचायत मुच्छाली के उपप्रधान अजय शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। आपदा मित्र अक्षय शर्मा ने कार्यक्रम की अगुवाई की और उपस्थित लोगों को प्राकृतिक आपदाओं से बचाव के उपायों के बारे में जानकारी दी।

अक्षय शर्मा ने कार्यक्रम में विशेष रूप से बाढ़ से सुरक्षा के उपायों पर चर्चा की और भूस्खलन जैसी आपदाओं से बचाव के तरीकों को समझाया। इसके साथ ही उन्होंने लोगों को भूकंपरोधी मकानों का निर्माण करने की सलाह दी ताकि प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुक्सान को कम किया जा सके। कार्यक्रम के दौरान अक्षय शर्मा ने कहा कि जिला आपदा प्रबंधन समिति समय-समय पर मॉकड्रिल और जागरूकता शिविरों का आयोजन करती रहती है जिससे आपदा के समय लोग अपने और अपने आसपास के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें।

ग्राम पंचायत उपप्रधान अजय शर्मा ने कहा कि प्रशासन की ओर से आयोजित इन जागरूकता कार्यक्रमों में भाग लेना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में इन शिविरों में भाग लें और आपदा प्रबंधन के उपायों को समझें ताकि आपदाओं से होने वाले जान-माल के नुक्सान को रोका जा सके। कार्यक्रम में सुनील कुमार, राजेश कुमार, हंसराज, जीत शर्मा, नीरज, कमल किशोर, नमन, प्रीतम चंद व नरेश ठाकुर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

# वाल्मीकि मंदिर अम्ब में भक्तजनों ने चढ़

CS Scanned with CamScanner

# भवन निर्माण से पहले विशेषज्ञ अभियंता से परामर्श अवश्य लें लोग : उपायुक्त

जतिन लाल • जागरण आर्काइव

जागरण संवाद केंद्र, ऊना : जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं उपायुक्त जतिन लाल ने जिलावासियों से अपील करते हुए कहा कि भवन निर्माण या किसी भी प्रकार के संरचनात्मक बदलाव से पहले विशेषज्ञ अभियंता से परामर्श अवश्य लें। इससे न केवल भवनों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, बल्कि भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदा के दौरान क्षति को कम किया जा सकेगा।

जिले में भूकंपरोधी भवन निर्माण पर जन जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित पांच दिवसीय जागरूकता अभियान का शुक्रवार को समापन हुआ। अभियान के अंतिम दिन चिंतपूर्णी और पंजोआ में नुक्कड़ नाटकों के जरिए ग्रामीणों को भूकंपरोधी तकनीक के महत्व और भवन निर्माण के सही तरीकों की जानकारी दी गई। इस अभियान का आयोजन समर्थ-2024 कार्यक्रम के तहत जिला आपदा प्रबंधन एवं प्राधिकरण ऊना की ओर से किया गया। उपायुक्त ने बताया कि इस अभियान के तहत जिले के सभी उपमंडलों में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। भूकंपरोधी भवन निर्माण के लिए प्रयोग की जाने वाली तकनीक, उचित गुणवत्ता वाली सामग्री और निर्माण के समय बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में लोगों को विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण की महत्ता पर जोर देते हुए लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने का भी आह्वान किया।

शुक्रवार को अंब उपमंडल के पंजोआ मे नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भूकंपरोधी भवन निर्माण के संबंध मे जानकारी देते कलाकार • जागरण

**भूकंपरोधी भवन निर्माण पर पांच दिवसीय जागरूकता अभियान का समापन, उपायुक्त बोले-भविष्य में भी आयोजित किए जाएंगे कार्यक्रम**

सात से 11 अक्टूबर तक चले इस अभियान के दौरान सूचना एवं जन संपर्क विभाग से संबद्ध नाट्य दलों ने जिले के पांचों उपमंडलों में दो-दो जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। इनमें नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से लोगों तक जागरूकता का संदेश पहुंचाया गया। अंतिम दिन आरके कला मंच के कलाकारों ने अंब उपमंडल के तहत बस अड्डा चिंतपूर्णी और पंजोआ में नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए। उपायुक्त ने कहा कि इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम भविष्य में भी आयोजित किए जाएंगे।

# भरवाईं में मनाया आपदा न्यूनीकरण पखवाड़ा

संवाद सहयोगी, जागरण • चिंतपूर्णी : आपदा प्रबंधन टीम भरवाईं ने अंतरराष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण पखवाड़ा के अंतर्गत मनाए जा रहे समर्थ कार्यक्रम के अंतर्गत भरवाईं में बैठक की। इस बैठक में एसडीएम देहरा शिल्पी बेक्टा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुईं तथा चिंतपूर्णी मंदिर के सुरक्षा अधिकारी कर्नल मनीष विशेष अतिथि उपस्थित रहे। आपदा प्रबंधन टीम भरवाईं के अध्यक्ष संदीप शर्मा ने बताया कि पहली से 13 अक्टूबर तक आपदा न्यूनीकरण पखवाड़ा मनाया जा रहा है।

इस कार्यक्रम का नाम समर्थ है, जिसके अंतर्गत विभिन्न पाठशालाओं में, बाजारों में तथा स्थानीय क्षेत्र में आपदा प्रबंधन टीम भरवाईं के आपदा मित्र बच्चों और स्थानीय लोगों को आपदा न्यूनीकरण के महत्व एवं जरूरत के बारे में समझा रहे हैं। आपदा प्रबंधन टीम भरवाईं जिला ऊना व जिला कांगड़ा के सीमावर्ती क्षेत्रों में सक्रियता से काम कर रही है। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्र के जाने-माने कवि एवं रिटायर्ड अध्यापक कुंदन भारद्वाज ने की। मुख्य अतिथि शिल्पी बेक्टा ने कहा कि आपदा प्रबंधन टीम भरवाईं का यह प्रयास सराहनीय है जिससे चिंतपूर्णी क्षेत्र में आपदा न्यूनीकरण में सहायता मिलेगी। साथ ही स्थानीय स्तर पर होने वाली आपदाओं पर विस्तृत शोध करके उन आपदाओं के प्रति लोगों को जागरूक किया जाना चाहिए।

रविवार को भरवाईं मे आपदा प्रबंधन टीम की ओर से आयोजित कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि शिल्पी बेक्टा और टीम के सदस्य • जागरण

सेवानिवृत्त कर्नल मनीष ने भी इस कार्यक्रम की सराहना की तथा आपदा न्यूनीकरण व प्रबंधन को समय की जरूरत माना। उन्होंने कहा कि आपदा के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए, क्योंकि आपदा का कोई समय नहीं होता। ऐसे में आपका ज्ञान व तत्परता ही सबसे बड़ा हथियार है। इस अवसर पर मैडम रानी शर्मा, सुमित भारद्वाज, राजेश शर्मा, राजेश ठाकुर, शीतल केशव व मयंक शर्मा ने कविता पाठ के माध्यम से जन जागरण के संदेश दिए।

# भूकंपरोधी भवन निर्माण पर पांच दिवसीय जागरूकता अभियान सफलतापूर्वक संपन्न

नाटक करते कलाकार। सतविन्द्र लट्ठ

**सवेरा न्यूज/राजीव भनोट (ऊना) :** ऊना जिला में भूकंपरोधी भवन निर्माण पर जन जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित पांच दिवसीय जागरूकता अभियान शुक्रवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस अभियान के अंतिम दिन चिंतपूर्णी और पंजोआ में नुक्कड़ नाटकों के जरिए ग्रामीणों को भूकंपरोधी तकनीकों के महत्व और भवन निर्माण के सही तरीकों की जानकारी दी गई। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं उपायुक्त जतिन लाल ने इस अभियान के सफल समापन पर जानकारी देते हुए बताया कि पांच दिवसीय अभियान में जिला के सभी उपमंडलों में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। उन्होंने बताया कि भूकंपरोधी भवन निर्माण के लिए प्रयोग की जाने वाली तकनीकों, उचित गुणवत्ता वाली सामग्री और निर्माण के समय बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में लोगों को विस्तृत जानकारी दी गई।

## भरवाईं स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण सप्ताह समर्थ कार्यक्रम का आयोजन

कार्यक्रम में बच्चों को जानकारियां देते हुए। सतविन्द्र लट्ठ

**सवेरा न्यूज/कपिल सूद (अम्ब) :** राजकीय वरिष्ठ माध्यामिक पाठशाला भरवाईं की आपदा प्रबंधन इकाई द्वारा विद्यालय प्रांगण में आपदा मित्र संदीप शर्मा और मयंक कुमार के मार्गदर्शन में इंटरनैशनल डिजास्टर रिस्क रिडक्शन सप्ताह के अंतर्गत समर्थ कार्यक्रम की शुरूआत की गई। आपदा मित्र मयंक कुमार ने बच्चों को आपदा प्रबंधन के महत्व की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य स्तर पर एक से 13 अक्तूबर तक समर्थ कार्यक्रम मनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां होगी। वहीं प्रदर्शनी लगाकर आपदा के समय काम आने वाले यंत्रों के बारे में बताया ।स्कूल के उप प्रधानाचार्य सुरेंदर सिंह ने कहा कि समर्थ कार्यक्रम के अंतर्गत आपदा प्रबंधन पर प्रतिदिन गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। प्रार्थना सभा में शिक्षक विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन की जानकारी दे रहे हैं। उप प्रधानाचार्य ने बताया कि आपदा मित्रों द्वारा स्कूली बच्चों को बहुमूल्य जानकारी उपलब्ध कराई और आपदा आने की स्थिति में कैसे रिस्पांस करना है। इस मौके पर पाठशाला के सभी विद्यार्थी एवं सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

## ऊना जिला 'सुरक्षित निर्माण मॉडल' में अव्वल

ऊना, 14 अक्तूबर (सुरेन्द्र) : ऊना जिला 'सुरक्षित निर्माण मॉडल' को लेकर आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में अव्वल रहा है। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने अंतर्राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस 'समर्थ-2024' के उपलक्ष्य पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में जिले के हरोली उपमंडल की राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कांगड़ की छात्रा चाहत और छात्र राजवीर को 'सुरक्षित निर्माण मॉडल' में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर 10,000 रुपए नकद पुरस्कार, स्मृतिचिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। यह समारोह सोमवार को गेयटी थिएटर रिज मैदान शिमला में आयोजित किया गया। चाहत 9वीं कक्षा और राजवीर 7वीं कक्षा का छात्र है। पुरस्कृत 'सुरक्षित निर्माण मॉडल' को दोनों ने मिलकर तैयार किया था।

उल्लेखनीय है कि समर्थ-2024 अभियान के तहत आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रदेश के सभी जिलों के शिक्षण संस्थानों में स्कूली और कालेज वर्ग में जूनियर और सीनियर श्रेणियों में 'सुरक्षित निर्माण मॉडल' प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। जिला स्तर पर सर्वश्रेष्ठ मॉडल का चयन कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए भेजा गया।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 7 अक्तूबर को सैंटर फॉर साइंस लर्निंग एंड क्रिएटिविटी साइंस म्यूजियम शोघी में हुई, जिसमें सभी 12 जिलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कांगड़ स्कूल की चाहत और राजवीर ने प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि चम्बा की टीम ने द्वितीय और कुल्लू के दल ने तृतीय स्थान हासिल किया। विजेता टीमों को क्रमशः 10,000, 7,500 और 5,000 रुपए नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। जिला नोडल अधिकारी (इम्पायर) पुष्पा रानी इस प्रतियोगिता में टीम ऊना के साथ रहीं।

कांगड़ स्कूल की प्राचार्य स्नेह लता, विज्ञान अध्यापिका मीना राणा और स्कूल स्टाफ ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे सभी के लिए गर्व का विषय बताया। उपायुक्त जतिन लाल ने बच्चों की सराहना करते हुए कहा कि इन युवा प्रतिभाओं ने न केवल अपने स्कूल का नाम रोशन किया है, बल्कि पूरे जिले को प्रेरित किया है।

## जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण समर्थ कार्यक्रम के तहत चिंतपूर्णी विकास समिति द्वारा जागरुकता शिविरों का किया आयोजन

**जोल, (आपका फैसला)।** जिला ऊना में ग्राम सभा की विभिन्न पंचायतों की विशेष सभाओं में जिलाआपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा चिंतपूर्णी विकास समिति के संयुक्त तत्वाधान में चिंतपूर्णी विकास समिति द्वारा आपदा स्वयंसेवियों के मार्गदर्शन में समर्थ कार्यक्रम की शुरुआत की गई। आपदा स्वयंसेवियों ने विभिन्न पंचायतों की विशेष सभाओं में ग्रामीणों को आपदा प्रबंधन के महत्व की विस्तृत जानकारी दी। यह कार्यक्रम राज्य स्तर पर 13 अक्तूबर तक समर्थ कार्यक्रम के अंतर्गत मनाया जा रहा है। इस कार्यक्रम की जानकारी देते हुए चिंतपूर्णी विकास समिति के संस्थापक अश्वनी कुमार धीमान ने बताया कि इस जनजागरण का उद्देश्य भूकंप जोन -5 में सभी इमारतों का निर्माण भूकंप सुरक्षित भवनों (मेसनरी इमारतों का) के रूप में किया जाना सुनिश्चित किया जाना है। हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण इस बात पर विशेष जोर दे रहा है कि सभी नई इमारतों को भूकंपरोधी बनाया जाए ताकि आपदा के दौरान जान माल का नुकसान कम किया जा सके इस दौरान उत्तम सीमेंट मोर्टार विधि जिसमें उच्च गुणवत्ता वाली मिश्रित सामग्री का प्रयोग तथा भवन को मजबूती देने के तरीक़ों के बारे में जागरूक किया गया तथा भवन निर्माण प्रशिक्षित मिस्त्री अथवा अभियंता की देखरेख एवं सलाह के द्वारा करने का आह्वान भी किया गया 7 उपस्थित ग्रामीणों से संबंधित विषय के बारे में जरूरी विस्तृत चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में विभिन्न पंचायतों से गांव वासियों ने जिसमें लोअर अंदौरा में 162, अप्पर अंदौरा 182, कलरूही में 98 तथा कुठेड़ा खैरला में 168 ग्राम पंचायत सपोरी से 111 ग्रामीणों की उपस्थिति दर्ज की गई। उपस्थित ग्रामीणों को हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण जिला उन्ना द्वारा जारी की गयी सुरक्षित भवन निर्माण से संबंधित सरल दिशा-निर्देश, समर्थ सामग्री का वित्तरण भी किया गया इस जनजागरण अभियान के दौरान विशेष रूप से चिंतपूर्णी विकास समिति के स्वयंसेवियों में अंजू सोनी,दिनेश जसवाल सपोरी, मनोज कौशिक, आर्यन, कमल, अध्यक्ष चिंतपूर्णी विकास समिति शादी लाल एवं पंचायत प्रतिनिधियों में ग्राम पंचायत लोअर अंदौरा से प्रधान पंकज कौंडल, उप-प्रधान जोगिंदर पाल अप्पर अंदौरा से उप-प्रधान शमशेर सिंह कलरूही से प्रधान सुनीता देवी, उप- प्रधान यशपाल शर्मा , ग्राम पंचायत कुठेड़ा खैरला से प्रधान शालिनी गोस्वामी, उप-प्रधान राजकुमार धीमान, समाजसेवी शम्भू गोस्वामी, सपोरी ग्राम पंचायत से प्रधान चंचला देवी, उप-प्रधान वकील सिंह तथा सभी पंचायतों के सचिव व पंचायत सदस्यों ने एवं पंचायत के लगभग 721 ग्रामीणों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

## दिनभर न्यूज़

02/10/2024

### जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण *"समर्थ"* कार्यक्रम के तहत चिंतपूर्णी विकास समिति द्वारा जागरूकता शिवरों का किया आयोजन

ऊना। आज ग्राम सभा की विभिन्न पंचायतों की विशेष सभाओं की बैठकों में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा चिंतपूर्णी विकास समिति के संयुक्त तत्वाधान में चिंतपूर्णी विकास समिति के आपदा स्वयंसेवियों के मार्गदर्शन में *"समर्थ"* कार्यक्रम की शुरुआत की गई। आपदा स्वयंसेवियों ने विभिन्न पंचायतों की विशेष सभाओं में ग्रामीणों को आपदा प्रबंधन के महत्व की विस्तृत जानकारी दी। यह कार्यक्रम राज्य स्तर पर 13 अक्तूबर तक समर्थ कार्यक्रम के अंतर्गत मनाया जा रहा है। इस कार्यक्रम की जानकारी देते हुए चिंतपूर्णी विकास समिति के संस्थापक अश्वनी कुमार धीमान ने बताया कि इस जनजागरण का उद्देश्य भूकंप जोन -5 में सभी इमारतों का निर्माण भूकंप सुरक्षित भवनों (मेसनरी इमारतों का) के रूप में किया जाना सुनिश्चित किया जाना है । हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण इस बात पर विशेष जोर दे रहा है कि सभी नई इमारतों को भूकंपरोधी बनाया जाए ताकि आपदा के दौरान जान माल का नुकसान कम किया जा सके इस दौरान उत्तम सीमेंट मोर्टार विधि जिसमें उच्च गुणवत्ता वाली मिश्रित सामग्री का प्रयोग तथा भवन को मजबूती देने के तरीक़ों के बारे में जागरूक किया गया तथा भवन निर्माण प्रशिक्षित मिस्त्री अथवा अभियंता की देखरेख एवं सलाह के द्वारा करने का आह्वान भी किया गया । उपस्थित ग्रामीणों से संबंधित विषय के बारे में जरूरी विस्तृत चर्चा की गई । इस कार्यक्रम में विभिन्न पंचायतों से जिसमें लोअर अंदौरा में 162 , अप्पर अंदौरा 182 , कलरूही में 98 तथा कुठेड़ा खैरला में 168 ग्राम पंचायत सपोरी से 111 ग्रामीणों की उपस्थिति दर्ज की गई । उपस्थित ग्रामीणों को हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण जिला उन्ना द्वारा जारी की गयी सुरक्षित भवन निर्माण से संबंधित सरल दिशा-निर्देश, "समर्थ" सामग्री का वितरण भी किया गया इस जनजागरण अभियान के दौरान विशेष रूप से चिंतपूर्णी विकास समिति के स्वयंसेवियों में अंजू सोनी,दिनेश जसवाल सपोरी, मनोज कौशिक, , आर्यन, कमल , अध्यक्ष चिंतपूर्णी विकास समिति शादी लाल एवं पंचायत प्रतिनिधियों में ग्राम पंचायत लोअर अंदौरा से प्रधान पंकज कौंडल , उप-प्रधान जोगिंदर पाल अप्पर अंदौरा से उप-प्रधान शमशेर सिंह कलरूही से प्रधान सुनीता देवी, उप- प्रधान यशपाल शर्मा , ग्राम पंचायत कुठेड़ा खैरला से प्रधान शालिनी गोस्वामी, उप-प्रधान राजकुमार धीमान, समाजसेवी शम्भू गोस्वामी , सपोरी ग्राम पंचायत से प्रधान चंचला देवी, उप-प्रधान वकील सिंह तथा सभी पंचायतों के सचिव व पंचायत सदस्यों ने एवं पंचायत के लगभग 721 ग्रामीणों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया ।

## जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का जागरूकता शिविर

जागरूकता शिविर में पुचायतों के प्रतिनिधि । सतविन्द्र लट्ठ

**सवेरा न्यूज/कपिल सूद अम्ब,** : ग्राम सभा की विभिन्न पंचायतों की विशेष सभाओं की बैठकों में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा चिंतपूर्णी विकास समिति के संयुक्त तत्वाधान में चिंतपूर्णी विकास समिति के आपदा स्वयंसेवियों के मार्गदर्शन में 'समर्थ' कार्यक्रम की शुरूआत की गई। आपदा स्वयंसेवियों ने विभिन्न पंचायतों की विशेष सभाओं में ग्रामीणों को आपदा प्रबंधन के महत्व की विस्तृत जानकारी दी। यह कार्यक्रम राज्य स्तर पर 13 अक्तूबर तक समर्थ कार्यक्रम के अंतर्गत मनाया जा रहा है। इस कार्यक्रम की जानकारी देते हुए चिंतपूर्णी विकास समिति के संस्थापक अश्वनी कुमार धीमान ने बताया कि इस जनजागरण का उद्देश्य भूकंप जोन -5 में सभी इमारतों का निर्माण भूकंप सुरक्षित भवनों के रूप में किया जाना सुनिश्चित किया जाना है। जनजागरण अभियान के दौरान विशेष रूप से चिंतपूर्णी विकास समिति के स्वयंसेवियों में अंजू सोनी, दिनेश जसवाल सपोरी, मनोज कौशिक,, आर्यन, कमल , अध्यक्ष चिंतपूर्णी विकास समिति शादी लाल एवं पंचायत प्रतिनिधियों में ग्राम पंचायत लोअर अंदौरा से प्रधान पंकज कौंडल, उप-प्रधान जोगिंदर पाल,अप्पर अंदौरा से उप-प्रधान शमशेर सिंह कलरूही से प्रधान सुनीता देवी, उप- प्रधान यशपाल शर्मा , ग्राम पंचायत कुठेड़ा खैरला से प्रधान शालिनी गोस्वामी, उप-प्रधान राजकुमार धीमान, समाजसेवी शम्भू गोस्वामी तथा सभी पंचायतों के सचिव व पंचायत सदस्यों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया ।